जेष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 169, पृष्ठ 8, मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शुक्रवार 15 जुलाई 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

आतंकियों का 'मिशन 2047' विफल

पटना में आतंकियों के निशाने पर थे पीएम मोदी, नूपुर शर्मा समेत इस्लाम के खिलाफ बोलने वालों की लिस्ट तैयार थी, 15 दिन हुई ट्रेनिंग

पटना: पटना में आतंकियों के बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। पटना दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन आतंकियों के निशाने पर थे। इसके लिए 15 दिन से ट्रेनिंग दी जा रही थी। इन लोगों ने नूपुर शर्मा समेत इस्लाम के खिलाफ बोलने वालों की लिस्ट तैयार की थी। राजस्थान के उदयपुर और महाराष्ट्र के अमरावती की तरह बदला लेने की प्लानिंग थी। प्रधानमंत्री के दौरे से एक दिन पहले ही पुलिस ने दो संदिग्ध आतंकियों अतहर परवेज और मोहम्मद जलालुद्दीन को गिरफ्तार कर लिया। अतहर ने पुलिस को बताया कि इस मुहिम में 26 लोग शामिल थे, जिनकी पटना में ट्रेनिंग चल रही थी। सभी पापुलर फ्रंट ऑफ इंडिया यानी पीएफआई और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया यानी एसडीपीआई से भी जुड़े थे। इन दोनों की सूचना पर गुरुवार को फुलवारी शरीफ के रहने वाले अरमान मलिक को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में यह तीसरी बड़ी गिरफ्तारी है। अरमान भी पीएफआई की मीटिंग में शामिल होता था। तीनों संदिग्धों से अभी पूछताछ चल रही है। कुल 26 लोगों पर एफआईआर दर्ज है। आतंकियों के पास से इंडिया 2047 नाम के डॉक्यूमेंट भी मिला है।

पुलिस के हाथ लगे 7 पेज के डॉक्यूमेंट में पूरी प्लानिंग का जिक्र है। बताया गया है कि पटना के फुलवारी शरीफ के अहमद पैलेस की दूसरी मंजिल को ट्रेनिंग सेंटर बना दिया गया था। इसमें बिहार के बाहर के लोग भी आ रहे थे।

80 लाख से ज्यादा का ट्रांजैक्शन मिला: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पटना दौरे से एक दिन पहले यानी 11 जुलाई की शाम को आईबी (इंटेलिजेंस ब्यूरो) के इनपुट पर पुलिस ने नया टोला में छापेमारी कर जलालुद्दीन और गुलिस्तां मोहल्ला स्थित घर से अतहर को पकड़ा था। इनके बैंक अकाउंट से 80 लाख से ज्यादा का ट्रांजैक्शन मिला है।

फुलवारी शरीफ के एएसपी मनीष कुमार ने बताया कि ये मिशन 2047 पर काम कर रहे थे।

साजिश: भारत को 2047 तक इस्लामी राष्ट्र बनाना

6-7 जुलाई को मार्शल आर्ट के नाम पर बिहार, तमिलनाडु, झारखंड और पश्चिम बंगाल से आए युवकों को ट्रेनिंग दी गई। साजिश थी भारत को 2047 तक इस्लामी राष्ट्र बनाना। पुलिस ने इनके ठिकानों से कई आपत्तिजनक बैनर, पैम्फलेट, वीडियो समेत अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं। 11 जुलाई से दोनों से पूछताछ की जा रही थी। सबूत मिलने के बाद पुलिस ने बुधवार को दोनों को मीडिया के सामने पेश किया। एएसपी ने बताया कि अतहर के विभिन्न बैंकों में तीन अकाउंट हैं। इनमें 83 लाख रुपए जमा हैं। पुलिस का कहना है कि तीनों अकाउंट्स को फ्रीज कराया जाएगा।

चार देशों के मंच आई2यू2 का एजेंडा प्रगतिशील सकारात्मक : मोदी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत, अमेरिका, इजरायल और संयुक्त अरब अमीरात के नेताओं की पहली शिखरवार्ता में गुरुवार को भाग लेते हुए कहा कि यह नया मंच दुनिया में ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देगा। अमेरिका-भारत के साथ ही पश्चिमी एशिया के दो देशों यूएई और इजरायल के इस मंच को आई2यू2 का नाम दिया गया है। प्रथम अक्षर भारत और इजरायल और दूसरे दो अमेरिका और यूएई के लिए हैं। मोदी ने वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए गुरुवार को शिखरवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि इस नए मंच के चारों देशों ने जल, ऊर्जा, परिवहन, खाद्य सुरक्षा, अंतरिक्ष और स्वास्थ्य इन छह क्षेत्रों में सहयोग करने का फैसला किया है। चारों देश

इन क्षेत्रों में संयुक्त रूप से परियोजना तैयार कर निवेश करेंगे। इसके लिए एक रोडमैप तैयार किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि वास्तव में हम चारों देश रणनीतिक साझेदार और अच्छे मित्र हैं। उनके दृष्टिकोण में समानता और समान हित हैं। उन्होंने कहा कि इस पहली शिखरवार्ता से ही चारों देशों ने एक सकारात्मक एजेंडा सामने रखा है। यह प्रगतिशील और व्यावहारिक है। चारों देशों अपनी शक्ति, पूंजी, बाजार और कौशल का उपयोग कर सहयोग के एजेंडे को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अनिश्चितता से भरे समकालीन विश्व में परस्पर सहयोग का यह अच्छा मॉडल है। पहली शिखरवार्ता में इजरायल के प्रधानमंत्री येर लापिद, यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भाग लिया।

महाराष्ट्र: पेट्रोल 5 रुपये और डीजल 3 रुपये हुआ सस्ता

मुंबई: दिन-ब-दिन बढ़ती महंगाई की दोहरी मार झेल रहे लोगों को महाराष्ट्र की शिंदे सरकार ने बड़ी राहत दी है। सरकार ने गुरुवार को पेट्रोल पर 5 रुपये और डीजल पर 3 रुपये प्रति लीटर मूल्य वर्धित कर (वैट) की कटौती की है। महाराष्ट्र सरकार के पेट्रोल और डीजल पर वैट में कटौती के बाद देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल 106.35 रुपये और डीजल 97.28 रुपये प्रति लीटर मिलेगा जबकि अभी पेट्रोल 111.35 रुपये और डीजल 97.28 रुपये

प्रति लीटर बिक रहा है। हालांकि, राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

इसके बावजूद पेट्रोल-डीजल पर वैट से होने वाली कमाई के मामले में महाराष्ट्र देश के अन्य सभी राज्यों से आगे है। वित्त वर्ष 2021-22 में वैट के जरिए राज्य सरकार को 34,002 करोड़ रुपये का राजस्व मिला था।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को मिली सारी मंजूरियां

मुंबई: महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार ने कई बड़े फैसले किए। मुख्यमंत्री शिंदे व उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को सभी मंजूरियां दे दी गई हैं। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री फडणवीस ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 1975 में लगे आपातकाल के दौरान जेलों में रहे राज्य के लोगों को पेंशन दी जाएगी। फडणवीस ने बताया कि मीसा बंदियों को पेंशन का फैसला 2018 में ही ले लिया गया था।

'बच्चे पैदा तो जानवर भी करते हैं, रक्षा करने वाला ही इंसान'

चिक्कबल्लापुर: जनसंख्या पर छिड़ी बहस के बीच संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भी बड़ा बयान दिया है। भागवत ने कहा कि जनसंख्या बढ़ाने और खाने का काम तो जानवर भी करते हैं। ये जंगल में सबसे ताकतवर रहने के लिए जरूरी है। ताकतवर ही जिंदा रहेगा, ये जंगल का कानून है। इंसानों में ऐसा नहीं है। इंसानों में जब ताकतवर दूसरे की रक्षा करता है तो ये ही इंसानियत की निशानी है। भागवत कर्नाटक के चिक्कबल्लापुर की श्री सत्य साईं यूनिवर्सिटी फॉर ह्यूमन एक्सीलेंस के पहले दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे।

भारत ने इतिहास से सबक लेकर विकास किया: संघ प्रमुख ने देश के विकास पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि देश हाल ही में काफी तरक्की कर चुका है। देशवासियों ने विकास देखा है। हमने इतिहास से सबक

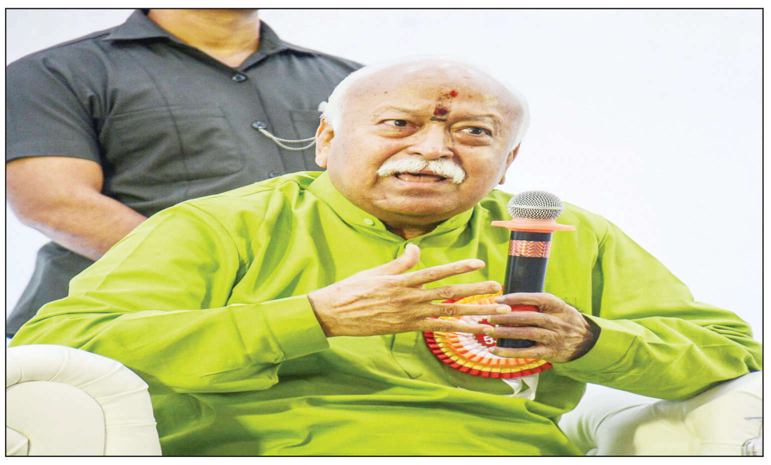

लेकर भविष्य की ओर देखते हुए विकास किया है। कोई 10-12 साल पहले ऐसा कहता तो इसे गंभीरता से नहीं लिया जाता। जो विकास आज दिखाई दे रहा है, उसकी नींव 1857 में रखी गई थी। हालांकि इन सबके बीच विज्ञान और बाहरी दुनिया में संतुलन का अभाव साफ दिखाई देता है। भागवत ने दीक्षांत के दौरान कहा कि अगर किसी की भाषा अलग है, धर्म अलग है, यहां तक कि देश भी अलग है तो यह विवाद की जड़ है।

पर्यावरण और विकास के बीच हमेशा से ही विवाद होता रहा है। श्रेष्ठता अध्यात्म के जरिए ही मिल सकती है, क्योंकि विज्ञान अभी तक सृष्टि का मूल नहीं समझ सका है। विज्ञान ने केवल इतना पाया कि सब कुछ आपस में जुड़ा है, लेकिन वो कनेक्टिंग फैक्टर नहीं खोज सका। इस दौरान इसरो के पूर्व अध्यक्ष के कस्तूरीरंगन, पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान सुनील गावस्कर, गायक पंडित एम वेंकटेश कुमार भी मौजूद थे।

पंजाबी सिंगर दलेर मेहंदी गिरफ्तार

2003 के कबूतरबाजी केस में 2 साल की कैद की सजा बरकरार

चंडीगढ़: मशहूर पंजाबी सिंगर दलेर मेहंदी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दलेर मेहंदी पर 2003 में कबूतरबाजी का केस दर्ज हुआ था। इसमें उन्हें पहले 2 साल कैद हुई थी। सजा को उन्होंने पटियाला के सेशन कोर्ट में चुनौती दी थी। वहां भी सजा बरकरार रहने की वजह से उन्हें गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। दलेर को अब सजा काटने के लिए पटियाला सेंट्रल जेल भेजा जाएगा। पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिद्धू भी इसी जेल में बंद हैं।

ट्रायल कोर्ट ने सुनाई थी सजा: दलेर मेहंदी के खिलाफ 2003 में केस दर्ज हुआ था। करीब 15 साल की सुनवाई के बाद 2018 में पटियाला की ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट कोर्ट ने उन्हें 2 साल कैद और 2 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई थी। सजा 3 साल से कम होने की वजह से दलेर मेहंदी को उसी वक्त जमानत मिल गई। इस केस में आरोपी बुलबुल मेहता को बरी कर दिया गया था। वहीं शमशेर सिंह और ध्यान सिंह की मौत हो चुकी है।

सेशन कोर्ट में खारिज हुई याचिका: दलेर ने ट्रायल कोर्ट की सजा के फैसले को पटियाला सेशन कोर्ट में चुनौती दी थी। इसकी सुनवाई के दौरान गुरुवार को एडिशनल सेशन जज एचएस ग्रेवाल ने दलेर की याचिका को खारिज कर दिया। इसके बाद वहीं से दलेर को गिरफ्तार कर लिया गया।

दलेर पर कबूतरबाजी के यह आरोप: पंजाबी सिंगर दलेर मेहंदी विदेश में शो के लिए जाते रहते थे। उन पर आरोप है ।

पीएसयू बैंकों की विलय के अगले चरण की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली: देश में सरकारी बैंकों की संख्या और घट सकती है। सब कुछ ठीक रहा तो आने वाले दिनों में केवल चार या पांच सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसयू) होंगे। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक केंद्र सरकार जल्द ही सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के विलय के अगले दौर की शुरूआत कर सकती है। इसके बाद देश में पीएसयू बैंकों की संख्या केवल चार या पांच रह जाएगी। इसके लिए यह एक व्यापक अध्ययन किया जा रहा है। सरकार की योजना छोटे बैंकों को मिलाकर देश के सबसे बड़े पीएसयू स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की तरह 4-5 बड़े और मजबूत बैंक बनाने की है। अभी देश में सार्वजनिक क्षेत्र के कुल 12 बैंक हैं, जिनमें 7 बड़े और पांच छोटे बैंक हैं। दरअसल, जिन बैंकों के विलय की योजना सरकार बना रही है, उनको अपना जवाब दाखिल करने के लिए कहा गया है। सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ बैंकों के बेहतर प्रदर्शन और कुछ का मुनाफा बढ़कर दोगुना होने से उत्साहित सरकार बैंकों के विलय और निजीकरण के लिए जल्द ही संसद में एक विधेयक पेश कर सकती है।

प्रियंका ने कसा तंज, बोलीं- जब सरकार भ्रष्टाचार करे, तो उसे भ्रष्ट नहीं, 'मास्टरस्ट्रोक' बोला जाए

संसद में भ्रष्ट से जुमलाजीवी जैसे कई शब्द बैन

नई दिल्ली: 18 जुलाई से मानसून सत्र शुरू हो रहा है। इससे पहले लोकसभा सचिवालय ने दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा के लिए कुछ शब्दों और मुहावरों की लिस्ट जारी की है। इनका प्रयोग संसद में गलत और असंसदीय माना जाएगा। विपक्षी सांसदों ने इसका विरोध किया है। वहीं,ओम बिरला ने इस पर स्पष्टीकरण दिया है।

ओम बिरला बोले- किसी शब्द पर प्रतिबंध नहीं: लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, 'क्या विपक्ष ने 1100 पन्नों की इस डिक्शनरी को पढ़ा है। यह

1954,1986, 1992, 1999, 2004, 2009, 2010 में जारी किया गया है। वहीं, 2010 से हर साल जारी किया जाता है। पहले इस तरह के असंसदीय शब्दों की एक बुक जारी की जाती थी। कागज की बर्बादी से बचने के लिए हमने इसे इंटरनेट पर डाल दिया है। किसी भी शब्द पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया है, हमने उन शब्दों का संकलन जारी किया है जिन्हें हटा दिया गया है।'

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि जिन शब्दों को हटा दिया गया है, वे विपक्ष के साथ-साथ सरकार द्वारा भी संसद में कहे किए गए हैं। केवल विपक्ष द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्दों को नहीं हटाया गया है। किसी भी शब्द पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया है, उन शब्दों को हटा दिया गया है जिन पर पहले आपत्ति थी।

गुजरात में 24 घंटों में 14 की जान गई; भारी बारिश की वजह से ठाणे, नवी मुंबई में स्कूल बंद

25 राज्यों में बारिश से अब तक 218 मौतें

मुंबई/अहमदाबाद: महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और केरल समेत देश के 25 राज्यों में बारिश हो रही है। गुजरात में पिछले 24 घंटों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 14 लोगों की जान चली गई। महाराष्ट्र में अब तक 84 लोग मारे गए हैं। इस तरह बाढ़ और भूस्खलन जैसे हादसों में अब तक 218 लोगों की जान जा चुकी है। तेलंगाना में बुधवार को रिकॉर्ड 68.2 मिमी बारिश दर्ज हुई। छत्तीसगढ़ में 35.8 मिमी और महाराष्ट्र में 43 मिमी बारिश हुई। देश में अब तक औसत से 11% अधिक बारिश हो चुकी है। भारी बारिश की वजह से गुरुवार को ठाणे, पालघर और नवी मुंबई के सभी स्कूल बंद रखे गए हैं। उधर, मुंबई यूनिवर्सिटी ने

गुरुवार को होने वाले परीक्षाएं रद्द कर दी हैं। इनकी नई तारीखों का ऐलान बाद में होगा। हालांकि, मुंबई में आज स्कूल बंद नहीं किए गए हैं। पूरे महाराष्ट्र में बुधवार को औसतन 43 मिमी बारिश हुई। गोंदिया में 15 श्रद्धालु उफनती वैनगंगा नदी के बीच स्थित एक मंदिर में फंस गए थे। उन्हें गुरुवार सुबह निकाल लिया गया। ये लोग गुरु पूर्णिमा पर पूजा करने पहुंचे थे।

गुजरात: 5 जिले हाई अलर्ट पर, 31 हजार लोग रेस्क्यू किए: मौसम विभाग ने बताया कि गुजरात में पांच जिले वलसाड, नवसारी, डांग, जूनागढ़, गिरि और सोमनाथ हाई अलर्ट पर हैं। पूरे राज्य में अब तक 31 हजार लोगों सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। राज्य में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 14 लोगों की मौत हुई है। इनमें से नौ लोगों की मौत डूबने के कारण हुई। इस तरह अब तक 83 लोगों की जान जा चुकी है। बुधवार को सुबह छह बजे से 10 बजे के बीच चार घंटे में जूनागढ़, गिर सोमनाथ, डांग और अमरेली में 47 मिमी से 88 मिमी के बीच बारिश हुई।

सुशांत दिन में 4 बार ड्रग्स लेते थे

ड्रग्स खरीदने से पहले बहन रिया को रेट बताते थे शोविक, एनसीबी ने दोनों की वॉट्सऐप चैट दिखाई

मुंबई: सुशांत सिंह राजपूत की मौत के 760 दिन बाद नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने बुधवार को 286 पेज की ड्राफ्ट चार्जशीट कोर्ट में दायर की। 237 पेज में 33 आरोपियों के डीटेल्ड बयान हैं। 49 पेज में आरोपी नंबर 10 यानी रिया, आरोपी नंबर 7 यानी उनके भाई शोविक समेत बाकी आरोपियों का रोल बताया गया है। एनसीबी ने 6,272 पेज के डिजिटल एविडेंस, 2,226 पेज के बैंक डॉक्यूमेंट और मोबाइल नंबरों की एक सीडी भी कोर्ट में जमा की है। 2,960

डॉक्यूमेंट सबूत के तौर पर जमा किए गए हैं।

सुशांत दिन में 4 बार ड्रग्स लेते थे: रिया चक्रवर्ती अपने भाई शोविक चक्रवर्ती के साथ साल 2018 से ही ड्रग पैडलर से जुड़ीं थीं। एनसीबी की चार्जशीट के मुताबिक, अब्दुल बासित परिहार ने पूछताछ में बताया कि वो 2018 में पहली बार रिया और शोविक से मिले थे।

खबर संक्षेप

निशुल्क नेत्र शिविर में 558 मरीजों का हुआ परीक्षण

सहसों। श्री राम सेवा समर्पण समिति के तत्वावधान में रिति आई केयर हॉस्पिटल के सौजन्य से सहसों गोल चौराहे पर निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन बुधवार को किया गया। नेत्र शिविर का उद्घाटन समिति के संरक्षक एवं अधिवक्ता प्रीतिका त्रिपाठी ने फीता काटकर किया। क्षेत्र से आए हुए 558 मरीजों का डॉ रमेश शुक्ला , डा अभिषेक सिंह व उनकी टीम द्वारा निःशुल्क नेत्र परीक्षण कर दवाएं दी गई। इसके अतिरिक्त 373 लोगों की आंख की जांच करते हुए उन्हें निःशुल्क चश्मा प्रदान किया गया। चिकित्सा शिविर में 82 नेत्र रोगियों का परीक्षण कर उन्हें मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। जिनका निःशुल्क ऑपरेशन नेत्र सर्जन द्वारा किया जाएगा। एडवोकेट शशांक धर द्विवेदी द्वारा आयोजित निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में राहुल सिंह, विनीत शुक्ला, शिवम जायसवाल, शुभम द्विवेदी, अभिषेक द्विवेदी आदि ने सहयोग किया।

पास्को एक्ट वांछित को पुलिस ने भेजा जेल : नैनी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत नैनी पुलिस ने बुधवार को एफसीआई गेट के समीप से पास्को एक्ट का वांछित को गिरफ्तार किया।जानकारी के मुताबिक निखिल उर्फ मुन्ना भारतीय पुत्र अमर बहादुर भारतीय जो पास्को एक्ट का वांछित था उसको पुलिस ने बुधवार को एफसीआई गेट से पकड़ कर विधिक कार्रवाई कर जेल भेज दिया।

मण्डलायुक्त ने महाकुम्भ मेला 2025 के आयोजन हेतु की समीक्षा बैठक

अखंड भारत संदेश

गांधी सभागार में समीक्षा बैठक करते मंडलायुक्त

प्रयागराज। मण्डलायुक्त संजय गोयल की अध्यक्षता में गुरूवार को गांधी सभागार में महाकुम्भ मेला-2025 के आयोजन हेतु प्रयागराज नगर में अवस्थापना सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण एवं दीर्घकालीन परियोजनाओं के सम्बंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मण्डलायुक्त ने विभागवार प्रस्तावित परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। सेतु निगम, लोक निर्माण विभाग, प्रयागराज विकास प्राधिकरण, नगर निगम, पर्यटन विभाग, गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बंधित दीर्घकालीन परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जो भी परियोजनाएं प्रस्तावित है, उसके लिए यदि जमीन की आवश्यकता हो, तो उसकी उपलब्धता के सम्बंध में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करा ली जाए साथ ही साथ उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि परियोजनाओं को अंतिम रूप देते समय सभी सम्बंधित विभागों के साथ इंट्रीग्रेटेड रूप से प्रस्ताव तैयार किया जाये, जिससे कि कार्य के बारे में सभी विभागों को जानकारी रहे और कार्य कराते समय उसमें किसी भी तरह का दूसरे विभाग के द्वारा अनावश्यक व्यवधान न उत्पन्न होने पाये।

सेतु निगम के द्वारा एसआरएन से मेडिकल कालेज चौराहें तक बनाये जाने वाले फ्लाइओवर एवं महाराणा प्रताप चौराहें से लोक सेवा आयोग, पत्रिका चौराहा तक बनाये जाने वाले फ्लाइओवर से सम्बंधित प्रस्ताव के बारे में मण्डलायुक्त ने टीम गठित कर स्थल का निरीक्षण करते हुए योजना से सम्बंधित प्रस्ताव के सम्बंध में दो सप्ताह के अंदर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा है। मण्डलायुक्त ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों से यह भी कहा है कि जो कार्य मेला अवधि के वर्ष में होना है, उसके लिए अलग से एवं जो कार्य दीर्घकालीन परियोजनाओं से सम्बंधित है, उसके लिए अलग से प्रस्ताव बना लिया जाये। पर्यटन विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने ओल्ड कर्जन ब्रिज, नागवासुकी मंदिर, तक्क्षेश्वर मंदिर दरियाबाद, माधव सर्किट, भरद्वाज आश्रम में कराये जाने वाले सौन्दर्यीकरण के कार्य, पंचकोशीय परिक्रमा के अन्तर्गत आने वाले मंदिरों के स्थलों के सौन्दर्यीकरण सहित अन्य प्राचीन स्थलों के सौन्दर्यीकरण हेतु योजनाओं से सम्बंधित प्रस्ताव पर विचार-विमर्श करते हुए पर्यटन अधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। उन्होंने द्वादश माधव सर्किट के पर्यटन विकास हेतु वहां पर पार्किंग स्थल, एप्रोच मार्ग सहितअन्य आवश्यक व्यवस्थाओं से सम्बंधित कार्यों को भी प्रस्ताव में शामिल किए जाने के लिए कहा है।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में तेज बहादुर सप्रू अस्पताल, स्वरूपरानीचिकित्सालय, मोतीलाल नेहरू मण्डलीय चिकित्सालय, महिला चिकित्सालय तथा क्षयरोग चिकित्सालय एवं सीएससी/पीएससी में कराये जाने वाले कार्यों से सम्बंधित प्रस्तावों के बारे में विस्तृत रूप से समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। मण्डलायुक्त ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जो भी परियोजनाएं फाइनल हो, उससे सम्बंधित बजट की व्यवस्था के सम्बंध में भी आवश्यक कार्रवाई की प्रक्रिया भी सुनिश्चित की जाये। इस अवसर पर डीएम संजय कुमार खत्री, पीडीए उपाध्यक्ष अरविंद चौहान, नगर आयुक्त चन्द्र मोहन गर्ग सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

न्यूज झरोखा

कैबिनेट मंत्री नंदगोपाल नंदी का हुआ जगह-जगह स्वागत

नैनी। बुधवार को उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी नैनी में सभी सेक्टर संयोजको के घर पहुंचे जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। वहीं हनुमान नगर स्थित सेक्टर संयोजक सुजित जायसवाल के घर पहुंचे जहां कई लोगों ने पार्टी की सदस्यता भी ग्रहण की।सदस्यता ग्रहण करने वालों में चंद्रबली जाटव,सुरेश वर्मा,राकेश सोनकर,सुनील शर्मा, पवन शर्मा,आकाश वर्मा,आदि ने सदस्यता ग्रहण की।कैबिनेट मंत्री का स्वागत करने वालों में भाजपा नैनी मंडल अध्यक्ष दिलीप केसरवानी,राकेश जायसवाल,राजीव वर्मा, हरे कृष्ण तिवारी,ज्ञानेश्वर शुक्ला,आकांक्षा जायसवाल,सबीत वर्मा,शुभम पाल,बब्लू अकबर हुसैन उर्फ प्रिंस,राजन शुक्ल,विनोद मिश्रा, आदि लोग उपस्थित रहे।

पकरी सेवार गांव मे अज्ञात कारणों से लगी आग

मेजा रोड। मेजा के पकरी सेवार गांव मे अज्ञात कारणों से आग लग जाने से गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। गांव के प्रधान ने उपजिलाधिकारी मेजा को पत्र लिखकर सरकारी मदद की मांग की है। बता दें कि मेजा तहसील क्षेत्र के पकरी सेवार गांव मे बुधवार की बीती रात दिनेश कुमार, लालमनि, निशा देवी, रामराज व सागर के झोपड़ी मे अज्ञात कारणों से आग लग गई। जिसमे रखा बर्तन, विस्तर, खाद्य सामग्री सहित गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। ग्राम प्रधान रेनू पाण्डेय ने उपजिलाधिकारी मेजा विनोद कुमार पाण्डेय को पत्र लिखकर सरकारी मदद की मांग की है। वहीं उपजिलाधिकारी मेजा ने तहसीलदार व लेखपाल को जांच कर अगली कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

मेजा में अवैध रूप से चल रहे ट्रकों पर पुलिस ने की कार्रवाई

मेजा रोड। मेजा मे धड़ल्ले से अवैध रूप से चल रहे ट्रकों पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हजारों रुपए जुमार्ना लगाया और एक ट्रक को सीज कर दिया। बता दें कि थाना प्रभारी मेजा धीरेन्द्र सिंह के निर्देश मे बुधवार की शाम चौकी प्रभारी कोहड़ार अखिलेश कुमार सिंह ने पुलिस सिपाहियों के साथ बाजार में वाहन चेकिंग के दौरान अवैध रूप से धड़ल्ले से चल रहे ट्रकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आठ ट्रकों का 50 हजार रुपए जुमार्ना किया। वहीं एक ओवरलोड ट्रक को पकड़कर सीज कर दिया गया।

भावुक माहौल में पंचायत सचिव की हुई विदाई

करछना। विकासखंड करछना में पंचायत सचिव की विदाई समारोह में खंड विकास अधिकारी देव कुमार ने कहां विदाई का पल भाउक होता है कर्मचारी के बुरे कार्यों को भुलाकर उसे सम्मान पूर्वक विदाई करना चाहिए बता दें कि विकासखंड करछना में साढे 4 वर्ष तक पंचायत सहायक विकास अधिकारी के पद पर तैनात हुमा परवीन विकासखंड के कई गांवों में कार्य कर चुकी थी जिनका गत दिनों गैर जनपद स्थानांतरण हो जाने पर ब्लॉक कर्मियों ने गुरुवार को ब्लॉक परिसर में विदाई समारोह आयोजित कर माला फूल पहनाकर गिफ्ट उपहार देकर गमगीन माहौल में कर्मचारियों ने हुमा परवीन की विदाई की इस मौके पर खंड विकास अधिकारी देव कुमार ,आवास प्रभारी बृजेश द्विवेदी मनरेगा प्रभारी मनीष शुक्ला ,प्रधान करेहा, प्रधान प्रतिनिधि मुगांरी आशीष प्रताप सिंह, पंचायत सचिव प्रीति शुक्ला, पंचायत सचिव राम सकल, पंचायत सचिव नेहा राय, रोजगार सेवक संघ के अध्यक्ष महेंद्र कुमार यादव व बड़ी संख्या में ब्लॉक कर्मी मौजूद रहे।

स्वास्थ कर्मी परिवार नियोजन के बारे में ग्रामीणों को करें जागरूक : डॉ केबी सिंह

11 जुलाई से 26 जुलाई तक चलेगा जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा

रत्योरा। जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा के अंतर्गत स्वास्थ्य कर्मी ग्रामीणों को परिवार नियोजन से जुड़े साधनों एवं पुरुष नसबंदी हेतु जागरूक करें। जिससे सरकार की पहल जनसंख्या स्थिरता सार्थक हो सके। यह बातें डॉ केबी सिंह अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोरांव ने स्वास्थ्य कर्मियों को ग्रामीणों को जागरूक करने के बाबत कही है। अधीक्षक ने बताया कि 11 जुलाई से लेकर 26 जुलाई तक जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा चलेगा। जिसके क्रम में आशा, एएनएम आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के द्वारा ग्रामीणों को परिवार नियोजन के साधनों जैसे अंतरा, छाया, कापरटी, कंडोम एवं पुरुष नसबंदी पर जागरूक करेंगी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य कर्मियों के प्रेरित करने के बाद कुछ पुरुष अपनी नसबंदी कराने के लिए तैयार हैं। जिनकी नसबंदी हेतु 2 दिन बाद अस्पताल में कैंप लगेगा और पुरुष नसबंदी की जाएगी। उन्होंने कहा कि महज एक चीरे व टांके में पुरुष नसबंदी होती है। पुरुष नसबंदी के 1 घंटे बाद व्यक्ति अपने घर पहुंच जाएगा जिसे कोई दिक्कत नहीं होगी। जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा कार्यक्रम को लेकर अधीक्षक डॉ केबी सिंह ने सभी स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में महिलाओं एवं पुरुषों को जनसंख्या स्थिरता से जुड़े उपायों को बताएं और उनका उपयोग करें जिससे यह पखवाड़ा सार्थकता की ओर सफल हो सके।

भूमिहीन महिलाओं नें पट्टा आवंटन किए जानें के लिए एसडीएम को दिया ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

करछना। जिला काँग्रेस कमेटी यमुनापार प्रयागराज के जिला उपाध्यक्ष रंगराज सिंह के नेतृत्व में करछना तहसील के ग्राम पंचायत मुंगारी खड़ेता के निधर्न भूमिहीनों को पट्टा आवंटित किए जाने के प्रकरण को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। उक्त कार्यक्रम में सम्मिलित होते हुए जिला काँग्रेस कमेटी जिला उपाध्यक्ष व प्रभारी संगठन विवेक पाण्डेय ने अपने बयान में कहा कि ग्राम मुंगारी में आज भी ऐसे निधर्न परिवार के लोग है जिनके पास रहने के लिए घर नहीं है और ऐसे जगह पर बसे हुए हैं जो तालाब का किनारा है जहां पर बीमारियों का एक लंबा जखीरा बरसात के मौसम में बनता है जिसे यह परिवार झेलने के लिए विवश रहता है और मासूम परिवार के लोग अपना जीवन जीने के लिए पूरी तरह से विवश है, और आज इन सब की जवलंत जन समस्याओं को लेकर के उप जिला अधिकारी करछना प्रयागराज को काँग्रेस जनों का एक प्रतिनिधि मंडल ने इन सबकी समस्याओं से अवगत कराने के साथ सरकारी जमीन पर पट्टा दिलाने के लिए अनुरोध उपजिलाधिकारी करछना से किया गया है, जिस पर उपजिलाधिकारी के द्वारा आस्वाशन दिया गया कि भूमिहीनों की जन समस्याओं को अविलम्ब दूर करने का प्रयास किया जाएगा।और इन्हें न्याय दिया जाएगा।इस कायर्क्रम में प्रमुख रूप से काँग्रेस के जिला महासचिव डॉ दिनेश सोनी, ब्लाक उपाध्यक्ष रविराज सिंह एडवोकेट, आशीष मिश्रा, व मुंगारी निवासी गणो में बबिता, सुमन,पुष्पा देवी, सुनीता देवी, अर्चना, नीलम, उर्मिला, लक्ष्मी देवी, फूलकली,सुनीता देवी, गुलाब कली, सहित आदि लोग प्रमुख रूप से शामिल रही है।

आधार प्रमाणीकरण के लिए यहां लगाए जाएंगे शिविर

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। वृद्धावस्था पेंशन के लाभार्थियों के आधार प्रमाणीकरण के लिए तहसील व ब्लाक वार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए मुख्य विकास अधिकारी शिपू गिरि ने बताया वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत शत-प्रतिशत लाभार्थियों का आधार प्रमाणीकरण के लिए 30 जुलाई तक विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 15 जुलाई को फूलपुर तहसील के विकास खंड फूलपुर, सहसों एवं टाउन एरिया फूलपुर, 18 जुलाई को विकास खंड बहादुरपुर, 19 जुलाई को बहरिया, 20 को हँड़िया ब्लाक व टाउन एरिया हँड़िया में विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में 21 जुलाई को विकास खंड सैदाबाद, 22 को विकास खंड धनूपुर, 23 जुलाई को प्रतापपुर, 25 जुलाई को विकास खंड कोरांव और टाउन एरिया कोरांव, 26 जुलाई को मेजा और टाउन एरिया भारतगंज व सिरसा, 27 जुलाई को विकास खंड मांडा व उरुवा, 28 जुलाई को विकास खंड करछना, 29 को विकास खंड चाका और कौंधियारा और अंत में 30 जुलाई को तहसील बारा के विकास खंड शंकरगढ़, जसरा और नगर पंचायत शंकरगढ़ शिविर का आयोजन किया जाएगा। वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत पेंशन प्राप्त कर रहे पेंशनरों द्वारा वेबसाइट पर लागिन करते हुए जनसुविधा केंद्रों, साइबर कैफे, निजी इंटरनेट केंद्र अथवा विभागीय वेबसाइट पर कंप्यूटर या मोबाइल के माध्यम से आधार प्रमाणीकरण किया जा सकता है।

श्री शिव महापुराण कथा श्रवण करने से सभी प्रकार के भय दूर हो जाते हैं : हरि प्रपन्नाचार्य महाराज

प्रतापपुर। रामापुर, सिरसा गांव में आयोजित साप्ताहिक श्रीमद् शिव महापुराण कथा के प्रथम दिवस पर गुरुवार को कथा व्यास रामानुजाचार्य हरिप्रप्पनाचार्य जी महाराज ने कहा कि कालों के काल हैं महाकाल शिवशंकर भोलेनाथ जिनके पावन चरित्र की कथा श्री शिव महापुराण मनुष्य के मन में समाए काल के भय को दूर करती है। श्री शिव महापुराण की कथा श्रवण करने से सभी प्रकार के भय दूर हो जाते हैं।संगीतमय श्री शिव महापुराण कथा के प्रथम दिवस महाराज जी ने उपस्थित श्रोताओं को भगवान शिव की इस पावन कथा की श्रवण विधि व महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि बिन्दुग जैसे पापी को शिव कथा श्रवण करने मात्र से शिवलोक की प्राप्ति हुई। अनेक भक्ति प्रसंगों पर प्रकाश डालते हुए महाराज जी ने कहा कि श्री शिवपुराण सत्संग द्वारा मनुष्य बड़े से पापों से मुक्त होकर परमगति को प्राप्त कर सकता है। महापुराण कथा के प्रथम दिवस में कलश यात्रा निकाली गई जो गांव के मंदिर एवं प्रमुख मार्गों से भ्रमण करते हुए कथा स्थल पहुंचकर संपन्न हुई। कथा के प्रारंभ में मुख्य यजमान नगीना देवी, मानिक चंद्र तिवारी, अंबुज आचार्य, मदन गोपाल आचार्य, अनिल आचार्य, मनीष आचार्य, नरेंदर आचार्य, अभिषेक शुक्ला, प्रदीप कुमार तिवारी दीपक, सुशील कुमार तिवारी, पवन कुमार तिवारी, ध्रुव तिवारी, प्रिंस तिवारी, राघव तिवारी, आशुतोष तिवारी, आदित्य तिवारी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त के बाद आक्षेपित आदेश पास करना गलत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सेवानिवृत्त के बाद आक्षेपित आदेश पास करना गलत है। कोर्ट ने मामले में याची को आठ फीसदी की दर से उसे सेवानिवृत्त के बाद बची हुई रकम को देने का आदेश दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति नीरज तिवारी ने एटा के नरसिंह पाल की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है।मामले में याची उत्तर प्रदेश परिवहन निगम में कार्यालय सहायक ग्रेड-वन के पद पर तैनात था। एक शिकायत के मामले में 2011 में उसे एक आरोपपत्र थमाया गया। वह अप्रैल 2012 में सेवानिवृत्त हो गया। मामले में अगस्त में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की गई और उन पर आरोप आक्षेपित किया गया।याची के अधिवक्ता ने कहा कि यह गलत है। याची ने सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश का हवाला दिया। कहा कि सेवानिवृत्त के बाद कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जा सकती है। कोर्ट ने याचिका को स्वीकार कर उसके बकाए के भुगतान का आदेश दिया।

सरकार ने गरीब शोषित पीड़ित व वंचित वर्ग के लिए किया कल्याण का कार्य : डॉ राकेश धर त्रिपाठी

अखंड भारत संदेश

प्रतापपुर। प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा गठबंधन प्रत्याशी रहे पूर्व मंत्री एवं विधानसभा प्रभारी डॉ राकेश धर त्रिपाठी द्वारा बूथ सशक्तिकरण के तहत प्रतापपुर विधानसभा के जंघई मंडल में भेलखा एवं बलीपुर मंडल में जलालपुर के नेकनामपुर में बैठक करकेकमजोर बूथों पर जाकर मजबूत बूथ बनाने के लिए लोगों से अपील किया। केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं कार्यक्रम एवं गठबंधन की रितियों एवं नीतियों का बताया। जनसंपर्क में डॉ राकेश धर त्रिपाठी द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार एवं योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी की सरकार ने गरीब, शोषित, पीड़ित एवं वंचित वर्ग के लोगों के कल्याण का कार्य किया है उन्होंने महिला एवं युवा वर्ग के सशक्तीकरण पर बल दिया है।इस अवसर पर समाजसेवी,चिकित्सक डॉ पंकज त्रिपाठी, पूर्व प्रमुख प्रमोद त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष श्याम बिहारी पांडेय, हरिभूषण सिंह, ईश्वरचंद बिंद, दिनेश गुप्ता, रमाकांत मिश्रा, एसपी दुबे, जिलाध्यक्ष गंगापार भाजयुमो गंगापार नवीन सिंह पटेल, रमेश केशरवानी, मंडल अध्यक्ष जंघई संदीप गुप्ता, प्रदीप शर्मा, हिंदू श्याम मिश्रा, आरपी शुक्ला, प्रेमचंद गुप्ता पूर्व प्रधान, बबलू सिंह, सियाराम गुप्ता सहित सभी मंडल एवं बूथ पदाधिकारी मौजूद रहे।

गांवो के विकास के बजाय खुद का विकास कर रहे बीडीओ कोरांव

अखंड भारत संदेश

सात माह पूर्व बीडीओ आवास परिसर में निर्मित कराई गई सड़क

रत्योरा। विकासखंड कोरांव में इस समय गांवो के विकास के बजाय अफसर खुद के विकास में जुटे हुए हैं। खंड विकास अधिकारी कोरांव के आवास परिसर में तत्कालीन बीडीओ रहे रमाशंकर सिंह के कार्यकाल में ही इंटरलॉकिंग का कार्य कराया जा चुका है। मौजूदा समय में आवास परिसर में लगाए गए इंटरलॉकिंग कार्य के मरम्मत की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन खंड विकास अधिकारी मुकेश कुमार के द्वारा लगभग साढ़े तीन लाख रुपए की लागत से पुनः मरम्मत के लिए टेंडर कराया गया है। 7 माह पूर्व बनी सड़क का दोबारा टेंडर कराए जाने से ही यह प्रतीत हो रहा है कि बीडीओ कोरांव गांवो के विकास के बजाय खुद के विकास में जुटे हुए हैं। विकासखंड कोरांव में गांवो के विकास में भी मौजूदा समय में जमकर बंदरबांट की जा रही है। एक ही सड़क के निर्माण के लिए दो दो बार पैसे निकाल लिए जा रहे हैं। विभागीय उच्चाधिकारी है कि शिकायत के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं कर रहे हैं। जिससे सरकारी धन के बंदरबांट का खेल बदस्तूर जारी है। खंड विकास अधिकारी कोरांव मुकेश कुमार को 8 माह पूर्व तैनाती दी गई थी। 115 ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानों में इनकी कार्यशैली से बेहद नाराजगी देखी जा रही है। मनरेगा कार्यों के भुगतान में भी व्यापक मनमानी का आरोप लग रहा है। इतना ही नहीं विकासखंड कोरांव में 15 वर्षों से तैनात बाबू आनंद श्रीवास्तव अंगद की तरह पांव जमाए हुए है जो प्रधानों से भी अच्छी पकड़ व सेटिंग बना रखा है। कुछ ग्राम प्रधानों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि एक लंबे समय से तैनात बाबू प्रत्येक आवास लाभार्थी से पांच हजार की डिमांड करता है। न देने पर ग्राम प्रधानों पर पैसे के लिए दबाव बनाता है। कई बार शिकायत के बाद भी विभागीय उच्चाधिकारी 15 वर्षों से तैनात बाबू का स्थानांतरण नहीं कर रहे हैं। जिससे ब्लॉक के सरकारी धन की बंदरबांट जारी है। इस बाबत जब खंड विकास अधिकारी मुकेश कुमार से बात की गई तो उन्होंने कहा कि आवास परिसर में इंटरलॉकिंग दब गई है गाड़ियां फंसती हैं इसलिए मरम्मत के लिए पुनः टेंडर कराया गया है।

बोलेरो और स्कूल वैन दुर्घटना ग्रस्त, बाल-बाल बचे बच्चे

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। आज दोपहर एक स्कूल वैन और बोलेरो के बीच टक्कर होते-होते रह गई। इसमें बोलेरो सड़क किनारे पलट गई, जबकि वैन भी पलटते-पलटते बची। इस हादसे में वैन सवार स्कूली बच्चे बाल-बाल बच गए। हादसे की सूचना मिलते ही मुकामी पुलिस मौके पर पहुंची और मामूली रूप से घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को घर भेज दिया गया। यह हादसा शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के नारीबारी मार्ग पर रानीगंज के समीप हुआ। जानकारी के मुताबिक गुरुवार की दोपहर एक बजे जेनिथ माडल स्कूल की वैन बच्चों को लेकर घर छोड़ने जा रही थी। जैसे ही स्कूली वैन रानीगंज के समीप पहुंची, सामने से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो से बचने के चक्कर में अनियंत्रित हो गई। बोलेरो चालक ने भी बचने का पूरा प्रयास किया, जिसमें बोलेरो पूरी तरह से बेकाबू हो गई और सड़क के किनारे पलट गई। उसका अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। दूसरी तरफ बच्चों से भरी स्कूल वैन भी सड़क किनारे तिरछी होकर खड़ी हो गई। इसके बाद दोनों वाहनों में सवार लोगों ने राहत की सांस ली। हादसे के बाद राहगीरों ने तत्काल घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर स्कूल प्रबंधन के लोग भी मौके पर पहुंच गए और दूसरे वाहन से बच्चों को उनके घर पहुंचाया गया।

खबर संक्षेप

डीआईओएस निलंबित गलत मान्यता देने के मामले में हुई कार्रवाई

प्रयागराज। जिले के डीआईओएस पीएन सिंह को बृहस्पतिवार को निलंबित कर दिया गया। एक जुलाई को ही उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक प्रयागराज के पद पर ज्वाइन किया था और 13 जुलाई को कार्यालय में मौजूद रहे। लेकिन बृहस्पतिवार को कार्यालय नहीं आए। शायद उन्हें अपने खिलाफ कार्रवाई का एहसास हो गया था। कुछ ही देर बाद उनके निलंबन का आदेश जारी हो गया। उनके निलंबन का आदेश जारी होते ही कार्यालय में चचाओं का दौर शुरू हो गया। डीआईओएस पद का कार्यभार संभालने के बाद उनसे मिलने और स्वागत का दौर ही अभी चल रहा था कि निलंबित हो गए। महज 13 दिन के लिए जिले के डीआईओएस रहे।

गलत मान्यता देने के मामले में हुई थी कार्रवाई : राजधानी लखनऊ के सेंटीनियल हायर सेकेंडरी स्कूल के परिसर में मेथोडिस्ट चर्च स्कूल को गलत ढंग से मान्यता देने के मामले में शासन ने बीएसए विजय प्रताप सिंह व पूर्व एडी बेसिक पीएन सिंह को निलंबित कर दिया है। पीएन सिंह वर्तमान में प्रयागराज में डीआईओएस के पद पर तैनात हैं। शासन स्तर पर प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा ने इन दोनों अधिकारियों पर यह कार्रवाई जिलाधिकारी की रिपोर्ट पर महानिदेशक स्कूल शिक्षा द्वारा की गई संस्तुति के बाद की है।

डीएम, एसएसपी ने कांवरियों के लिए किए गए इंतजामों व यात्रा मार्गों का किया निरीक्षण

ड्रोन और सीसीटीवी कैमरे से होगी मानीटरिंग, घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश की व्यवस्था सहित सभी आवश्यक व्यवस्थायें चुस्त-दूरूस्त बनाये रखने के दिए निर्देश

अखंड भारत संदेश

जिलाधिकारी। संजय कुमार खत्री एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय गुरूवार को कावंड यात्रा के मार्गों का भ्रमण कर निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं कावंड़ यात्रा से सम्बंधित व्यवस्थाओं के बारे में सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने दशास्वमेध घाट पर साफ-सफाई, प्रकाश की व्यवस्था की जानकारी ली तथा वहां पर नगर निगम को एक जनरेटर रखने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने गोताखोरों की उपलब्धता के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि सभी गोताखोर एक निर्धारित यूनिफार्म में रहे, जिससे कि उनकी पहचान किया जा सके। मोबाइल टॉयलेट एवं चेंजिंग रूम आदि की के बारे में

घाटों का निरीक्षण करते जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक

जानकारी ली तथा उसको दुरूस्त रखने के निर्देश दिए है। पानी के टैंकरों की संख्या को और बढ़ाये जाने का निर्देश दिया है तथा शास्त्री ब्रिज के नीचे सिढ़ीयों तथा मार्ग पर साफ-सफाई एवं साइनेज आदि लगाये जाने का निर्देश दिया है। पार्किंग एवं डायवर्जन आदि के बारे में जानकारी लेते हुए जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि कांवरियों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान दिया जाये।

तत्पश्चात उन्होंने मनकामेश्वर मंदिर का भ्रमण कर यातायात-पार्किंग सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थायें दुरूस्त रखने का भी निर्देश दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश पाण्डेय ने कहा कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए है तथा ड्रोन एवं सीसीटीवी कैमरों के द्वारा मानीटरिंग की जायेगी। इस अवसर पर एडीएम सिटी मदन कुमार, एडीएम प्रशासन हर्षदेव पाण्डेय, सिटी मजिस्टेट गौरव श्रीवास्तव, एस0पी0 सिटी, अपर नगर आयुक्त रत्नप्रिया सहित सभी सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अविनाशी को धारण करो तो विनाश रुक जाए : स्वामी कमलेश्वरानन्द

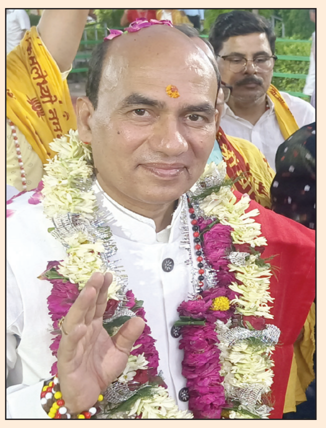

प्रयागराज। विश्व विख्यात परम पूज्य स्वामी श्री कमलेश्वरानंद जी महाराज के सानिध्य में परम उत्सव गुरु पूर्णिमा महोत्सव में भारत के अनेक प्रदेशों से आए हुए साधकों को परम पूज्य गुरुदेव श्री स्वामी कमलेश्वरानन्द जी ने कहाँ कि अहोभाग्य जो जीव परमात्मा के बारे में सुनना देखना और उस अस्तित्त्व को समझाना चाहता है, अत्यधिक काल यदि उसके करीब बीते तो जीवन आनंद से पूर्ण बीते ' प्रेम की धारा एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके माध्यम से उस जनक के अत्यंत करीब जाया जा सकता है, दिव्यता से पूर्ण मनोभाव ही आपको परमात्मा से जोड़ता है ' जीवन एक आनंद सागर की ओर बढ़ चलता है, व्यक्ति अविनाशी तत्व को अपनी चेतना में धारण कर ले तो उसका विनाश रुक जाए पर व्यक्ति जो कुछ भी इस संसार में प्रयास का माध्यम अपनाता है वो विनाश की ओर ही है । परमात्मा तुम्हारे लिए आनंद का साधन वो तब बनेगा जब तुम्हारा अंतर्मन उसकी पुकार कर उठे, अभी तो तुम एक चिंतन जगत की व्यवस्था की करते हो, जगत की चेतना की नहीं ' तुम्हारा ज्ञान भी अधूरा है, कारण तुम ज्ञानी सिर्फ संसार के लिए बनना चाहते हो, ज्ञान अर्जन तुम्हारा स्वभाव नहीं ' जीवन को जब विशुद्ध रूप से खेल सकोगे तब तुम परमात्मा का परिचय स्वयं में पा सकोगे, जिस दिन स्वयं में तुम पाओगे उसी दिन तुम जीवन को पूर्ण कर जाओगे ' परमात्म ब्रह्म सिद्धि दीक्षा जीवन की पूर्णता के लिए है जिसे प्राप्त करने के बाद मन तो रहेगा पर मन का मैल हट जायेगा, तन सुगंध से भर जायेगा और तुम्हारी सुगंध चारों दिशाओं को सुगन्धित कर जायेगी।

डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस से कूदकर दो बदमाश पुलिस हिरासत से फरार, मचा हड़कंप

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। बिहार से गिरफ्तार कर दिल्ली ले जाए जा रहे दो बदमाश प्रयागराज जंक्शन के पास पुलिस हिरासत से फरार हो गए। दिल्ली पुलिस के जवान दोनों को डिब्रूगढ़ राजधानी से ले जा रहे थे और इसी दौरान वह ट्रेन से कूदकर भाग निकले। काफी तलाश के बाद भी उनका पता नहीं चला, जिसके बाद सुरक्षा में लगे एक कांस्टेबल की तहरीर पर जीआरपी थाने में दोनों मुल्जिमों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। फिलहाल देर रात तक उनका कोई सुराग नहीं मिल सका था।घटना भोर में करीब 3.30 बजे हुई। बिहार के दो मुल्जिम नसीम पुत्र शेख शकील उर्फ काला (23) निवासी गांव बैरिया थाना अमदाबाद जिला कटिहार और मोहम्मद दिलशाद उर्फ दिल्लू पुत्र सिराजुद्दीन निवासी गांव पहाड़पुर थाना अमदाबाद जिला कटिहार को लेकर दिल्ली पुलिस की एक टीम डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस से वापस जा रही थी। दोनों मुल्जिमों को लेकर तीन पुलिसकर्मी ए-2 कोच, जबकि अन्य दो एसआई ए-4 कोच में सवार थे।टीम में शामिल कांस्टेबल जीतेंद्र ने बताया कि भोर में 3.23 मिनट पर जैसे ही टीम प्रयागराज

जंक्शन से रवाना हुई, तभी दिलशाद ने टॉयलेट जाने की बात कही। दोनों के हाथ में हथकड़ी थी, ऐसे में वह दोनों को लेकर जाने लगा। गेट के पास पहुंचते ही दोनों ने उसे मुक्का मारकर जमीन पर गिरा दिया और फिर भाग निकले। उसने अपने साथियों व दूसरे कोच में बैठे दोनों एसआई को जानकारी दी तो सभी उनकी तलाश में जुट गए। उन्होंने चेन पुलिंग कर ट्रेन रोकनी चाही लेकिन आरपीएफ स्टाफ ने रोक दिया और कहा कि अगले स्टेशन पर उतरक र पुलिस को सूचना दी जाए।कानपुर पहुंचने पर उन्होंने ट्रेन से उतरकर आरपीएफ पुलिस स्टेशन में सीसीटीवी फुटेज देखी, लेकिन बदमाशों का सुराग नहीं मिला। आरपीएफ अफसरों के कहने पर वह जीआरपी थाने गए तो प्रयागराज जीआरपी में शिकायत दर्ज कराने को कहा गया। इसके बाद दिल्ली पुलिस की टीम शाम 3.30 बजे के करीब वापस जंक्शन पर आई और तहरीर दी। जीआरपी इंस्पेक्टर राजीवरंजन उपाध्याय ने बताया कि दोनों मुल्जिमों पर नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। उनकी तलाश की जा रही है।

लाखों की चोरी के केस में थे वांछित

दिल्ली पुलिस की ओर से जीआरपी को बताया गया कि फरार होने वाले दोनों मुल्जिम दिल्ली में इसी साल हुई लाखों की चोरी के मामले में वांछित थे। यह घटना साउथ दिल्ली के ग्रेटर कैलाश थाना क्षेत्र में हुई थी। दोनों के बिहार में होने की सूचना मिलने पर 12 जुलाई को ग्रेटर कैलाश थाने की पांच सदस्यीय टीम ने बिहार पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार किया। इस टीम में एसआई जीतेंद्र, एसआई वरुण, एएसआई मैजर हुसैन, कांस्टेबल अंकुर व हेड कांस्टेबल जीतेंद्र शामिल थे। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश किया और फिर ट्रांजिट रिमांड की अर्जी दी। अर्जी मंजूर होने पर वह उन्हें लेकर दिल्ली जा रहे थे तभी यह घटना हुई।

पुलिस हिरासत में संदिग्ध हाल में युवक जख्मी, पिटाई की चर्चा

प्रयागराज । थरवई में हफ्ते भर पहले हुई 40 बकरों की लूट के मामले में हिरासत में लिया गया युवक थाने में संदिग्ध हाल में जख्मी हो गया। उसकी कोहनी में इस कदर चोट आई कि उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। एक चर्चा यह रही कि उसे पिटाई से चोट आई। हालांकि पुलिस इससे इंकार करती रही। उधर घरवालों ने भी चुप्पी साधे रखी।थरवई के बासमहुआ में छह जून को 40 बकरे लूट लिए गए थे। इस मामले में पुलिस ने पूछताछ के लिए दयालपुर, सरायममरेज के राजाबाबू पटेल(30) को तीन दिन पहले हिरासत में ले लिया। बुधवार को वह संदिग्ध हाल में जख्मी हो गया। उसकी कोहनी में चोट आई और लहुलुहान हाल में उसे फाफामऊ स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चर्चा रही कि थाने में पूछताछ के दौरान उसे पीटा गया और इसी में उसे चोट आई।उधर खबर फैलने पर बृहस्पतिवार को आननफानन में उसे परिजनों के साथ घर भेज दिया गया। पुलिस पिटाई की बात से इंकार करती रही। इंस्पेक्टर महेश मिश्रा का कहना है कि युवक बाथरूम में फिसलकर गिर गया था और इससे ही वह चोटिल हुआ।

नहर के पानी के लिए दो पक्षों में जमकर मारपीट ,चार घायल

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। खेत में नहर का पानी लाने को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई मारपीट में 4 लोग घायल हो गए । घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया वही दोनों पक्षों के द्वारा थाने में पहुंचकर लिखित शिकायत भी की गई है। घटना कौंधियारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पिपरहट्टा गांव की है जहां पर नहर के पानी की खेत में लाने को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई । जिसमें दोनों पक्षों से मारपीट में एक किशोरी समेत चार लोग घायल हो गए जहां घायलों में एक पक्ष से अमर बहादुर व ज्योति तो वहीं दूसरे पक्ष से घायल हुए हीरालाल यादव व धीरेंद्र यादव घायल हो गए जिसमें अमर बहादुर यादव के सिर में गंभीर चोट लगने के कारण तत्काल ही उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया ।

दोनों पक्षों ने दिया प्रार्थना पत्र :

मारपीट की सूचना मिलने के उपरांत मौके पर पहुंची पुलिस के द्वारा जहां घटना की जानकारी ग्रामीणों से ली गई वहीं थाने पर पहुंचे दोनों पक्षों के द्वारा एक दूसरे पर आरोप लगाते हुए लिखित प्रार्थना पत्र दिया गया । जिस पर थाना प्रभारी के द्वारा दोनों पक्षों की शिकायत को ध्यान में रखते हुए नामजद अभियोग पंजीकृत किया गया ।

धान की रोपाई के लिए किसानों को पानी की है जरूरत :

जबकि घायल अमर बहादुर के बेटे विकास यादव के द्वारा बताया गया कि बारिश ना होने के कारण जहां पानी की किल्लत मची हुई है वही नहर से उनके पिता के द्वारा धान की रोपाई करने के लिए पानी लाया गया था जिस पर हीरालाल यादव व धीरेंद्र यादव के द्वारा जबरिया उनके खेतों में जा रहे पानी को अवरोधित करके अपने खेत में ले जाने लगे इसका विरोध करने पर उन लोगों के पिता को मारा पीटा गया । वहीं दूसरे पक्ष से घायल हीरालाल यादव के द्वारा बताया गया कि अमर बहादुर के द्वारा ही उन पर हमला किया गया बीच बचाव करने में अमर बहादुर को चोट लगी है उन्हें किसी ने मारा पीटा नहीं है।

मारपीट में घायल किसान व हॉस्पिटल में मौजूद लोग

मेजा में साल भर से चल रहे विवाद में दो पक्षों में जमकर चले लाठी-डंडे, महिला घायल

मेजा रोड। मेजा के पयागपुर में बुधवार की देर रात पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए दोनों गुटों में जमकर लाठी-डंडे चले इस दौरान एक महिला घायल हो गई । घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस ने 5 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है।

साल भर पहले लेखपाल ने की थी नाप : मामला मांडा थाना क्षेत्र के पयागपुर का है रानी पटेल पत्नी दरोगा ने गुरुवार सुबह थाने में तहरीर दी तथा बताया कि पड़ोसी दशरथ तथा संदीप से उनकी जमीन को लेकर विवाद है । साल भर पहले लेखपाल ने जमीन की नाप की थी। आरोप है कि उस समय एक बीता जमीन पड़ोसी के हिस्से में चली गई। तभी से दोनों में विवाद चल रहा है कहा कि देर रात पड़ोसी दशरथ हुआ संदीप घर आए और गालियां देने लगे। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो विपक्षियों ने लाठी-डंडों से वार करना शुरू कर दिया । मारपीट में पीड़िता को बुरी तरह चोटे आई हैं । परिजनों ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया उधर दूसरे पक्ष ने आरोप लगाया कि पड़ोसी शिवनारायण व दरोगा ने मारपीट की है। मामले में दोनों पक्षों ने तहरीर दी है ।

5 लोगों पर मुकदमा दर्ज : पुलिस चौकी भारतगंज प्रभारी दुर्गेश सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों से तहरीर मिली है दोनों पक्षों से 5 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है जांच की जा रही है दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी ।

किशोरी का अपहरण कर उसके साथ दुराचार करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

मऊआइमा। तीन माह पूर्व किशोरी को एक युवक अपहरण कर ले गया था तथा दुराचार के बाद उसे छोड कर भाग गया था। दूसरी ओर एक अन्य किशोरी का अपहरण करभगा ले जाने वाला दूसरा दुराचारी भी पुलिस के हत्थे चढ गया। ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी । तीन माह बाद एक आरोपी और एक माह बाद दूसरा आरोपी को पुलिस ने धर दबोचा और जेल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम किरांव निवासनीय एक चौदह वर्षीय किशोरी को गांव का एक युवक 5 मार्च को अपहरण कर ले गया था। किशोरी के साथ दुराचार करने के बाद उसको छोड कर भाग गया था। मऊआइमा पुलिस आरोपी शिव कुमार सरोज पुत्र हरिश्चंद्र के खिलाफ अपहरण और दुराचार का मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश में जुटी हुई थी। बताया गया है कि कटरादयाराम पनपटटी के पास फरार आरोपी बैठा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी शिव कुमार सरोज को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दूसरी ओर से किरांव की एक दलित किशोरी को 8 जून को मोनू शर्मा पुत्र ओमप्रकाश ग्राम कंचनपुर निवासी अपहरण कर ले गया था दुराचार के बाद छोडकर भाग गया था। पुलिस ने मोनू शर्मा को ग्राम हरिसेनगंज के पास से गिरफ्तार कर दोनों को जेल भेज दिया है।

मौके पर पहुची पुलिस के साथ स्थानीय लोग

बाहर आने के बाद माँ के साथ बच्चा

दस फिट गहरे गड्ढे में गिरा किशोर, ग्रामीणों की मदद से निकाला गया सुरक्षित

अखंडाारत संदेश

झूंसी। थाना क्षेत्र के बजहा गांव में पिलर के लिए खोदे गये गड्ढे में गांव का ही सात वर्षीय बच्चा खेलते वक्त गिर गया। घटना गुरुवार शाम की है। बच्चा मानसिक रूप से अस्वस्थ्य बताया जा रहा है। घण्टे भर कड़ी मेहनत के बाद ग्रामीणों ने बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। बताया जाता है कि पाइलिंग के लिए एक खेत में गड्ढा खोदा गया था। गुरुवार की शाम गांव के नन्द किशोर शर्मा का बेटा शिवानन्द 7 खेलते वक्त पिलर के लिए खोदे दस फिट गड्ढे में गिर गया। आसपास के अन्य बच्चों ने शोर मचाया तो लोग दौड़े। सूचना पा कर शिवानन्द के परिजन भी रोते हुए पंहुचा गए। ग्रामीणों ने पुलिस के साथ 108 एम्बुलेंश को भी सूचना दी। बच्चे को बाहर निकालने के लिए प्रधान पति राजेश सिंह ने जेसीबी बुलवाई लेकिन ग्रामीणों ने गड्ढे के बगल फावड़े से दूसरा गड्ढा खोद बच्चे को बाहर निकाल लिया। मौके पर पहुची एम्बुलेंश के ईएमटी सन्तोष भारतीय ने बच्चे को सुरक्षित बताया।

मंदिर में वदीर्धारी की दबंगई, युवक को जूते से दबाकर बैठा

प्रयागराज। मंदिर में वदीर्धारी की दबंगई की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई है। इसमें वह एक युवक को अपने जूते से दबाए बैठा नजर आ रहा है। मामले की शिकायत में इसे बड़े हनुमान मंदिर की तस्वीर बताया गया। जिस पर दारागंज इंस्पेक्टर को जांच के निर्देश दिए गए। हालांकि उनका कहना है कि तस्वीर बड़े हनुमान मंदिर की नहीं लग रही है ।तस्वीर में वदीर्धारी बेंच पर जबकि युवक जमीन पर बैठा नजर आ रहा है। यही नहीं वदीर्धारी युवक को अपने जूतों से दबाए हुए दिख रहा है। तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो किसी ने इसकी शिकायत जिला पुलिस से की। लिखा कि बड़े हनुमान मंदिर मेंयुवक चोरी के आरोप में पकड़ा गया। यह भी लिखा कि अगर वह चोर है तो भी पुलिस को दुर्व्यवहार का हक किसने दिया ।यही नहीं मंदिर में जूते पहनकर जाने को लेकर भी सवाल उठाए। ट्विटर पर मिली इस शिकायत पर दारागंज इंस्पेक्टर को जांच के निर्देश दिए गए। इस मामले में दारागंज इंस्पेक्टर वीरेंद्र कुमार मिश्रा का कहना है कि तस्वीर में वदीर्धारी का चेहरा नहीं दिख रहा है। खास बात यह भी है कि बैकग्राउंड को देखकर तस्वीर बड़े हनुमान मंदिर परिसर की नहीं लग रही है। फिलहाल जांच पड़ताल की जा रही है।

मेड़बन्दी व समतलीकरण के नाम पर भोगवारा ग्रामसभा में किया फर्जी भुगतान

प्रतापपुर। सरकार के लाख सख्ती के बाद बावजूद भी मनरेगा में गोलमोल रूकने का नाम नही ले रहा प्रधान और सचिव की मिलीभगत से मनरेगा में जमकर लूट मची है।प्रतापपुर विकास खण्ड के भोगवारा ग्रामसभा में मनरेगा द्वारा खेत से समतलीकरण के नाम पर ग्राम प्रधान और सचिव की मिलीभगत से फर्जी भुगतान का मामला प्रकाश में आया है।भोगवारा मजरा जनुआडीह खुर्द निवासी अतुल कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री पोर्टल व उच्चाधिकारियों को शिकायती पत्र देकर बातया की ग्रामसभा भोगवारा की प्रधान धन्नी देवी व सचिव की मिलीभगत से उनके खेत के समतलीकरण एवं मेड़बंदी के नाम पर बिना स्थल पर कार्य कराए ही लगभग 30 हजार का आहरण कर लिया गया जबकि न ही उनके खेत का समतलीकरण हुआ है न मेड़बन्दी उन्होंने उच्चाधिकारियों को शिकायती पत्र देते हुए मौके का स्थलीय निरीक्षण कर दोषी ग्राम प्रधान व सचिव पर कार्यवाही की माँग की है।वही मुख्यमंत्री पोर्टल पर की गयी शिकायत में दोषी सचिव ने गोलमोल रिपोर्ट लगाकर इतिश्री कर लिया।गाँव के पंचायत सदस्य सूर्यमणि यादव ने बताया ग्रामसभा में मनमानीपूर्ण कार्य चल रहा है शपथ ग्रहण के बाद अब तक उनको किसी भी बैठक में नही बुलाया गया सदस्य ग्रामसभा की समितियों का सदस्य होता है जबकि गाँव के विकास सम्बन्धी बैठकों में सदस्यों की राय लेना आवश्यक होता है।

दशाश्वमेध घाट : कांवड़ियों का उमड़ा रेला, बोल बम के जयकारों की गूंज

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। भगवान भोलेनाथ के प्रिय मास सावन का श्रीगणेश होने के साथ ही संगमनगरी बृहस्पतिवार को भक्तिमय हो गई। इसी के साथ दशाश्वमेध घाट से महीने भर के लिए कांवड़ यात्रा का शुभारंभ हो गया। पहले दिन सैंकड़ों की तादाद में कांवड़िये गंगा जल भरकर बाबा काशी विश्वनाथ के जलाभिषेक के लिए रवाना हो गए। बोल बम के जयकारों से यात्रा पथ गूंजने लगा है।दो साल बाद सावन में देवाधिदेव महादेव केजलाभिषेक के लिए कांवड़ यात्रा शुरू हो गई। बाबा के जलाभिषेक के लिए गांव-गांव से भोले भक्त निकल पड़े हैं। इस बार दशाश्वमेध घाट पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्र प्रकाश की भव्य व्यवस्था की गई है। बृहस्पतिवार को झांसी,ललितपुर के अलावा जौनपुर, मध्यप्रदेश के रीवां समेत कई इलाकों से कांवड़िये दशाश्वमेध घाट

पहुंचे। रंग-बिरंगी कांवड़ के साथ ही ध्वजा-पताकाओं से सजे वाहनों से भोलेभक्त यहां पहुंचते रहे।जल भरने के साथ ही तीर्थपुरोहितों की चौकियों पर संकल्प लेकर भक्त बाबा धाम के लिए रवाना हुए। कोई नौकरी की कामना लेकर बाबा के दरबार में हाजिरी लगाने निकला है तो कोई अच्छी खेती और बिटिया की अच्छे परिवार में शादी की मनौती लेकर।

घाट पर एनडीआरएफ तैनात, जलमार्ग पर बढ़ी गश्त : दशाश्वमेध घाट शुक्रवार को कांवड़ियों से गुलजार रहा। घाट पर जल पुलिस के साथ ही एनडीआरएफ के जवानों की टीमें लगाई गई हैं, ताकि कोई गहरे पानी में न जाने पाए। जलमार्ग पर गश्त शुरू हो गई है। दूर से आए कांवड़ियों को जेटी के भीतर ही रहकर डुबकी लगाने की सलाह दी जाती रही। प्रशिक्षित गोताखोरों को भी घाट पर लगाया गया है, ताकि किसी तरह की अनहोनी घटना को समय रहते रोका जा सके।

दशाश्वमेध घाट से हटा कूड़े का ढेर, चमका घाट : दशाश्वमेध घाट चार पहर सफाई के बंदोबस्त किए गए हैं। कांवड़ियों के जल भरने और स्नान करने के दौरान वहां किसी तरह की गंदगी फैलने से रोकने के लिए नगर निगम के सफाई कर्मियों की टीमों को मुस्तैद किया गया है। इससे दशाश्वमेध घाट चमक उठा है। इस घाट पर लगे कूड़े के ढेर की भी सफाई करा दी गई है।

सजा सावन का बाजार, मोदी-योगी वाली केसरिया टी-शर्ट छाई : बाजार कांवड़ियों के केसरिया वस्त्रों के साथ ही लुटिया और कांवड़ से सज गया है। तरह-तरह की केसरिया टी-शर्ट बाजार में छा गई है। कहीं बुलडोजर वाली शर्ट तो कहीं मोदी-योगी वाली शर्ट कांवड़ियों को लुभा रही है। लुटिया का बाजार भी सज गया है।

गुरु से आशीर्वाद प्राप्त करते शिष्य

धूमधाम से गऊघाट हनुमान मंदिर में मनाया गया गुरु पूर्णिमा का पर्व

प्रयागराज। अखिल भारतीय ब्राम्हण एकता परिषद के तमाम ब्राम्हणो ने गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गऊघाट हनुमान मंदिर बारम्बारी में परम पूज्य श्री श्री 1008 राम स्वरूप ब्रम्हचारी जी महाराज के आश्रम पहुचे वहाँ उनकी विधि विधान से पूजन अर्चन किया फल फूल मिठाई और उन्हें अंगवस्त्र देकर आज गुरु पूर्णिमा को बड़े धूम धाम से मनाया गया जिसमें सौरभ त्रिपाठी अजय मिश्रा अंकित मिश्रा अमित त्रिपाठी आशीष त्रिपाठी वेणी शरण मिश्रा राजेश मिश्रा नीतीश मिश्रा पप्पू मिश्रा श्रवण मिश्रा अंकित त्रिपाठी मनदीप अवस्थी योगेंद्र त्रिपाठी शशि कांत त्रिपाठी हरीश द्विवेदी राहुल मिश्रा जय प्रकाश त्रिपाठी आदि सैकड़ो ब्राम्हण मौजूद रहे इन महान संत के दर्शन के लिए यहाँ सुबह से ही भक्तों के मिलने वालों का तांता लगा रहा यहाँ 2 बार यज्ञ हो चुका है करीब 15 वर्षो से सीताराम सीताराम का अखंड जाप अनवरत चल रहा है।

जिले के सभी क्षेत्रों में नहरों में पानी की उपलब्धता सुनिष्चित कराएं: डीएम

डीएम ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ की बैठक

सिंचाई विभाग की बैठक में बोलते जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने सायंकाल कैम्प कार्यालय के सभागार में जनपदों की नहरों में पानी की उपलब्धता के सम्बन्ध में सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में जनपदीय नोडल अधिकारी/अधिशासी अभियन्ता सिंचाई खण्ड अरविन्द वर्मा ने बताया कि जनपद में सिंचाई विभाग को 7200 क्यूसेक की डिमांड के सापेक्ष 3389 क्यूसेक (47 प्रतिषत) पानी ही उपलब्ध हो पा रहा है जिससे एक ही समय पर सभी नहरों में पानी उपलबध कराया जाना सम्भव नही है।

आगामी सप्ताह में भी वर्षा कम होने का सम्भावना जतायी जा रही है इसलिये नहरों की आन्तरिक रोस्टरिंग करके विभिन्न नहर प्रणालियों में सप्ताहवार पानी पहुँचाने का प्रयास सिंचाई विभाग द्वारा किया जा रहा है। अधिषासी अभियन्ता शारदा सहायक खण्ड-51 द्वारा अवगत कराया गया कि चिलबिला एवं नागापुर रजबहा में इस समय पानी उपलब्ध कराया गया है ताकि किसानों को राहत मिल सके। अधिषासी अभियन्ता शारदा सहायक खण्ड-36 ने बताया कि जौनपुर रजबहा से पट्टी क्षेत्र में पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में इलाहाबाद शाखा व उससे निकलने वाली अल्पिकायें मानिकपुर राजबहा प्रणाली, ताजपुर राजबहा प्रणाली, प्रतापगढ़ शाखा (किमी0 16.000 तक) व उससे निकलने वाली अल्पिकायें सगरा राजबहा प्रणाली, मड़ियाहूं शाखा, सोरांव शाखा व उससे निकलने वाली अल्पिकायें रायपुर राजबहा प्रणाली, मऊआइमा राजबहा प्रणाली, घाटमपुर राजबहा प्रणाली, बिषुनपुर राजबहा प्रणाली, जायस राजबहा प्रणाली चालू है। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देषित किया कि यदि किसी अराजक तत्व द्वारा नहरों के प्रवाह में बंधे आदि लगाकर प्रवाह को बाधित किया जाता है तो इसे तत्काल हटवाकर पानी का प्रवाह सुनिष्चित कराये, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाये। जिलाधिकारी द्वारा नोडल अधिकारी/अधिषासी अभियन्ता सिंचाई विभाग को निर्देषित किया कि जनपद में आने वाली सभी सिंचाई खण्डों की नहर प्रणालियों की स्थानीय स्तर पर इस तरह रोस्टिंग की जाये कि जनपद के सभी क्षेत्रों में यथासम्भव नहरों में पानी की उपलब्धता सुनिष्चित हो सके। उन्होने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देषित किया कि नहरों के चलने के सम्बन्ध में किसानों को संवेदनषीलता के साथ जानकारी उपलब्ध करायी जाये ताकि समय से किसान तैयारी कर सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ईषा प्रिया, जनपदीय नोडल अधिकारी/अधिषासी अभियन्ता अरविन्द वर्मा, सिंचाई विभाग के समस्त अधिषासी अभियन्ता, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

जल जीवन मिषन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में पाइप पेयजल योजना की डीएम ने की समीक्षा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति के साथ की बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी जल जीवन मिषन के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में पाइप पेयजल योजना के सम्बन्ध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। बैठक में अधिषाषी अभियन्ता जल निगम द्वारा पाइप पेयजल योजना के सम्बन्ध में तैयार किये गये जे0एम0सी0 इण्डिया प्रा0लि0 के 23 नग डीपीआर एवं मेसर्स पावर मेक प्रोजेक्ट के 59 नग डीपीआर प्रस्तुत किये गये। जिलाधिकारी ने ग्रामीण पाइप पेयजल योजना के अन्तर्गत जेएमसी द्वारा बनाये गये डीपीआर ब्लाक आसुपर देवसरा के गौरामाफी तथा पावर मेक प्रोजेक्ट द्वारा बनाये गये डीपीआर ब्लाक सांगीपुर के परनीपुर, ब्लाक मंगरौरा के शंकरपुर व ब्लाक आसपुर देवसरा के पीथापुर में बनाये गये डीपीआर को पुर्नपरीक्षण कर प्रस्तुत करने का निर्देष दिया गया। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देषित किया कि फेज-2 के अन्तर्गत जिन ग्राम पंचायतों में जल जीवन मिषन का कार्य चल रहा है उसे पूर्ण करने के बाद ही फेज-3 के अन्तर्गत डीपीआर भेजवाया जाये। बैठक में मेसर्स जेएमसी इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि द्वारा परियोजनाओं के सम्बन्ध समुचित जानकारी उपलब्ध नही करा सके जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की और अधिषासी अभियन्ता जल निगम को निर्देषित किया कि जेएमसी के प्रतिनिधि के खिलाफ आवष्यक कार्यवाही की जाये। बैठक में जिलाधिकारी ने जानना चाहा कि जनपद में जल जीवन मिषन के अन्तर्गत चल रही परियोजनाओं में कितने प्रोजेक्ट में सोलर पैनल और कितने में ट्रान्सफार्मर की व्यवस्था की गयी है इस सम्बन्ध में अधिशासी अभियन्ता जल निगम स्पष्ट जानकारी नही दे सके जिस पर निर्देषित किया कि अगली बैठक में इसका विवरण उपलब्ध कराये।

सावन माह के पहले दिन हर हर महादेव के जयकारे से गूंज उठा घुइसरनाथ धाम

जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं का लगा तांता

बाबा घुइसरनाथ धाम में जलाभिषेक करते श्रद्धालु।

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। पौराणिक शिव धाम बाबा घुइसरनाथ धाम में गुरूवार को सावन मास के पहले दिन श्रद्धालुओं की भीड उमड़ पड़ी। बडी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक को लेकर भोर से ही लाइन में खडे दिखे। हर हर महादेव के जयकारे के साथ मंदिर का कपाट खुलते ही जलाभिषेक शुरू हुआ।

जलाभिषेक के लिए सुबह से देर शाम तक बाबा घुइसरनाथ धाम मे भक्तों की कतार लगी रही। हाथ मे गंगा जल, जल लिये शिवभक्तों ने जलाभिषेक कर बाबा घुइसरनाथ को फूल मालाओं के साथ भांग धतूरा फल मिष्ठान अर्पित कर आर्शीवाद मांगा। महिलाओं ने भगवान शिव का पूजन कर सुख समृद्धि की कामना किया। वहीं जलाभिषेक के साथ ही मंदिर परिसर मे शिवजाप, अनुष्ठान मे भी भक्त जुटे दिखे। यहां क्षेत्र व जनपद के साथ ही पडोसी जनपदों से भी शिव भक्तों ने पहुंचकर जलाभिषेक किया और बाबा से सुख समृद्धि का आर्शीवाद मांगा। सावन मास को लेकर घुइसरनाथ धाम परिसर से लेकर मंदिर के गर्भगृह तक पुलिस की भी मुस्तैदी बनी दिखी। महिला पुलिस भी भीड़ को संभालने मे जुटी दिखी। श्रद्धालुओं को व्यवस्थित जलाभिषेक कराने के लिए मंदिर के मुख्य द्वार पर बैरीकेटिंग भी करायी गयी दिखी। वहीं सई घाट पर बैरीकेटिंग के साथ नाव की भी व्यवस्था बनी नजर आयी। समूचा धाम परिसर हर हर महादेव के जयकारे से गुंजायमान नजर आया।

नहर में पानी की जगह उड़ रही धूल, किसान हो रहे परेशान

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। एक तरफ इंद्रदेव को कोपभाजन तो दूसरी तरफ नहर विभाग के अधिकारियों का कोपभाजन दोनो के बीच मे फसा किसान फड़फड़ा रहा है। पानी के अभाव में बहुत से ऐसे किसान है जिनकी अभी तक धान की नर्सरी नही पड़ी हुई है जिसको लेकर किसान बेहाल हो रहा है ।फिर भी नहर विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को किसान के दर्द की तनिक भी परवाह नही है।

मालूम हो कि विकास क्षेत्र कालाकांकर की अरखा रजबहा, परियावां माइनर,अदलाबाद माइनर में पानी की जगह धूल उड़ रही है ।आक्रोशित किसानों ने बताया कि जब खेती के समय पानी की जरूरत पड़ती है नहर में पानी नही छोड़ा जाता और जब जरूरत नही पड़ती तो नहरों में विभाग ओवरफ्लो पानी छोड़ देता है। मजे की बात यह भी है जब नहर में पानी छोड़ा जाता है स्थानीय कर्मचारी लोग नहर से पानी टैंकर भरकर ले जाने वाले लोगो को आम की बाग सींचने के लिये खुली छूट दे देते है जिससे पानी आगे नही जा पाता जब कि शारदा सहायक जल शाखा में पानी छोड़ा गया लेकिन इससे जुड़े नहरों में पानी का गेट नही खोला जा रहा है।

जब कि प्रदेश के मुख्यमंत्री का किसानों के प्रति सख्त निर्देश है कि किसानों को समय से पानी मिले और समय से नहरो की साफ सफाई हो जिससे किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो लेकिन यहां मुख्यमंत्री के आदेश को हवा हवाई समझ कर किसानों की खेती के लिए नहर में विभाग पानी नही छोड़ रहा है जिससे किसान अपनी खेती कर सके और परिवार चला सके। किसानों ने जिलाधिकारी डॉ नितिन बसल का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया है।

फेसबुक पर योगी आदित्यनाथ का स्टेटस लगाने वाले युवक को पीटा, जान से मारने की दी धमकी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। कोतवाली मांधाता क्षेत्र के हैसी परजी बुकनापुर निवासी शुभांकित विश्वकर्मा ने अपने फेसबुक स्टेटस पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भाषण का स्टेटस लगाया था लेकिन गांव के ही एक विशेष समुदाय के युवक को यह रास नहीं आया उसने फेसबुक पर ही भद्दे कमेंट के साथ युवक को जान से मारने की धमकी दे डाली।

पीड़ित युवक ने बताया कि 12 जुलाई को शाम लगभग साढे. सात बजे हैसी चैराहे के पेट्रोल पंप के पास एक युवक अपने दो अन्य साथियों के साथ शुभांकित को अकेला पाकर मारे पीटे और कहा कि दोबारा से अगर योगी का पोस्ट या स्टेटस लगाओगे तो जान से मार दूंगा। उसके बाद युवक ने बताया कि आसपास के लोगों को आते देख जान से मारने की धमकी देते हुए तीनों भाग निकले। इस पूरे मामले में पीड़ित शुभांकित विश्वकर्मा ने कोतवाली मांधाता में लिखित तहरीर दी और न्याय की गुहार लगाई हालांकि मामले में अब तक केस दर्ज नहीं हुआ। वहीं पीड़ित युवक ने शासन प्रशासन से अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

चोरी की चार पहिया वाहन के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। थाना कोतवाली नगर से उ0नि0 गिरीश धर दूबे मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त/चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना क्षेत्र के कटरा चैराहा के पास से एक व्यक्ति अंसार हुसैन पुत्र मो0 नसीम निवासी कटरा मेदनीगंज थाना कोतवाली नगर प्रतापगढ़ को चोरी की एक महिन्द्रा बोलोरो मैक्सी ट्रक (फर्जी नम्बर प्लेट लगा हुआ) के साथ गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 657/22 धारा 411, 465, 467, 468, 471 भादवि का अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस द्वारा उपरोक्त गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ करने पर बताया कि यह गाड़ी चोरी की है, मेरे द्वारा फर्जी नं0 प्लेट लगाकर गाड़ी के चेचिस नं0 को घिसकर प्रयोग में लायी जा रही है।

सांसद ने किया अमृत सरोवर का भूमि पूजन

सभी जगहों पर किया श्रमदान एवं वृक्षारोपण

अमृत सरोवर के लिये श्रमदान करते सांसद विनोद सोनकर।

अखंड भारत संदेश

बाघराय, प्रतापगढ़। केंद्र सरकार गांव और गरीब के लिए दिन-रात चिंतित रहती है। उनके उत्थान के लिए नित नई योजनाएं लाकर गरीबों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का कार्य किया जा रहा है। 2024 तक हर घर नल योजना के तहत प्रत्येक परिवार को पेयजल व्यवस्था से जोड़ा जाएगा प्रत्येक गांवों को पक्की सड़क और मनरेगा योजना में किसी प्रकार की धन की कमी नहीं आएगी।

यह बातें रोर गांव में अमृत सरोवर भूमिपूजन एवं वृक्षारोपण के मौके पर कौशांबी सांसद विनोद सोनकर ने कही उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार एवं प्रदेश सरकार गांव के विकास के लिए कृत संकल्पित है। रोर गांव में अमृत सरोवर पूजन कार्य आचार्य शिव प्रकाश मिश्र ने वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ किया सांसद ने बिहार ब्लाक के बेधन गोपालपुर भाव, रोर, उमरापट्टी, महमदपुर भाव, महाराजपुर आदि गांवों में अमृत सरोवर का भूमि पूजन, श्रमदान व वृक्षारोपण किया। बेधन गोपालपुर में प्रधान सूरज शुक्ला एवं रोर गांव में प्रधान प्रतिनिधि संतोष पांडे ने सांसद विनोद सोनकर व शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी का स्वागत किया।

कार्यक्रम का संयोजन वरिष्ठ भाजपा नेता उमेश पांडे ने किया इस मौके पर शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी शिव प्रकाश मिश्र सेनानी अभय प्रताप पप्पन जटाशंकर त्रिपाठी राजन मिश्रा मनीष शुक्ला टिशू सूर्यमणि शुक्ला राघवेंद्र संतोष तिवारी राजेश साहू दिनेश दुबे राजेंद्र प्रसाद शुक्ला राम गोपाल शुक्ला रामबाबू द्विवेदी शशि पांडे खंड विकास अधिकारी मकसूद अहमद सिद्दीकी अशोक सचान अखिलेश कुमार लल्लन प्रसाद एवं वन क्षेत्राधिकारी के पी यादव,वन दरोगा महारानीदीन यादव आदि सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद रहे।

प्रताप बहादुर पीजी कॉलेज को 9 विषयों में मिली संबद्धता, प्रवेश प्रारंभ

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा प्रताप बहादुर पीजी कॉलेज को नौ विषयों में सम्बद्धता मिली है। जनसूचना अधिकारी डॉ. धर्मेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि स्नातक स्तर पर कला संकाय के अंतर्गत शिक्षा शास्त्र, गृह विज्ञान, शारीरिक शिक्षा विषयों में स्नातक, वाणिज्य संकाय के अंतर्गत बीकॉम पाठ्यक्रम और परास्नातक स्तर पर कला संकाय में हिंदी साहित्य, प्राचीन इतिहास, समाजशास्त्र विषयों में परास्नातक तथा विज्ञान संकाय के अंतर्गत गणित, वनस्पति विज्ञान विषयों में एमएससी पाठ्यक्रम में संबद्धता प्रदान की गई है।

उधर प्रताप बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रतापगढ़ सिटी के जन सूचना अधिकारी डॉ धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि स्नातक स्तर पर कला संकाय के अंतर्गत बीए में शिक्षाशास्त्र, गृह विज्ञान,शारीरिक शिक्षा और विज्ञान संकाय के अंतर्गत बीएससी तथा वाणिज्य संकाय के अंतर्गत बी.काम. एवं परास्नातक स्तर पर कला संकाय के अंतर्गत राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, हिंदी, प्राचीन इतिहास और विज्ञान संकाय के अंतर्गत भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, गणित आदि संचालित पाठ्यक्रमों में सुचारू रूप से महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ है। विश्वविद्यालय द्वारा इन विषयों में सम्बद्धता प्रदान की गई है और निर्धारित सीमित सीटें ही अनुमन्य है। प्रवेश प्रक्रिया महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बृज भानु सिंह द्वारा गठित समितियों के सदस्यों द्वारा शुचिता पूर्ण संपन्न की जा रही हैं। प्रवेशार्थी अपने साथ आधार कार्ड तथा हाई स्कूल, इंटर मीडिएट अंकपत्र के साथ महाविद्यालय में प्रवेश लेना सुनिशिचत करें। प्रताप बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय जनपद का एकमात्र उच्च स्तर का नैक मूल्यांकित महाविद्यालय है जहाँ पर पठन पाठन के साथ पाठ्य सहगामी क्रियाओं के माध्यम से छात्रों का सर्वांगीण विकास किया जाता है।

पूरे जिले में ए ग्रेड का एकमात्र है महाविद्यालय

महाविद्यालय में प्रवेश के सम्बन्ध में समिति के सदस्यों से वार्ता करते प्राचार्य

स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश की अंतिम तिथि 20 तक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पीबीपीजी कालेज सिटी में प्राचार्य डॉ. बृजभानु सिंह की अध्यक्षता में बनी प्रवेश समिति के निर्णय के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार छात्र-छात्राओं का प्रवेश मेरिट के आधार पर किया जा रहा है। प्राचार्य द्वारा गठित प्रवेश समिति कुलानुशासक प्रो.ब्रम्हांनन्द प्रताप सिंह की देखरेख में प्रवेश का कार्य कर रही है। गुरुवार को प्राचार्य ने प्रवेश प्रक्रिया का निरीक्षण किया। कालेज के जन सूचना अधिकारी डॉ0 धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि स्नातक प्रथम वर्ष सभी संकायों में प्रवेश की अंतिम तिथि 20 जुलाई है। सीमिति सीटे ही विश्वविद्यालय द्वारा अनुमन्य हैं। स्नातक स्तर पर कला संकाय अंतर्गत शिक्षाशास्त्र, गृह विज्ञान,शारीरिक शिक्षा और विज्ञान संकाय के अंतर्गत बीएससी तथा वाणिज्य संकाय के अंतर्गत बी.काम. एवं परास्नातक स्तर पर कला संकाय के अंतर्गत राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, हिंदी, प्राचीन इतिहास और विज्ञान संकाय के अंतर्गत भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, गणित आदि संचालित पाठ्यक्रमों में सुचारू रूप से प्रवेश प्रक्रिया चल रही है।

पट्टी ब्लाक के 42 गांवों में सफल योजना का हुआ शुभारम्भ

पट्टी, प्रतापगढ़। विकासखंड पट्टी के 42 गांव में सफल कार्यक्रम चलाया जाएगा, जिसके तहत बच्चों तथा महिलाओं के साथ साथ अभिभावकों को भी जागरूक करने का काम किया जा रहा है। सफल कार्यक्रम का शुभारंभ ब्लॉक सभागार में ब्लाक प्रमुख राकेश कुमार सिंह पप्पू सिंह की अगुवाई में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ करते ब्लॉक राकेश कुमार सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत बच्चों का बीमारियों से बचाव तथा समय समय पर टीकाकरण तथा उचित पोषण तथा 6 महीने तक स्तनपान करने के बारे में लोगों को जानकारी दी जाएगी।

नौ लोगों के खिलाफ दलित उत्पीड़न व मारपीट का मुकदमा दर्ज

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने मारपीट व जानलेवा धमकी, जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर गालीगलौज को लेकर दो ज्ञात व सात अज्ञात समेत नौ के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली क्षेत्र के पूरे वासी गांव निवासी रामपाल सरोज पुत्र स्व. कामता प्रसाद सरोज ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती तेरह जुलाई की सुबह सात बजे रंजिश को लेकर गांव के विनय पाण्डेय व प्रतूल पाण्डेय पुत्रगण अंबिका प्रसाद पाण्डेय अपने सात अज्ञात साथियों के साथ उसके दरवाजे पर पहुंचे। आरोपितगण जातिसूचक शब्दो का प्रयोग करते हुए गालीगलौज करने लगे। मना करने पर आरोपितो ने घर मे घुसकर लाठी डंडा व लोहे की राड से जमकर मारापीटा और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने जांच के बाद तहरीर के आधार पर नौ लोगों के खिलाफ दलित उत्पीडन मारपीट व धमकी आदि धाराओं मे मुकदमा दर्ज किया है।

चार पर दलित उत्पीड़न का केस

लालगंज, प्रतापगढ़। सांगीपुर थाना क्षेत्र के सिंहगढ़ गांव की चंद्रकली पत्नी रामधनी सरोज ने बुधवार को पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि पुरानी रंजिश को लेकर सुबह आठ बजे गांव की धर्मा देवी, अंतिमा, आरती व अरूण कुमार एकराय होकर उसके दरवाजे पर पहुंचे। आरोपितगण जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गालीगलौज करने लगे। पीड़िता ने मना किया तो उसे लाठी डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया। पीडिता के शोर मचाने पर आरोपितगण जान से मारने की धमकी देते चले गये। पुलिस ने जांच के बाद चार लोगों के खिलाफ दलित उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज किया है।

पड़ोसी आरोपियों ने महिला को रंजिश में जमकर किया पिटाई

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। दो दिन पहले पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसी आरोपियों ने एकजुट होकर एक महिला तथा उसके परिजनों को मारपीट कर जख्मी कर दिया।

घायल दशा में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया उधर पुलिस ने तहरीर लेने के बाद जब हीला हवाली किया तो महिला पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र लिखा जिस पर पुलिस सक्रिय हुई है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के मझौली गांव की रहने वाली राजकुमारी पत्नी पारसनाथ का अपने पड़ोसी से पुराना विवाद चल रहा है। दो दिन पहले खेत में भैंस जाने के विवाद को लेकर पड़ोसियों ने घर में घुसकर राजकुमारी को तथा उसकी पुत्री खुशबू तथा पूजा, सनी और सचिन को बुरी तरीके से जमकर मारा पीटा चोट लगने से राजकुमारी बुरी तरीके से जख्मी हो गई और परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। पट्टी पुलिस को सूचना देने के बाद पुलिस मामले में हीला हवाली करती रही तो महिला ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर इंसाफ की गुहार लगाई तो पुलिस अधीक्षक ने आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस को निर्देश दिया जिस पर पुलिस सक्रिय हुई है।

स्कूल से लौट रही छात्रा को तेज रफ्तार बोलेरो ने मारी टक्कर, घायल

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के उड़ैयाडीह बाजार के समीप एक किशोरी को एक बोलोरो ने टक्कर मार दिया जिससे वह जख्मी हो गई। क्षेत्र में स्थित एक विद्यालय में कक्षा 10 की छात्रा स्नेहा सिंह पुत्री रामकरण सिंह निवासी चैपई को तेज रफ्तार बोलेरो ने टक्कर मार दिया इस दौरान वह गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर जुटे स्थानीय लोगों द्वारा 108 एंबुलेंस की मदद से उसे इलाज के लिए सीएचसी पट्टी भिजवाया गया जहां पर उसका इलाज चल रहा है वहीं घायल छात्रा के पिता रामकरण सिंह द्वारा पट्टी कोतवाली पुलिस को वाहन चालक के विरुद्ध तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की वही मामले की नजाकत को भांपते हुए कोतवाली पुलिस हरकत में आई तो आरोपी चालक क्षेत्र के एक सुनसान स्थान पर चालक वाहन खड़ा कर फरार हो गया था, वहीं पुलिस वाहन को कब्जे में लेकर थाने आई है और मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

खबर संक्षेप

दुष्कर्म के अभियुक्तों को दस वर्ष कारावास की सजा

कौशाम्बी। शासन की प्राथमिकता के आधार पर एसपी के कुशल निर्देशन में प्रभावी पैरवी कराते हुए मानिटरिंग सेल के माध्यम से थाना मझनपुर पर पंजीकृत दुष्कर्म के मुकदमे के तीन अभियुक्तों बड़ेलाल पुत्र राम बदल तिवारी छोटे लाल पुत्र राम बदल तिवारी व सुशील तिवारी पुत्र जयचन्द्र तिवारी निवासीगण ओसा थाना मंझनपुर को न्यायालय एडीजे-07 द्वारा अभियुक्त बडेलाल को 10 वर्ष अभियुक्त छोटे लाल को 06 माह व अभियुक्त सुशील को 01 वर्ष कारावास तथा कुल 11 हजार 500 रुपए का अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

चार वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार : कौशाम्बी। जिले में अलग अलग थानों द्वारा चार वारण्टी अभियुक्तो को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है जानकारी के मुताबिक थाना मंझनपुर पुलिस बल द्वारा वारंटी दो अभियुक्तों भइया लाल पुत्र दयाराम लोध निवासी थाम्भा थाना मंझनपुर व मन्ना लोध पुत्र घूरेलाल निवासी तेजवापुर व निषार अहमद पुत्र अब्दुल वशीर निवासी बहादुरपुर थाना मंझनपुर को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है इसी प्रकार थाना कौशाम्बी पुलिस बल द्वारा वारंटी अभियुक्त अमरनाथ पुत्र मेढ़ई निवासी रसूलपुर बडगांव थाना कौशाम्बी को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत युवा उत्सव का आयोजन कराने के निर्देश

जनपद में युवा उत्सव के तहत कलाकारों का कला प्रदर्शन प्रतियोगिता का आयोजन 19 जुलाई को

अखंड भारत संदेश

बैठक में उपस्थित विभिन्न अधिकारी

कौशाम्बी। शासन द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव की श्रखंला के तहत युवा उत्सव का आयोजन जनपद में कराने के निर्देश दिये गये है इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में सांस्कृतिक विधाओं एवं परम्परागत लोक संस्कृतियों के प्रति अभिरूचि उत्पन्न कर उनकी प्रस्तुति कराना युवा कलाकारों को बदलतें सांस्कृतिक परिवेश के सन्दर्भ में तैयार किया जाना विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों की प्रतिभाओं को जनपद की सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कराकर युवाओं की प्रतिभा को आगे बढने का अवसर सुलभ कराना है एवं युवाओं के कृतित्व को प्रोत्साहित करना है जनपद में युवा उत्सव कार्यक्रम के तहत कलाकारों का कला प्रदर्शन प्रतियोगिता का आयोजन 19 जुलाई को विकास भवन स्थित सरस हाल में किया जायेगा यह जानकारी जिला युवा कल्याण अधिकारी मयंक पटेल ने देते हुए बताया कि कलाकार युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षकदल विभाग की वेबसाइट पर जाकर पंजीकरण कर सकते है पंजीकरण 18 जुलाई तक किया जा सकता है कलाकार प्रतियोगिता-लोकनृत्य फोक डांस लोकगीत फोक सॉग एकांकी वन-एक्ट-प्ले क्लासिकल वोकल हिन्दुस्तानी कर्नाटक वोकल सितार वादन बांसुरी वादन तबला वादन वीणा वादन मृदंगम हारमोनियम लाइट गिटार वादन मणिपुरी नृत्य ओडिसी नृत्य भरतनाट्यम नृत्य कत्थक नृत्य कुचिपुडी नृत्य एक्सटेम्पोर एलोक्यूशन में प्रतिभाग कर सकतें है। जिला युवा काल्याण अधिकारी ने बताया है कि प्रतियोगिता में प्रतिभाग हेतु कलाकार की आयु 12 जनवरी 2023 को 15 से 29 वर्ष के मध्य होना अनिवार्य है। इस प्रतियोगिता में जनपद कौशाम्बी के कलाकार ही प्रतिभाग कर सकतें है उन्होंने बताया कि इच्छुक कलाकार अधिक जानकारी हेतु कार्यालय जिला युवा कल्याण अधिकारी, विकास भवन में तथा अपने विकास खण्ड के क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अधिकारी से किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर सकतें है।

न्यूज झरोखा

संदिग्ध परिस्थितियों में अध्यापक की ट्रेन की टक्कर से दर्दनाक मौत

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के दिल्ली हावड़ा रेल मार्ग पर निहाल पुर अंडरग्राउंड पुल से 100 मीटर पश्चिम ओर अप लाइन पर एक युवक की ट्रेन की टक्कर से मौत हो गयी है। मृतक अध्यापक संदीप सोनकर उम्र तकरीबन 32 वर्ष पुत्र रामकिशोर निवासी केसारी थाना सैनी का निवासी था जो अहिगवा सराय अकिल के प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापक के पद पर तैनात था। परिजनों के अनुसार युवक 4 महीने से मानसिक रूप से बीमार था बुधवार को हमेशा की तरह किसी लड़के के साथ विद्यालय पढ़ाने भी गया था बीती देर शाम से गायब था जिसका शव विक्षत शव निहाल पुर अंडर रेलवे पुल के पास मिला युवक की 2 माह पहले ही देवीगंज में शादी हुई है मौत की सूचना से परिजनों में कोहराम मचा है वहीं सिराथू चौकी पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजकर कार्रवाई में जुट गई है।

प्रेम में असफल युवती की मौत

कौशाम्बी। करारी थाना क्षेत्र के दीवार कोतारी पुलिस चौकी के आसपास बाइक से उतारकर एक युवती को युवक फरार हो गया था घटना बुधवार की देर रात्रि की है मामले की सूचना मिलते ही ग्रामीणों के साथ मौके पर पुलिस पहुंची और युवती को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान युवती की मौत हो गई है पुलिस ने युवती की खोजबीन शुरू की तो मालूम चला कि करारी कस्बे के नया गंज की रहने वाली खुशनुमा बानो है पुलिस ने युवती के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक युवती का प्रेमी से विवाद चल रहा था और इस बीच युवती की मौत हो गई है युवती की मौत में प्रेमी का क्या रोल है इस संबंध में पुलिस का कहना है कि परिजनों से तहरीर मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

सावन आते ही शुरू हो गया झूला झूलना

पश्चिम शरीरा कौशाम्बी। झूला झूलने को एक बेहतरीन एव?सरसाइज माना जाता है. झूला झूलते वक्त झूला आगे पीछे होता है, जिसके साथ हमारा शरीर भी आगे पीछे होता है. ये पूरी प्रक्रिया शरीर के वेट और स्पीड पर निर्भर होती है मानसून का सीजन चल रहा है और सावन का यह सुहाना मौसम है. सावन के मौसम में प्रकृति की अलग ही खूबसूरती नजर आती है. सावन शुरू होते ही महिलाओं और बच्चियां मेंहदी लगाकर झूले का मजा लेती दिखाई देती है लेकिन इस बार सावन के महीने में झूला तो दिखाई पड़ रहा है लेकिन बारिश ना होने के चलते मौसम सुहाना नहीं हो सका है फिर भी गांव क्षेत्र में झूला झूलने की पुरानी परंपरा कायम है और लोगों ने झूला डालना शुरू कर दिया है। पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के कई गांव सहित पूरे जिले के गांव क्षेत्र में झूला डालना शुरू हो गया गांव क्षेत्र की महिलाएं बच्चियां झूला झूलने लगी है हम सभी ने कभी ना कभी झूले पर बैठकर इंजॉय जरूर किया होगा लेकिन, बहुत कम लोगों को इसके हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में पता होगा।

विशाल भंडारे में दस हजार लोगो ने ग्रहण किया प्रसाद

श्री राम जानकी मंदिर मनौरी का 18वा विशाल भंडारा सकुशल संपन्न

मनौरी कौशांबी। कौशांबी जनपद के महमूदपुर मनौरी बाजार के श्री राम जानकी मंदिर* द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमे लगभग दस हजार भक्तो ने प्रसाद ग्रहण किया ,आयोजक मण्डली ने भंडारे में आए भक्तो का तिलक लगाकर स्वागत किया और ससम्मन सभी को प्रसाद ग्रहण कराया , इस भंडारे में मनौरी के अलावा और आसपास गांव लोगो की भीड़ देखी गई विशाल भंडारे में मनौरी बाजार के लोगो ने तन मन और धन से खुलकर सहयोग किया , श्री राम जानकी मंदिर के प्रबंध तंत्र के अनुरोध पर कौशांबी सांसद विनोद सोनकर,चायल के पूर्व विधायक संजय गुप्ता व कौशांबी जिले के व्यापार मण्डल के पदाधिकारी रमेश अग्रहरी, प्रवेश कुमार केसरवानी ,अरविंद केसरवानी आदि सम्मानित लोगो ने भंडारे में पहुंच कर कार्यकताओं का हौसला बढ़ाया।

निरोधात्मक कार्यवाही में 22 अभियक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में चलाये जा रहे अभियान में साधारण मारपीट व शांति भंग करने के आरोप में थाना सैनी से चार थाना पिपरी से चार थाना कोखराज से दो थाना कड़ाधाम से तीन थाना सराय अकिल से तीन थाना करारी से तीन थाना चरवा से एक थाना महेवाघाट से एक थाना कौशाम्बी से एक कुल 22 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय कर दिया है।

उचित दर विक्रेताओ को सीएससी की सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में गोरखपुर में आयोजित कार्यक्रम का उदयन सभागार में किया गया सजीव प्रसारण, मुख्यमंत्री ने उचित दर विक्रेताओं का लाभान्श प्रति कुन्तल रुपए 70 से बढाकर रुपए 90 किया

अखंड भारत संदेश

बैठक में उपस्थित डीएम सांसद व अन्य

कौशाम्बी। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गोरखपुर में उचित दर विक्रेताओं को सीएससी के रूप में सक्षम बनाये जाने हेतु राज्य सरकार एवं सीएससी ई-गवर्नेन्स सर्विस इण्डिया लिमिटेड के मध्य एमओयू तथा उचित दर विक्रेताओं के लाभान्श में वृद्धि कार्यक्रम आयोजित किया गया इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जनपद में सम्राट उदयन सभागार में किया गया एवं उपस्थित उचित दर विक्रताओं (कोटेदार) ने मुख्यमंत्री के उद्बोधन का सुना मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में उचित दर विक्रेताओं का लाभान्श प्रति कुन्तल रुपए 70 से बढाकर रुपए 90 करने तथा उचित दर विक्रेताओ को सीएससी की सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा करते हुए कहा कि इससे उचित दर विक्रेताओं के आय के नये स्त्रोत सृजित होगें। उन्होंने कहा कि उचित दर विक्रेता आय जाति निवास आदि प्रमाण-पत्र बनवाने के साथ ही बैकिंग की सुविधा अपने ग्रामवासियों को उपलब्ध करायेंगे इससे ग्रामवासियों को भी पने ही गॉव में सुविधा मिल सकेंगी।

सांसद विनोद सोनकर ने उचित दर विक्रताओं (कोटेदार) को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने लम्बे समय से चली आ रही मॉगों का समाधान करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने आप लोगों द्वारा कोरोना काल में जरूरत मन्दों को राशन पहुॅचाने के सराहनीय कार्य की प्रशंसा की है उन्होंने कहा कि खाद्य एवं रसद विभाग तथा कोटेदारों द्वारा कोरोना काल में जरूरतमन्दों को राशन पहुॅचाने के सराहनीय कार्य की प्रशंसा प्रदेश के साथ ही पूरे देश में की गई है। उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है प्रधानमन्त्री का आवाह्न है कि हम सब संकल्प लें की देश के निर्माण में अपने भागीदारी सुनिश्चित करें आप लोग भी संकल्प लेकर जाये कि और बेहतर कार्य करेंगे उन्होंने कहा कि आजादी के 75वी वर्षगाठ पर आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है इसके तहत जनपद में 75 अमृत सरोवरों का निर्माण कराया जा रहा है उनके द्वारा अमृत सरोवरों के निर्माण में श्रमदान किया जा रहा है उन्होंने कहा कि आप लोग और लोगों से अमृत सरोवरों का चर्चा कर श्रमदान भी करें प्रधानमंत्री की इस महत्वाकांक्षी योजना से आप लोग भी जुडें यह देश हम सबका है, हम सबकी जिम्मेदारी है कि देश के निर्माण में अपनी भागादारी सुनिश्चित करें। जिला पूर्ति अधिकारी अमित तिवारी ने बताया कि जनपद में कुल 588 उचित दर दुकानें एवं 08 ब्लाक गोदाम कार्यरत है जनपद में अन्त्योदय योजना के 37 हजार 575 एवं पात्र गृहस्थी योजना के अन्तर्गत 2 लाख 57 हजार 317 कुल 2 लाख 94 हजार 892 राशन कार्ड प्रचलित है जिसके अन्तर्गत कुल 12 लाख 27 हजार 717 यूनिट सम्मिलित है राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत जनगणना 2011 के सापेक्ष 79.56 प्रतिशत लक्ष्य निर्धारित है जिसके सापेक्ष 78.06 प्रतिशत जनसंख्या को आच्छादित किया जा चुका है यदि राशन कार्ड हेतु कोई भी लाभार्थी आवेदन करता है तो उसकी पात्रता की जॉच करातें हुए नियमानुसार राशन कार्ड निर्गमन सम्बन्धी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाती है। समस्त राशन कार्डधारकों में खाद्यन्न वितरण हेतु उचित दर विक्रेतावार जिलाधिकारी के स्तर से नोडल अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गयी है। नोडल अधिकारियों की उपस्थिति में राशन कार्डधारकों को निर्धारित मात्रा में गुणवत्तायुक्त राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत अन्त्योदय कार्डधारकों को 35 किलोग्राम खाद्यान्न (21 किलोग्राम चावल एवं 14 किलोग्राम गेहॅू) एवं पात्र गृहस्थी योजना के अन्तर्गत प्रति यूनिट 05 किलोग्राम खाद्यान्न (03 किलोग्राम चावल एवं 02 किलोग्राम गेहॅू) का निःशुल्क वितरण वर्तमान में कराया जा रहा है। माह दिसम्बर 2021 से अन्त्योंदय एवं पात्र गृहस्थी योजना के कार्डधारकों को निःशुल्क खाद्यान्न के साथ 01 किलोग्राम नमक, 01 किलोग्राम चना एवं 01 किलोग्राम रिफाइण्ड आयल का निःशुल्क वितरण प्रतिमाह कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अन्तर्गत अन्त्योंदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 05 किलोग्राम चावल का निःशुल्क वितरण कराया जा रहा है इस अवसर पर जिलाधिकारी सुजीत कुमार, जिला विकास अधिकारी विजय कुमार पूर्व विधायक शीतला प्रसाद उर्फ पप्पू पटेल जितेन्द्र सोनकर प्रेम चौधरी एवं चन्द्रदत्त शुक्ल आदि उपस्थित रहें।

2 दिन से सैनी क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित

कौशाम्बी। भीषण गर्मी के बावजूद बिजली की आपूर्ति विभाग के अधिकारी सुधार नहीं कर पा रहे हैं प्रतिदिन जिले के किसी ना किसी क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित होती है जिससे गर्मी के चलते आम जनता बिलबिला जाती है शिकायत करने के बाद भी विभाग के अवर अभियंता सहायक अभियंता व अन्य अधिकारी कर्मचारी अव्यवस्था को सुधार करने के बजाए कौशांबी छोड़कर इलाहाबाद चले जाते हैं जिससे जिले की विद्युत व्यवस्था नहीं सुधर रही है सिराथू तहसील क्षेत्र के सैनी के सुभाष नगर में मंगलवार शाम से बिजली खराब हो गई है बुधवार पूरा दिन बीत चुका है लेकिन अभी तक बिजली सप्लाई नहीं चालू हो सकी है जिससे ग्रामीणों में विभाग के प्रति जबरदस्त आक्रोश है विद्युत आपूर्ति के बजाय विद्युत सप्लाई में व्यवधान का विभाग का यह प्रतिदिन का खेल हो गया है मंझनपुर कस्बे के पाता में भी मंगलवार से विद्युत सप्लाई बाधित है तमाम प्रयास के बाद भी पाता कि विद्युत सप्लाई नहीं ठीक हो सकी है अवर अभियंता की लापरवाही के चलते आम जनता विद्युत समस्या से जूझ रही है आला अधिकारियों को अवर अभियंताओं की नकेल कसनी होगी तभी विद्युत व्यवस्था में सुधार हो सकता है।

जेल में बंद हत्यारे के साथी दे रहे हैं महिला को धमकी

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के काजीपुर गांव में रामसखी पत्नी रामचंद्र केशरवानी के एक बेटे की पूर्व में हत्या की जा चुकी है उसके हत्यारे जेल में बंद है अब रामसखी के दूसरे बेटे सतीश कुमार की हत्या करने की धमकी जेल में बंद लोगों के साथी दे रहे हैं उनके साथी फिर आतंक मचाए हैं मृतक के माता और भाई की हत्या करने की धमकी दी जा रही है जिससे परिवार भयाग्रस्त है 13 जुलाई बुधवार को मनौरी कस्बे में विशाल भंडारे के आयोजन में राम चंद्र केसरवानी का परिवार गया हुआ था बुधवार की रात 9:30 बजे मृतक की माता रामसखी के साथ गांव का राकेश पटेल पुत्र बाबूलाल पटेल गाली गलौज करने लगा जब महिला ने विरोध किया तो राकेश पटेल ने कहा कि तेरे बेटे की हत्या कर दी गयी है अब तेरे दूसरे लड़के को मार दूंगा उसकी बहू अंजू बच्चो के साथ छत पर सो रही थी शोरगुल सुनकर बहु अंजू जाग गयी और मौके पर आई जिस पर बहू के साथ भी गाली गलौज मारपीट अभद्रता की गई है जेल में बंद हत्यारों के साथी पीड़ित महिला के साथ उत्पात मचाए हुए हैं उसे गांव में नहीं रहने देना चाहते हैं जिससे पूरा परिवार परेशान है यदि पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया तो हत्यारों के साथी फिर हत्या कर सकते हैं।

गांजा के साथ तीन अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना पश्चिम शरीरा पुलिस बल द्वारा अभियुक्त गंगा प्रसाद पुत्र भीम सिंह निवासी बक्सी का पुरवा मजरा पभोसा थाना पश्चिम शरीरा को 350 ग्राम नाजायज गाजा व सलीम पुत्र सगीर अहमद निवासी परई उग्रसेनपुर को 315 ग्राम नाजायज गांजा के साथ गिरफ्तार कर बरामदगी के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है। इसी प्रकार थाना कड़ाधाम पुलिस बल द्वारा अभियुक्त विष्णू पासी पुत्र जयपाल पासी निवासी आलमसारा थानी सुल्तानपुर घोष जनपद फतेहपुर को 510 ग्राम नाजायज गाजा के साथ गिरफ्तार कर बरामदगी के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

बस की टक्कर से स्कूटी सवार अस्पताल कर्मी की मौत

विपरीत दिशा से सड़क क्रास कर रहे स्कूटी सवार हुए हादसे के शिकार

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के मूरतगंज यूनियन बैंक के पास सड़क क्रास कर रहे स्कूटी सवार दो लोगों को बस के चालक ने टक्कर मार दिया है जिससे स्कूटी सवार स्वास्थ्य कर्मी छिटक कर बस के पहिए के नीचे आ गया और मौके पर उसकी मौत हो गई है और उसके साथ मौजूद महिला स्वास्थ्य कर्मी गंभीर घायल है। सूचना पाकर पहुंची स्थानीय पुलिस ने घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है और मृतक स्वास्थ्य कर्मी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है हादसे के बाद बस का चालक घटनास्थल से बस सहित फरार हो गया है जिस पर पुलिस ने उसका पीछा करके भरवारी के पास बस सहित चालक को हिरासत में ले लिया है। घटनाक्रम के मुताबिक फतेहपुर जनपद के धाता थाना अंतर्गत बेलई निवासी सुधीर सिंह उम्र लगभग 20 वर्ष पुत्र स्वर्गीय दीपचंद मूरतगंज में मनु अस्पताल में काम करते हैं इस निजी मनु अस्पताल की एक अन्य महिला स्वास्थ्य कर्मी लवली देवी के साथ स्कूटी नम्बर UP70F A4721 से सुधीर कुमार बुधवार की दोपहर मूरतगंज स्थित मनु अस्पताल से इलाहाबाद के लिए निकले और उल्टे साइड से बीच सड़क का डिवाइडर पार कर वह दूसरे साइड की सड़क में जाना चाह रहे थे अपनी लेन से सही दिशा से सवारी लेकर बस मंझनपुर जा रही थी लेकिन अचानक उल्टे साइड से डिवाइडर क्रास कर स्कूटी सवार दोनों स्वास्थ्य कर्मी अचानक बीच सड़क पर आ गए बस चालक ने स्कूटी सवार को बचाने का काफी प्रयास किया लेकिन टक्कर स्कूटी में लग गयी और दोनों सड़क पर गिर पड़े हादसे में स्वास्थ्य कर्मी सुधीर कुमार की मौके पर मौत हो गई।

सड़क पर युवतियों को बाइक सवार ने मारी टक्कर पांच घायल

कौशाम्बी। महेवा घाट थाना क्षेत्र के बाबा का पुरवा निवासी सुनीता उम्र 23 नानकी उम्र 20 प्रियंका उम्र 16 सुनीता उम्र 22 खेत की लाहन की बुवाई करके बुधवार की शाम 8:00 बजे अपने घर बाबा का पुरवा जा रही थी गांव पहुंचने के पहले बाइक सवार चित्रकूट जनपद के मऊ थाना क्षेत्र के टिकरा गांव निवासी अंशुमान पुत्र बबलू अनियंत्रित बाइक सवार सड़क के बगल से जा रही युवतियों से जा भिड़ा टक्कर इतनी भयंकर थी बाइक सवार समेत पांच लोग बुरी तरह घायल हो गए चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोगों ने नजदीकी हॉस्पिटल में भर्ती कराया जहां दो की हालत गंभीर बताई जा रही है।

दो बाइको में आमने सामने टक्कर चार गंभीर घायल : भरवारी कौशाम्बी। थाना कोखराज अंतर्गत चौकी भरवारी के मेहता रोड पर दो बाइक सवार की आमने सामने से जोरदार टक्कर हो गये टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक में बैठे चार लोगो मे दो का पैर टूट गया वही दो की हालत नाजुक बनी हुई है बता दे कि गुरुवार को भरवारी कस्बे के मेहता रोड में दो बाइक में चार लोग सवार कही जा रहे थे जिसमें एक बुलेट तथा एक पल्सर बाइक थी दोनो बाइक अपने तेज रफ्तार से चल कर आ रहे थे तभी एक इक्का वाले को बचाने को लेकर अपनी अपनी बाइक संभालने की जगह दोनो आमने सामने भिड़ गये टक्कर इतनी तेज थी कि चारो में से दो लोगो का पैर टूट गया एक की हालत नाजुक बनी हुई है जिन्हें स्थानीय लोगो की मदद से जिला अस्पताल भेजवाया गया वही दो लोगो को इलाज के लिए जीवन डीप अस्पताल में भर्ती कराया गया घायलों में अमित शुक्ल राहुल विश्कर्मा निवासी शुक्लन का पुरवा व राज कुमार अंकिश मिश्र निवासी कलापात का पुरवा के है सभी की उम्र लगभग20 से25 वर्ष के बीच है।

विकलांग पत्रकार दंपति के साथ दबंगों ने की मारपीट चौकी व थाना पुलिस ने तहरीर लेने से किया इनकार

कौशांबी। करारी थाना क्षेत्र के मीरापुर गांव में रह रहे पत्रकार चंद्रभान विकलांग है उनकी पत्नी भी विकलांग है उनकी जमीन पर गांव के कुछ दबंगों ने कब्जा कर रखा है अपनी जमीन पाने के लिए वह बराबर अधिकारियों की चौखट पर दौड़ लगा रहे हैं लेकिन वर्षो बीत जाने के बाद दबंगों के चंगुल से उनकी जमीन मुक्त नहीं हो सकी है इसी मामले की खुन्नस लेकर मंगलवार की सुबह दबंग उनके साथ अभद्रता करने लगे जिस पर चंद्रभान ने मामले की सूचना डायल 112 पुलिस के साथ करारी थाना पुलिस को दिया घटनास्थल डायल 112 पुलिस और स्थानीय चौकी पुलिस पहुंची दोनों पक्षों की बातचीत को सुनकर पुलिस वापस लौट रही थी लेकिन जैसे ही पुलिस पीछे मुड़कर वापस जाने लगी दबंगों ने विकलांग पत्रकार दंपति पर हमला बोल दिया घर के भीतर घुसकर पत्रकार उसकी पत्नी को पीटा गया गाली गलौज की गयी काफी देर तक मौके पर उत्पात और अराजकता दबंग मचाते रहे जिसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ मामले की तहरीर लेकर विकलांग पत्रकार स्थानीय चौकी पुलिस के पास पहुंचे लेकिन चौकी पुलिस ने तहरीर लेने और मुकदमा दर्ज करने से इंकार कर दिया जिससे चौकी पुलिस का एक बार फिर हमलावरों से प्रेम उजागर हो गया उसके बाद बिकलांग पत्रकार करारी थाना पहुंचे इंस्पेक्टर मौके पर मौजूद नहीं थे मौके पर मौजूद उपनिरीक्षक ने यह कहकर कि इंस्पेक्टर आएंगे तो तहरीर देना विकलांग पत्रकार को वापस कर दिया चौकी थाना का चक्कर लगाते 24 घंटे बीत गए मामले में पुलिस ने मुकदमा नही दर्ज किया आरोपियों की पुलिस ने गिरफ्तारी भी नहीं की जिस पर विकलांग पत्रकार चन्द्रभान पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और संपूर्ण प्रकरण की जानकारी देते हुए उन्होंने कार्रवाई की मांग की जिस पर पुलिस अधीक्षक ने थाना पुलिस को कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

जनपद कौशांबी को सूखाग्रस्त घोषित किया जाए : अजय सोनी

अखंड भारत संदेश

जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग करते समर्थ किसान पार्टी नेता

कौशाम्बी। समर्थ किसान पार्टी ने जिले भर में सूखे की स्थिति को देखते हुए प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन से कौशांबी जनपद को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग की है। पार्टी नेता अजय सोनी ने इस संबंध में जल्द ही जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपने की बात कही है। गुरुवार को समर्थ किसान पार्टी की एक बैठक ग्राम उदहिन बुजुर्ग में हुई। बैठक की अध्यक्षता पार्टी नेता अजय सोनी ने की। इस अवसर पर किसानों को संबोधित करते हुए अजय सोनी ने कहा कि असाढ़ का पूरा महीना बीत गया है लेकिन एक दो दिन छोड़कर जिलेभर में कहीं बरसात नहीं हुई। बरसात न होने से किसानों को धान की रोपाई में भारी दिक्कत हो रही है और अभी तक जिले भर में मात्र 10 प्रतिशत धान की रोपाई हो सकी है। खेतों में पानी के अभाव में धान की बेहन सूख रही है और किसान बादलों की लुकाछिपी से परेशान हैं। आलम यह है कि किसान भाई बाजरा ज्वार भी नहीं बो पा रहे हैं और बरसात के कोई आसार नहीं दिख रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे हालात में किसानों के लिए धान रोपाई की समस्या खड़ी हो गई है और धान की रोपाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। लिहाजा प्रदेश सरकार एवं जिला प्रशासन को कौशांबी जनपद को जल्द ही सूखाग्रस्त घोषित कर देना चाहिए। साथ ही किसानों से राजस्व वसूली बन्द कर बकाया माफ कर देना चाहिए और नहरों में लगातार जलापूर्ति और बिजली की आपूर्ति 20 घंटे फूल वोल्टेज करनी चाहिए ताकि किसानों को कुछ सहूलियत मिल सके और धान की रोपाई हो सके। इसी के साथ अजय सोनी ने कहा कि जल्द ही प्रदेश सरकार एवं जिला प्रशासन कौशांबी जनपद को सूखाग्रस्त घोषित नहीं करता तो सड़क पर उतर कर आंदोलन किया जाएगा और शासन प्रशासन के खिलाफ आवाज बुलंद की जाएगी इस अवसर पर कमलेश सिंह पटेल, गौरी शंकर पटेल, राम सुमेर मौर्य, धनराज सोनकर, भवानी सरोज, बंगाली सोनी, लालमन शर्मा आदि मौजूद रहे।

पंचायत के लिए किसान यूनियन ने अधिकारियों से मांगा सहयोग

कौशांबी। भारतीय किसान यूनियन भानु गुट की एक पंचायत चायल तहसील के पलहाना गांव के सरकारी स्कूल में 17 जुलाई को आयोजित होनी है किसानों की तमाम समस्याएं बिजली के बढ़े बिल की कटौती करवाना पात्रों को पेंशन मिलने में दिक्कत के समाधान पर चर्चा आवारा पशुओं की समस्या के समाधान पर चर्चा किसानों को समय से खाद बीज ना मिलना जैसे तमाम समस्याओं को लेकर किसान यूनियन की पंचायत आयोजित है इस पंचायत के लिए भानु गुट के जिला अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने एसडीएम चायल को पत्र देकर उनसे सहयोग की अपील की है सरकारी स्कूल में पंचायत के दौरान उन्होंने पुलिस की व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की है।

बेईमान विद्युत अधिकारी के स्थानांतरण पर नगर में दिखा जश्न का माहौल

भरवारी कौशाम्बी। बड़े बेआबुरु होकर तेरे कूचे से निकले हम 'बेशर्मी की सारी हदें पार कर देने वाली कार्यशैली से जाने जाने वाले विधुत विभाग के भरवारी के अधिकारी एसडीओ का स्थानांतरण होते ही नगर वासियों में जश्न का माहौल है इस बेईमान अफसर का जैसे ही ट्रांसफर होने की जानकारी नगर के लोगों को मिली है लोगों ने जश्न मनाया है पावर हाउस के एसडीओ का ट्रांसफर हो गया जो कि अपने पद का दुरुपयोग करते हुए दिन रात वसूली में मशगूल रहना गरीबो का उत्पीड़न करना इनकी कार्यशैली में शुमार था। बता दे कि जबसे इनको कार्य क्षेत्र भरवारी मिला तब तक तो यह काम करते थे और चुप्पी साधे रहते थे जब तक पूर्व विधायक संजय गुप्ता विधायक थे उसके बाद से आलम यह हुआ कि इनका एक ही सूत्रीय कार्यक्रम था उपभोक्ताओं का शोषण कर धन दोहन करधन अर्जित करना इनके तबादला की जानकारी उपभोक्ताओं को जैसे मिली लोगो ने घूस खोर ताना शाह अधिकारी के खिलाफ अपशब्दों की बौछार करते हुए भला बुरा कहना शुरू कर दिया' लोगो की माने तो इसके रहते लोगो को बिजली से कम तकलीफ हुआ करती थी अपितु इसके रहते हुए ज्यादा इनका कार्यकाल लात जूते व गाली गलौज से भरा हुआ बहुत ही शर्मनाक रहा इतना ही नही इनके जाने से विभाग के संविदा कर्मचारी जो दलालों की श्रेणी में आते है उन्हें भी खुशी हुई है क्योंकि उनका भी हिस्सा यह मार दिया करते थे। यहा तक कि जबसे नवागंतुक अवर अभियंता महिंदर वर्मा आये है वह भी अपने आपको कार्य करने में निसहाय व असुरक्षित महसूस किया करते थे अब वह भी खुले मन व दिमाग से कार्य करने में सक्षम होंगे सब मिलकर उपभोक्तओं में खुशी है कि फर्जी तरीके से लाइट कटवाना फिर घूसखोरी कर जुड़वाना का काम खत्म हुआ लोगो ने ऐसे बेईमान अधिकारी का तबादला हो जाने पर कहा है कि विभाग की और छवि धूमिल होने से बचा लिया और लोगो ने राहत की सांस ली।

संपादकीय

महंगाई ने बदला ट्रेंड

महंगाई की मार के साथ आम उपभोक्ताओं की मानसिकता में भी तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। बाजार के बदलते हालात ने आमलोगों को ब्राण्डेड के स्थान पर आम उत्पादों यानी लोकल उत्पादों की ओर प्रेरित किया है, तो अनावश्यक खर्चों में कटौती के लिए भी मजबूर किया है। एक्सिस माई इंडिया द्वारा हाल ही कराए गए कंज्यूमर सेंटिमेंट इंडेक्स सर्वे की नवीनतम रिपोर्ट में यह तथ्य उभरकर आया है। सभी तरह की उपभोक्ता वस्तुओं के दामों की बढ़ोतरी का असर सीधे बाजार में दिखाई देने लगा है। अब कोई भी वस्तु खरीदने से पहले आम आदमी दस बार सोचने लगा है और ब्रॉण्ड के साथ ही उसकी कीमत भी देखने लगा है। हालात यह है कि लग्जरियस वस्तुओं की खरीद को तो आम नागरिक कुछ समय के लिए टालने में ही भलाई समझने लगा है। बाजार के जानकारों की मानें तो देश में तेज गर्मी के बावजूद एसी सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की खरीद में 25 प्रतिशत तक की कमी दर्ज की गई है। संपन्न लोग भी मोबाइल हैण्डसेट बदलने की इच्छा टाल रहे हैं तो नामीगिरामी स्थान पर लोग स्थानीय उत्पादों को तरजीह देने लगे हैं। यही नहीं रोजमर्रा के खाने-पीने की वस्तुओं में भी अब लोकल का दबदबा होने लगा है। यह सब बाजार में बढ़ती कीमतों के कारण हो रहा है। दरअसल कोरोना दौर का असर अभी तक जारी है। पूरी तरह से मार्केट संभल भी नहीं पाया है तो रूस- यूक्रेन युद्ध ने कोढ़ में खाज का काम कर दिया है। पर्यावरण असंतुलन के चलते तेज गर्मी व प्राकृतिक आपदाओं से दुनिया के देश जूझ रहे हैं तो आतंकवादी या हिंसक घटनाओं से कई देशों को दो-चार होना पड़ रहा है। दुनिया के देशों में राजनीतिक अस्थिरता के कारण भी हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। दुनिया के देशों के सामने खाद्यान्न संकट मुंह बाये खड़ा है तो कच्चे तेल के बढ़ते भाव के कारण महंगाई दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। रूस- यूक्रेन युद्ध से अलग हट कर भी देखें तो इंग्लैण्ड, इजरायल और कुछ हद तक अमेरिका के राजनीतिक हालात अच्छे नहीं कहे जा सकते। श्रीलंका के हालात सामने आ चुके हैं। पाकिस्तान के हालात किसी से छिपे नहीं हैं तो अफगानिस्तान के हालात की सभी को जानकारी है। ऐसे में आर्थिक स्थित पटरी पर आने की बात बेमानी है। यदि पेट्रोल-डीजल के भावों को लेकर ही विश्लेषण किया जाए तो हम पाएंगे कि इनके बढ़ते दाम का असर पूरे बाजार पर तत्काल पड़ता है। क्योंकि वस्तुओं का परिवहन महंगा हो जाता है तो मूल्य में बढ़ोतरी स्वाभाविक है। यह कोई अकेला कारक नहीं है पर इसका अपना और महत्वपूर्ण असर देखा जा सकता है। देखा जाए तो लोगों की आय सीमित हो गई है। कोरोना का असर यह रहा है कि लोगों की नौकरियां छूटी तो नौकरी को बचाने के लिए कई समझौते करने पड़े। नियोक्ताओं ने कार्मिकों के वेतन भत्तों में तेजी से कटौती की। कोरोना के बाद भी कई क्षेत्र तो ऐसे हैं जिनके पटरी पर आने में लंबा समय लगना तय माना जा रहा है। पर्यटन उद्योग, होटल उद्योग अभी पूरी तरह से पटरी पर नहीं आ पाया है तो कृषि लागत में बढ़ोतरी और न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी से खाद्यान्न महंगे होते जा रहे हैं। चीन के कारण भी दुनिया के देशों की आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुई है। कोरोना के बाद से दुनिया के अधिकांश देशों की नजर में चीन विलेन के रूप में उभरा है।

नए भारत की नई पहचान

भारत को न्यू इंडिया में तब्दील करने की कोशिशें नए-नए रूपों में सामने आ रही हैं। अब ये कोशिश संसद भवन से होते हुए राष्ट्रीय चिह्न तक पहुंच चुकी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार, 11 जुलाई को सेंट्रल विस्टा के तहत बन रहे देश के नए संसद भवन की छत पर भारत के राष्ट्रीय चिह्न अशोक स्तंभ की प्रतिमा का अनावरण किया है। साढ़े 6 मीटर कांसे के बने अशोक स्तंभ का वजन 9500 किलो बताया जा रहा है। गौरतलब है कि 20 हजार करोड़ के सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट में नई संसद के साथ-साथ प्रधानमंत्री का नया आवास और उपराष्ट्रपति का आवास समेत कई बहुमंजिला इमारतें बन कर तैयार हो रही हैं।सरकार का लक्ष्य है कि इस साल के अंत तक ये परियोजना पूरी तरह से साकार हो जाए। इसलिए कोरोना के वक्त जब देश के पहिए थम गए थे, तब भी सेंट्रल विस्टा का काम जोर-शोर से चल रहा था। केंद्र सरकार ने इस परियोजना को आवश्यक सेवा के तहत रखा था और इसके लिए जरूरी तमाम तरह की मंजूरी दे दी गई थी। हालांकि विपक्ष ने तब इस का विरोध करते हुए कहा था कि जब देश में अर्थव्यवस्था पर पहले ही संकट आया है, तब एक अनावश्यक खर्चीला काम क्यों किया जा रहा है। कुछ लोगों ने इसके खिलाफ अदालत का दरवाजा भी खटखटाया था। लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। सेंट्रल विस्टा का काम निर्बाध चलता रहा। सरकार का कहना है कि पुराने संसद भवन में आग या भूकंप से बचाव के इंतजाम नहीं है, लोगों के बैठने की जगह भी कम है। सरकार का ये भी कहना है कि सारे मंत्रालय एक ही जगह होंगे तो सरकार के काम करने की क्षमता भी बढ़ जाएगी। ये सही है कि मौजूदा संसद भवन आधुनिक भवनों के समान नहीं है, लेकिन फिर भी उसका एक ऐतिहासिक और राजनैतिक महत्व है। यह भवन भारत के लोकतंत्र की ऐतिहासिक धरोहर है। यहां की वीथिकाओं में पं. नेहरू, डॉ. अम्बेडकर, सरदार पटेल, मौलाना आजाद, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, लाल बहादुर शास्त्री, जाकिर हुसैन, इंदिरा गांधी, डॉ. राम मनोहर लोहिया, मधु दंडवते, अटल बिहारी वाजपेयी, जैसे एक से बढ़कर एक कद्दावर नेताओं की पदचाप दर्ज है। एक मजबूत भारत के निर्माण के लिए किए गए सघन विमर्शों की गूंज यहां मौजूद है। अब नए संसद भवन में मौजूदा सरकार अतीत के इन तमाम चिह्नों से परे अपनी नई पहचान बनाने में जुटेगी, उसे नए भारत का निर्माण जो करना है। जहां तक सवाल सरकार के काम करने की क्षमता बढ़ाने का है, तो इस डिजीटल युग में सारी चीजें दूर-दूर होते हुए भी एक साथ लाई जा सकती हैं। दुनिया की कई बड़ी कंपनियां और संगठन केवल मुख्यालय में ही अपने सारे कार्यालयों को नहीं रखते। उनका काम सारी दुनिया में फैला होता है, फिर भी पूरी क्षमता और गुणवत्ता के साथ वे काम करते हैं।

महिलाओं में बढ़ रही है धूम्रपान की लत

-ललित गर्ग-

भारत के लिये यह बेहद चिन्ताजनक एवं दुखद स्थिति है कि बड़ी संख्या में नवयुवतियां एवं महिलाएं धूम्रपान के जाल में फंसती जा रही है। ताजा अध्ययन बताते हैं कि 20 प्रतिशत महिलाएं तंबाकू उत्पादों की गिरफ्त में फंस चुकी हैं। वे इस बात से बेखबर है कि धूम्रपान की लत उन्हें जीवनभर की परेशानी दे सकती हैं। जीवन बहुमूल्य है और हमें इस जीवन को खुल कर जीना चाहिए, इसका भरपूर आनंद उठाना चाहिए, लेकिन नशे में बर्बाद करना बुद्धिमानी नहीं है। कितना अच्छा होता कि जो महिलाएं आज तंबाकू का सेवन कर रही हैं और जीवन को धुएं में उड़ा रही हैं, वे अपनी सेहत, संस्कृति एवं परिवार पर इसके असर को समझती।

वैश्विक वयस्क तंबाकू सर्वेक्षण (गेट्स) के मुताबिक, देशभर में 20 प्रतिशत महिलाएं तंबाकू उत्पादों का शौक रखती हैं। 10 फीसदी लड़कियों ने खुद सिगरेट पीने की बात को स्वीकार किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट गेट्स के मुताबिक महिलाओं में तंबाकू के सेवन का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। यह जानते हुए कि तंबाकू और उससे बने उत्पाद जानलेवा हैं, बावजूद महिलाओं में इनका प्रचलन बढ़ रहा हैं। एक दौर था जब तंबाकू और सिगरेट का सेवन पुरुष अधिक मात्रा में करते थे, मगर आज महिलाएं भी ऐसे हानिकारक तंबाकू उत्पादों का प्रयोग भारी मात्रा में कर रही हैं, जिसका असर उनके स्वास्थ्य पर भी पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। इस बात के पुख्ता प्रमाण हैं। तंबाकू का सेवन करने वालों के जीन में भी आंशिक परिवर्तन होते हैं, इससे केवल उस महिला में ही नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों में भी कैंसर होने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। तंबाकू के खिलाफ जागरूकता अभियान चला रहे तमाम वैश्विक संगठनों के मुताबिक, अगर तंबाकू के सेवन पर नियंत्रण नहीं लाया गया तो दुनियाभर में तंबाकू से लोगों की मृत्यु का आंकड़ा और बढ़ेगा, जिसे रोक पाना मुश्किल होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन के हाल ही के तंबाकू एपिडेमिक के अंदाजे के मुताबिक तंबाकू से हर साल 8 मिलियन (80 लाख) लोगों की मृत्यु हो जाती है। 7 मिलियन मृत्यु का कारण सीधे रूप से तंबाकू का सेवन करना है और 1.2 मिलियन लोगों की मृत्यु इस धूम्रपान के संपर्क में आने से होती है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2020 में वैश्विक जनसंख्या का 20.3 प्रतिशत तंबाकू का प्रयोग करती है, 36.7 प्रतिशत इनमें से पुरुष हैं और 7.8 प्रतिशत महिलाएं हैं। दुनिया में तंबाकू इस्तेमाल की बढ़ती प्रवृत्ति का अध्ययन करने के लिए जेएएमए ने 187 देशों में व्यापक सर्वे किया। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल ने इस अध्ययन को प्रकाशित किया। अध्ययन में पाया गया कि भारत में धूम्रपान के मामले में महिलाओं ने पुरुषों को पीछे छोड़ रही है। विचारणीय एवं चिन्तनीय तथ्य है कि आखिर महिलाएं क्यों इस जहर की ओर आकर्षित हो रही हैं। दरअसल, सीधे और अप्रत्यक्ष विज्ञापनों के जरिए उन्हें लुभाया जा रहा है। भारत ने तंबाकू से लड़ने के लिए सख्त कानून तो बनाया है, लेकिन कुछ कमियां इसमें छूट गई हैं। कंपनियां उन्हीं छोटी-छोटी कमियों का फायदा उठा कर महिलाओं को ग्राहक बना रही हैं। भारत में 2003 से ही तंबाकू नियंत्रण का कानून कॉटपा (सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम) लागू है, जो तंबाकू उत्पादों के प्रचार और विज्ञापन पर रोक लगाता है। तम्बाकू उत्पाद कंपनियां इस कानून की कमियों का फायदा उठा कर दुकानों पर तंबाकू उत्पादों का धड़ल्ले से प्रचार करती हैं। साथ ही महिलाओं को आकर्षित करने के लिए दुकानों पर टॉफी-चॉकलेट आदि के बीच तंबाकू उत्पादों को सजा कर रखा जाता है।

अभी तंबाकू नियंत्रण कानून में एक कमी यह भी है कि एयरपोर्ट, होटल और ऐसे कई सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने के लिए विशेष जगह मुहैया करा दी जाती है, जबकि हमें सार्वजनिक स्थलों को पूरी तरह तंबाकू-मुक्त बनाना है। तंबाकू उत्पादों का सेवन घटाने के लिहाज से यह बहुत प्रभावी कदम होगा। सार्वजनिक जगहों पर धूम्रपान के लिए जो स्मोकिंग जोन बनाए जाते हैं, वे दरअसल तंबाकू सेवन को बढ़ावा देने का जरिया हैं। पिछले कुछ वर्षों से वैपिंग और ई-सिगरेट का खतरा युवापीढ़ी एवं महिलाओं के लिए काफी तेजी से बढ़ा था। इसे भांपते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सही समय पर ई-सिगरेट को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया। यह एक स्वागतयोग्य कदम है।

धूम्रपान से अनेक जानलेवा बीमारियां होती हैं तंबाकू में बहुत से टॉक्सिक और कैंसर पैदा करने वाले तत्व जैसे निकोटिन, टार, कार्बन मोनोऑक्साइड आदि हैं। धूम्रपान करने के शॉर्ट टर्म प्रभाव में गले में इरिटेशन होना, अस्थमा, छाती से सीटी बजने की आवाज आना और बहुत सारी ओरल और दांतों से जुड़ी समस्याओं का शामिल होना है। इसके लंबे समय तक देखे जाने वाले प्रभावों में मृत्यु और मृत्यु से जुड़ी काफी गंभीर स्थिति शामिल हैं, जिसमें कई प्रकार की कैंसर होना, रेस्पिरेटरी डिसऑर्डर, देखने से जुड़ी समस्याएं और जीवन की अवधि कम होना जुड़े हुए हैं। दिल से जुड़ी बीमारियों का कारण भी धूम्रपान है। नशे की अंधी गलियों में भटक चुकी नवयुवतियों एवं महिलाओं को उससे बाहर निकालना केन्द्र सरकार एवं प्रान्तीय सरकारों का नैतिक एवं प्राथमिक कर्तव्य हो, क्योंकि महिलाएं एवं बालिकाएं के नशे की गुलाम होने से समूची पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना दूषित हो जायेगी। आज हर तीसरा व्यक्ति विशेषतः महिलाएं किसी-न-किसी रूप में तम्बाकू की आदी हो चुकी है। बीड़ी-सिगरेट के अलावा तम्बाकू के छोटे-छोटे पाउचों से लेकर तेज मादक पदार्थों, औषधियों तक की सहज उपलब्धता इस आदत को बढ़ाने का प्रमुख कारण है। इस दीवानगी को ओढ़ने के लिए प्रचार माध्यमों एवं बदलते सामाजिक स्टेट्स ने भी भटकाया है। सरकार की नीतियां भी दोगली है। एक नशेड़ी महिला पीढ़ी का देश कैसे आदर्श हो सकता है? कैसे स्वस्थ हो सकता है? कैसे प्रगतिशील हो सकता है? यह समस्या केवल भारत की ही नहीं है, बल्कि समूची दुनिया इससे पीड़ित, परेशान एवं विनाश के कगार पर खड़ी है। आज कम उम्र की बालिकाएं एवं महिलाएं ऐसे नशे करती हैं कि रुह कांपती है। वे नशे के कारण अपना जीवन दांव पर लगा रही हैं। नशा आज एक फैशन बन चुका है। नशे की संस्कृति महिलाओं को गुमराह कर रही है। नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण हम एक स्वस्थ नहीं, बल्कि बीमार राष्ट्र, समाज एवं परिवार का ही निर्माण कर रहे हैं। जीवन का माप सफलता नहीं, सार्थकता होती है। सफलता तो गलत तरीकों से भी प्राप्त की जा सकती है। महिलाओं को मिल रही आजादी का यदि वे नशे में इस्तेमाल करेंगी तो उनकी आजादी के मायने ही धुंधला जायेंगे। डब्ल्यूएचओ ने पनामा में एक सम्मेलन में अपनी रिपोर्ट में बताया है कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो वर्ष 2030 में प्रति वर्ष धूम्रपान की वजह से मारे जाने लोगों की संख्या बढ़कर 80 लाख हो जाएगी। मतलब साफ है कि आने वाले समय में इनमें से सबसे ज्यादा नुकसान भारत को ही होने जा रहा है। सिगरेट या बीड़ी का धुआं किसी मजहब और प्रांत को नहीं पहचानता, किसी आरक्षण या राजनीतिक झुकावों को नहीं जानता। वह किसी अमीर और गरीब में भी भेद नहीं करता, उसका सबके लिए एक ही मेसेज है, और वह है मौत। किन्तु दुर्भाग्यवश इस गलत आदत को स्टेटस सिंबल मानकर अक्सर नवयुवक एवं महिलाएं अपनाते हैं और दूसरों के सामने दिखाते हुए स्वयं को तथाकथित आधुनिक होने का सबूत देते हैं। धूम्रपान दरअसल एक लत है जिससे जब तक व्यक्ति दूर रहता है तब तक तो वह ठीक रहता है लेकिन एक बार यदि इसे प्रारम्भ कर दिया जाए तो इंसान को इस नशे में मजा आने लगता है। कुछ कहने-सुनने से पहले यह जान लें की धूम्रपान हर दृष्टि से हानिकारक है, जानलेवा है। धूम्रपान से रक्तचाप में वृद्धि होती है, रक्तवाहिनियों में रक्त का थक्का बन जाता है।

> दिल से जुड़ी बीमारियों का कारण भी धूम्रपान है। नशे की अंधी गलियों में भटक चुकी नवयुवतियों एवं महिलाओं को उससे बाहर निकालना केन्द्र सरकार एवं प्रान्तीय सरकारों का नैतिक एवं प्राथमिक कर्तव्य हो, क्योंकि महिलाएं एवं बालिकाएं के नशे की गुलाम होने से समूची पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना दूषित हो जायेगी

तकनीकी प्रगति का परिणाम: साइबर अपराध

सुनील कुमार महला

विज्ञान और तकनीक के इस युग ने मानव को अनेक प्रकार की सुविधाएं प्रदान की हैं तो इसके साथ ही अनेक प्रकार की समस्याओं, परेशानियों, अपराधों का भी जन्म हुआ है। आजकल देश में साइबर अपराध बहुत हो रहे हैं। ऐसा कोई दिन नहीं गुजरता, जिस दिन कोई न कोई साइबर अपराध न हों। कम्प्यूटर, इंटरनेट, एंड्रॉयड मोबाइल के इस युग में साइबर अपराध जैसे आम हो गये हैं। वास्तव में, साइबर अपराध एक आपराधिक कृत्य है जो इंटरनेट के माध्यम से कंप्यूटर के उपकरण या किसी अन्य स्मार्ट उपकरणों यथा एंड्रॉयड मोबाइल के रूप में इस्तेमाल करते हुए इस काम को अंजाम दिया जाता हैं। हैकर या अपराधियों के पास इस अपराध को करने के पीछे विभिन्न उद्देश्य होते हैं। वे किसी व्यक्ति, किसी संगठन या सरकार को भी नुकसान पहुंचाने, अपने लाभ,अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए ऐसा कर सकते हैं। आज के आधुनिक युग में ऐसे लोग विरले ही होंगे जिनके पास मोबाइल फोन,कम्प्यूटर और इंटरनेट कनेक्शन नहीं है और जिन लोगों के पास ये सुविधाएं मौजूद हैं, उनमें से बहुत कम ऐसे लोग होंगे जिन तक पहुंचने की कोशिश साइबर अपराधियों ने न की हो। वास्तव में, साइबर अपराध तकनीकी प्रगति का परिणाम है ।इसके माध्यम से, डेटा और जानकारी का अवैध हस्तांतरण किया जाता है, जो किसी व्यक्ति या समूह के लिए गोपनीय और बहुमूल्य हो सकता है ।साइबर अपराध, साइबर अपराधियों द्वारा किया जाने वाला दंडनीय अपराध है। ये हमारे समाज, हमारे देश,हम सभी के लिए बड़ा खतरा है। साइबर अपराध के कई उदाहरणों में धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, साइबर स्टॉकिंग, सिस्टम को नष्ट करने के लिए वायरस जैसे मैलवेयर बनाना या भेजना या फिर पैसे कमाने के लिए डेटा चोरी करना, आदि शामिल हैं। ऐसी गतिविधियों में शामिल लोग उन्हें पैसे कमाने का एक आसान तरीका मानते हैं। यहाँ तक कि बहुत से पढ़े-लिखे और ज्ञान से परिपूर्ण व्यक्ति भी इस तरह की गतिविधियों में शामिल होते हैं। अपने दिमाग को सकारात्मक तरीके से इस्तेमाल करने के बजाय वे साइबर अपराधिक गतिविधियों में खुद को नियुक्त करते हैं। दिन-प्रतिदिन यह हमारे समाज और राष्ट्र के लिए एक बड़ा खतरा बनते जा रहा है। विगत करीब आठ दस सालों में अपराधों की दुनिया में साइबर अपराधों की एक नई दुनिया खड़ी हो गई है। दुनिया की बात तो अलग, अकेले भारत में ही रोजाना हजारों लोग साइबर ठगी का शिकार हो रहे हैं। बहरहाल, हम यह कह सकते हैं कि साइबर अपराध वर्तमान परिदृश्य में, इंटरनेट के माध्यम से किया जाने वाला सबसे प्रचलित अपराध बन चुका है। साइबर अपराध हमें गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए इस तरह के अपराधों से बचने के लिए हमें कुछ उपाय करने चाहिए। सतर्कतापूर्ण व्यवहार और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन आवश्यक है। इससे साइबर अपराध की घटनाओं पर कुछ हद तक काबू पाया जा सकता है ।निस्संदेह मोबाइल फोन एक बहुपयोगी साधन के रूप में आज हर हाथ में है, पर इसे लेकर थोड़ी-सी भी असावधानी हमें खतरे में डाल देती है। बहुत बार हम ऐसे एप डाऊनलोड कर लेते हैं जिनसे हमारी गोपनियता का खतरा हमेशा बना रहता है। किसी के फोन पर एक संदेश आता है या घंटी बजती है, लिखित या मौखिक संवाद शुरू होता है और फिर पता चलता है कि उसके बैंक खाते से पैसे निकल गए। हम साइबर अपराध करने वालों की लुभावनी बातों में आ जाते हैं और बहुत बार ओटीपी बता बैठते हैं और हमारा अकाउंट फटाक से खाली हो जाता है। इंटरनेट का प्रयोग करते वक्त भी हमारे साथ साइबर धोखाधड़ी की घटनाएं घट जाती हैं। हमारे पर्सनल लैपटॉप, कम्प्यूटर पर भी ऐसी घटनाएं घटित हो जाती है और जब तक हमें धोखाधड़ी का पता चलता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। आज देश-दुनिया में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों ने सबकी नींद उड़ा दी है। आज आर्थिक साइबर अपराध बहुत हो रहे हैं। हैकर, अपराधी दुनिया के किसी भी कोने से आर्थिक साइबर ठगी को अंजाम दे रहे हैं। ठगी के विभिन्न तरीकों में से एक या अधिक को बार-बार अलग-अलग लोगों पर आजमाया जा सकता है। कुछ कोशिशें नाकाम होती हैं तो कुछ में अपराधी निर्दोष लोगों का पैसा हड़पने में कामयाब भी हो जाते हैं। आजकल कैशलेस का जमाना है। पैसे का इलैक्ट्रोनिक ट्रांसफर किया जाता है। लोग मोबाइल वालेट का बढ़-चढ़ कर उपयोग कर रहे हैं। इन सबसे आम लोगों के लिए खरीद-फरोख्त करना, पैसा भेजना और मंगाना आसान हुआ है। लेकिन इसके साथ ही साइबर ठगों की भी मौज हो गई है। आज साइबर अपराधी को पकड़ना आसान नहीं है, क्योंकि साइबर अपराधी न जाने कहाँ पर बैठकर साइबर क्राइम को अंजाम दे रहा होता है। वास्तव में साइबर अपराधियों से निपटने के लिए हमारा तंत्र दुरुस्त नहीं है। यह लेखक अखबार में एक आर्टिकल पढ़ रहा था जिसमें लिखा था कि "बैंक ग्राहकों को साइबर धोखाधड़ी से बचाने के मकसद से ही बैंकों ने ह्यअपने ग्राहक को जाननेह्न की कवायद शुरू की थी जो केवाईसी के नाम से प्रचलित है। केवाईसी बैंकों और उनके ग्राहकों दोनों के भले के लिए है। पर साइबर ठगों ने यहां भी तोड़ निकाल लिया और केवाईसी अद्यतन करने को ठगी का जरिया बना लिया। बैंक का प्रतिनिधि बन कर ये ठग लोगों को फोन कर बताते हैं कि केवाईसी अद्यतन नहीं होने के कारण उनका खाता अथवा कार्ड बंद होने जा रहा है, ग्राहक की मन:स्थिति को भांपते हुए ये खाते अथवा कार्ड का ब्योरा लेकर उसका पैसा उड़ा लेते हैं। अब तो फेसबुक के जरिए भी आर्थिक साइबर धोखाधड़ी जोरों पर है। यहां प्रोफाइल चुन कर लोगों को दोस्ती या शादी के प्रस्ताव भेजे जाते हैं।" यदि हम अपने देश में साइबर अपराधों की बात करें तो हम पायेंगे कि वर्ष 2022 के पहले दो महीनों में 2,12,285 मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि इसकी तुलना में साल 2018 में 2,8,456 साल 2019 में 3,94,499 घटनाएं 2020 में 11,58,208 और 2021 में 14,2,809 घटनाएं दर्ज की गयी हैं। ये आंकड़े बताते हैं इन तीन वर्षों में साइबर क्राइम के मामले लगभग 7 गुना और कोविड काल के दौरान अधिक तेजी से बढ़े हैं। जानकारी देता चलूं कि एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में भारत ऐसा देश हैं जहां सबसे अधिक साइबर अपराध के मामलों सामने आए हैं ।सीईआरटी-इन (इंडियन कम्प्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम) के आंकड़ों के अनुसार 2022 में भारत में सबसे अधिक साइबर क्राइम के मामले दर्ज किए गए हैं। जानकारी देता चलूं कि सीईआरटी साइबर सुरक्षा हमलों से निपटने के लिए केन्द्र सरकार की एक नोडल एजेंसी है, जो सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत काम करती है। 2022 के पहले दो महीनों में 2,12,285 मामले दर्ज किए गए हैं। बताया जा रहा है कि भारत में आनलाइन धोखाधड़ी के मामले ज्यादा सामने आते हैं। सीईआरटी से अलग एनसीआरबी के आंकड़े अलग ही कहानी बयां करते हैं। साल 2019 में अपराध दर 3 .3 से बढ़कर 2020 में 3 .7 हो गयी। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2020 में अधिकतर केस धोखाधड़ी के मकसद से दर्ज किए गए 2020 में 60 .2 प्रतिशत मामले तकरीबन (50,035 मामलों में से 30,142) दर्ज किए गए। जबकि 6.6 प्रतिशत (3,293) मामले यौन शोषण के पाए गए। इसके अलावा 4.9 प्रतिशत (2,440) केस जबरन वसूली के जारी किए गए थे। आंकड़ों के मुताबिक साल 2020 में ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी के 4047 मामले, ओटीपी जालसाजी के 1093 केस, डेबिट क्रेडिट कार्ड से ठगी की 1194 घटनाऐं, और एटीएम से सम्बन्धित 2160 मामले दर्ज किए गए। रिपोर्ट में बताया गया कि सोशल मीड़िया पर फर्जी सूचना के 578 केस, ऑनलाइन परेशान करने या महिलाओं और बच्चों को साइबर धमकी से जुड़े 972 मामले, जबकि फर्जी प्रोफाइल के 149 और आंकड़ों की चोरी के 98 मामले जारी किए गए हैं। वास्तव में साइबर अपराध का एक बड़ा कारण भरोसा व विश्वास है।

शिक्षा पद्धति को राजनीति से दूर रखा जाए

ब्रह्मांड के रहस्यों ने इंसान को हमेशा अपनी ओर आकर्षित किया है। ट्विंकल-ट्विंकल लिटिल स्टार, हाऊ आई वंडर व्हॉट यू आर, केवल एक बाल कविता नहीं है, यह उस जिज्ञासा की पहचान है जो आदिकाल से मनुष्य के मन में रही है। अब ये पता है कि सितारे हमें छोटे क्यों नजर आते हैं, उनमें चमक क्यों है, तारे टूटने का मतलब क्या है, लेकिन जिज्ञासाएं यहीं खत्म नहीं हो जाती हैं। जब सितारे बने थे, तो किस तरह दिखते थे, लाखों-करोड़ों बरसों में उनके रूप, रंग, आकार में क्या बदलाव हुआ है, इस ब्रह्मांड में चमचमाती आकाशगंगाओं के अलावा भी क्या कुछ और चमकता है, हमारी पृथ्वी के अलावा और किस ग्रह में जीवन संभव हो पाएगा, ऐसे ढेरों सवाल अब भी मानव मस्तिष्क को मथ रहे हैं। जब आने वाले बरसों में इनके सवाल मिल जाएंगे, तो कुछ और नए सवाल खड़े हो जाएंगे। हरि की तरह ब्रह्मांड भी तो अनंत ही है, फिर इंसान के सवालों का अंत क्यों हो। 25 अप्रैल,1990 को अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अंतरिक्ष में भेजा था, जिसकी खींची तस्वीरों से कई सवालों को सुलझाने में मदद मिली। हबल के बाद ही जेम्स वेब नाम के दूसरे टेलीस्कोप को तैयार करना नासा ने शुरू कर दिया था। 10 अरब डॉलर की लागत से तैयार इस टेलीस्कोप को पिछले साल दिसंबर में अंतरिक्ष में भेजा गया। ये टेलीस्कोप इतना शक्तिशाली बनाया गया कि अंतरिक्ष की बारीकियों को यह अपने लैंस से पकड़ सकता है। इस टेलीस्कोप को दो खास मकसद से तैयार किया गया। पहला ब्रह्मांड में 13.5 अरब साल से भी पहले से चमकने वाले सबसे पहले सितारों की तस्वीरें लेना और दूसरा ऐसे ग्रहों की तलाश करना है, जहां जीवन की उम्मीद हो। दो दिन पहले अपने पहले लक्ष्य की दिशा में एक बड़ी सफलता जेम्स वेब टेलीस्कोप को मिली। इस टेलीस्कोप ने ब्रह्मांड की चमचमाती हुई रंगीन तस्वीरें धरती पर भेजीं। इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि 13.8 अरब साल पहले सितारे किस तरह थे, गहन-घुप्प अंधकार के बीच अलग-अलग आकार की आकाशगंगाएं चमक बिखेर रही हैं। ऐसा लग रहा है मानो प्रकृति की आतिशबाजी को किसी ने कैमरे में कैद किया है। इस टेलीस्कोप ने डब्ल्यूएएसपी-96 बी नाम के वातावरण का विश्लेषण किया है, जो पृथ्वी से 1,000 प्रकाश वर्ष से अधिक की दूरी पर स्थित एक विशाल ग्रह है। ये हमें वहां के वातावरण के बारे में बताएगा। ग्रह पर जिंदगी बनाए रखने के लिए डब्ल्यूएएसपी-96 बी अपने मूल तारे के काफी करीब परिक्रमा करता है। लेकिन नासा के वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि वेब एक ऐसे ग्रह की खोज कर सकता है जिसकी हवा में गैसें हैं। ये धरती के बाहर मौजूद गैसों के समान हैं, जो जीवन की उम्मीद के संकेत दे सकता है। नासा को जब ये तस्वीरें जेम्स वेब टेलीस्कोप से प्राप्त हुईं तो वहां उनका दीदार करने के लिए वैज्ञानिकों के साथ, वैज्ञानिकों जैसी वेषभूषा में राष्ट्रपति बाइडेन नहीं बैठे हुए थे। बल्कि उन्हें व्हाइट हाउस में एक ब्रीफिंग के दौरान मंगलवार को ये तस्वीर दिखाई गईं। जिसके बाद राष्ट्रपति ने कहा, 'ये तस्वीरें पूरी दुनिया को ये संदेश देने वाली हैं कि अमेरिका बड़े काम कर सकता है। और अमेरिकी लोगों में-खासकर हमारे बच्चों में ये विश्वास भरने वाला है कि ऐसी कोई चीज नहीं जो हमारी सीमा से बाहर हो।'

भारत में जब बहुत से लोग गुरु पूर्णिमा मनाने की तैयारी में लगे हुए थे। उसके धार्मिक और राजनैतिक पहलुओं को अपने फायदे के लिए भुनाने में लगे हुए थे, तब ये गुरु ज्ञान जैसी बात अमेरिकी राष्ट्रपति से सुनने मिली। बच्चों को रटी-रटाई बातें परीक्षा में लिखने की जबरदस्ती करने की जगह अगर उनकी जिज्ञासा के भाव को पनपने और बढ़ने का मौका दिया जाए, तो शायद उनमें भी ये भरोसा जागेगा कि ऐसी कोई चीज नहीं जो उनकी सीमा से बाहर हो। नयी शिक्षा नीति का राजनैतिक ढोल पीटने की जगह अगर शिक्षा पद्धति को राजनीति से दूर रखा जाए, अफसरी रौब से शिक्षकों को बचाया जाए, तो इस देश के नौनिहालों को ज्ञान का असल स्वाद चखने मिल सकता है। अभी तीन दिन पहले बिहार के लखीसराय के एक सरकारी स्कूल में निरीक्षण का वीडियो काफी वायरल हुआ, जिसमें जिलाधिकारी ने स्कूल प्रधानाचार्य को तमाम शिक्षकों और विद्यार्थियों के सामने महज इसलिए बुरी तरह फटकारा, क्योंकि वे सफेद कुर्ता-पायजामा में थे।

हँसी तो फंसी

डॉ. सुरेश कुमार

एक दिन व्यंग्य और हँसी किसी साहित्यिक गोष्ठी में मिल गए। दोनों ने एक-दूसरे का हाल-चाल पूछा और साहित्यिक गलियारों से होते हुए स्वयं के मुद्दे पर केंद्रीत हो गए। बड़े-बड़े समाचार पत्र-पत्रिकाओं से खुद के गायब होने की पीड़ा को व्यक्त करते हुए व्यंग्य फफक-फफक कर रो पड़ा। हँसी ने धीरज बंधाते हुए उसे अपना रुमाल थमा दिया। जैसे-तैसे व्यंग्य शांत हुआ। हँसी से व्यंग्य की पीड़ा देखी नहीं गई। उसने एक बिजनेस डील की। दोनों अपने-अपने कार्यक्रम में एक-दूसरे को ले जाने और कमाई का आधा-आधा बाँट लेने के समझौते के साथ गोष्ठी से घर की ओर लौट पड़े। अगले दिन एक्सवाईजेड पाठक सम्मेलन ने हँसी को न्यौता दिया। समझौते के अनुसार हँसी व्यंग्य को अपने साथ ले गयी। वहाँ हँसी ने अध्यक्षता की और फूहड़-फूहड़ चुटकुले सुनाए। बीच-बीच में लटके-झटके भी दिखाए। पाठक व्यंग्य को समझने के लिए तैयार नहीं थे। वह बेबस चुपचाप कोने में बैठा रहा। यह देख हँसी ने व्यंग्य को इशारा किया। वह अपनी रचना सुनाने लगा। पेट पकड़कर हँसने वाले लोग गंभीर होकर दर्शनवादी बन गए। वैसे भी नासमझी वाली बातें चेहरे पर दर्शन उकेरने का काम करती हैं। धीरे-धीरे हँसी और व्यंग्य एक-दूसरे के करीब आ गए। इतने करीब कि यह पहचानना कठिन हो गया था कि हँसी में व्यंग्य है या फिर व्यंग्य में हँसी। दोनों का अर्द्धनारीश्वर प्रेम अब ऊफान पर था। -हँसी कायनेटिक ऊर्जा और व्यंग्य पोटेंशियल ऊर्जा के साथ श्रोता और पाठक को स्थिर रखने का प्रयास करते। उनके कार्यक्रमों में ऐसी ग्रिड बन जाती, जिसमें हँसी और व्यंग्य जेनरेटर्स की तरह ऊर्जा का योगदान करते और उपभोक्ता बगैर ट्रिपिंग के ऊर्जा ग्रहण करते। कहते हैं पेट प्यार से नहीं पैसे से चलता है। साल के अंत में जब बैलेंस शीट बनी तो पता लगा कि हाई-फाई लाइफ के लिये हँसी के सिग्नेचर्स से इतना ज्यादा ड्राल हुए हैं कि लाभ के लिये धन ही नहीं बचा।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर रामदास का निधन, केरल रणजी क्रिकेट टीम के रह चुके हैं कप्तान

तिरूवनंतपुरम। केरल रणजी क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान ओ के रामदास का बुधवार को यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 74 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी और बेटा है। केरल क्रिकेट संघ के एक अधिकारी ने बताया कि किसी बीमारी के इलाज के दौरान उनका निधन हुआ। रामदास ने केरल के लिए 1968-69 और 1980-81 के बीच 35 रणजी मैच खेलकर 1647 रन बनाए। उन्होंने श्रीलंका (पूर्व में सिलोन) के खिलाफ भी एक मैच केरल मुख्यमंत्री एकादश के लिए खेला था। वह 1998-99 और 2002-03 के बीच बीसीसीआई मैच रैफरी भी रहे।

भारत और ऑस्ट्रेलिया अब से खेलेंगे 5 टेस्ट मैचों की सीरीज : रिपोर्ट

नई दिल्ली। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का शैड्यूल 2024 में बदल जाएगा। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2023 में खत्म होगी। इसके बाद अगले चक्र के लिए भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें 5 टेस्ट खेलेंगी। पहले इन टेस्ट की संख्या 4 थी। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अगले साल फरवरी-मार्च में भारत का दौरा करना है। यह घरेलू सीरीज 4 टेस्ट

मैचों की होगी। अभी ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड नियमित रूप से एशेज ट्रॉफी में पांच टेस्ट खेलते हैं। भारत भी इंग्लैंड के साथ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज पर खेल रहा है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ ने कहा कि मुझे लगता है कि यह एक शानदार पहल है क्योंकि यह ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए एशेज श्रृंखला के सबसे करीबी मुकाबला है। बर्मिंघम में आगामी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के वार्षिक सम्मेलन में इसे मंजूरी मिलने की उम्मीद है। समझा जाता है कि संशोधित सीरीज 2024 के अंत में होगी।

भारत पहले भी खेल चुका 5 टेस्ट मैचों की सीरीज

यह पहली बार नहीं होगा जब दोनों देश 5 टेस्ट में शामिल होंगे। भारत ने 3 बार 5 टेस्ट की सीरीज खेली है। आखिरी बार 1991-92 में इसका आयोजन हुआ था तब ऑस्ट्रेलिया ने 4-0 से सीरीज जीती थी। 1959 और 1969 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया की पांच मैचों की मेजबानी की थी जबकि 1979-80 श्रृंखला तो 6 टेस्ट के लिए चली गई थी। फिलहाल भारत के पास बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी है। टीम ने 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया में बड़ी जीत हासिल की थी।

2023 में होने वाले 4 टेस्ट मैचों की घरेलू श्रृंखला मौजूदा डब्ल्यूटीसी का हिस्सा है। दोनों टीमों के लिए फाइनल में पहुंचने के लिए इस सीरीज को एकतरफा जीतना बेहद जरूरी है। इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम सितंबर-अक्टूबर में 3 वनडे और 3 ही टी-20 खेलने के लिए भारत आएगी। लेकिन अक्टूबर में होने वाले टी-20 विश्व कप के बाद इस पर अंतिम फैसला लिया जाएगा कि टीमें एकदिवसीय मैच खेलेंगी या नहीं।

स्विच हिट लगाने से चूकने पर पगबाधा पर गौर करना चाहिए : अश्विन

मुंबई। भारत के स्टार आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि अगर बल्लेबाज स्विच हिट लगाने के प्रयास में चूक जाता है तो गेंद के लेग साइड के बाहर टप्पा खाने के बावजूद उसे पगबाधा आउट दिए जाने पर विचार किया जाना चाहिए। स्विच हिट में दाएं हाथ का बल्लेबाज अचानक बाएं और बाएं हाथ का बल्लेबाज का अचानक दाएं हाथ का बल्लेबाज बनकर शॉट खेलता है। मौजूदा नियमों के अनुसार अगर गेंद लेग स्टंप के बाहर टप्पा खाई है तो इसके विकेटों पर लगने की पूरी संभावना होने के बावजूद बल्लेबाज को पगबाधा आउट नहीं दिया जा सकता।

लगातार तीसरे टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं पीवी सिंधु, प्रणय ने वर्ल्ड नंबर-4 को हराया

सिंगापुर। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता शटलर पीवी सिंधु सिंगापुर ओपन सुपर 500 बैडमिंटन सीरीज के महिला सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। गुरुवार को प्री-क्वार्टर फाइनल राउंड में तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने वियेतनाम की वर्ल्ड नंबर-59 थुई लिन गुयेन को मुश्किल मैच में तीन गेम तक चले मुकाबले में 19-21, 21-19, 21-18 से हराया। वहीं, एचएस प्रणय भी अंतिम आठ में जगह बनाने में कामयाब रहे।

सिंधु को वियेतनाम की गुयेन ने कड़ी चुनौती दी और पहला गेम 21-19 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे और तीसरे गेम में भी दोनों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। गुयेन हार मानने को तैयार नहीं थीं। हालांकि, आखिरी कुछ क्षणों में सिंधु ने बेहतर खेल दिखाते हुए दोनों गेम

और मैच अपने नाम किया। क्वार्टर फाइनल में सिंधु का सामना चीन की हान युवेय से होगा।

वहीं, पुरुषों में सिंगल्स में वर्ल्ड नंबर-19 प्रणय ने वर्ल्ड नंबर चार और तीसरी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के चोऊ तियेन चेन को तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में 14-21, 22-20, 21-18 से हरा दिया। यह मुकाबले एक घंटे और नौ मिनट तक चला। यह प्रणय की चोऊ तियेन पर पिछले तीन हफ्तों में दूसरी जीत रही। क्वार्टर फाइनल में 29 साल के प्रणय का सामना जापान के कोदई नाराओका से होगा।

मेन्स सिंगल्स के पिछले राउंड में किदांबी श्रीकांत को अपने प्रदर्शन से चौंकाने वाले मिथुन मंजूनाथ का सफर सिंगापुर ओपन में समाप्त हो गया। उन्हें आयरलैंड के नहात गुयेन ने कड़े मुकाबले में 10-21, 21-18, 16-21 से हरा दिया। वहीं, महिला सिंगल्स में थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफन को चौंकाने वाली भारत की अष्मिता चालीहा भी अगले राउंड में नहीं पहुंच सकीं। उन्हें चीन की हान युवेय ने 9-21, 13-21 से हरा दिया।

आज भारत की दिग्गज शटलर और दो बार कॉमनवेल्थ गेम्स गोल्ड मेडलिस्ट साइना नेहवाल भी प्री-क्वार्टर फाइनल में भिड़ेंगी। वहीं, मेन्स डबल्स में एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की जोड़ी भी चुनौती पेश करेगी।

अच्छी बात हमें हार मिली, यह आगे बढने के लिए प्रेरित करेगी : मोईन अली

लंदन । हरफनमौला मोईन अली का मानना है कि टी20 और पहले वनडे में भारत से मिली हार इंग्लैंड के भविष्य के लिए अच्छी है क्योंकि कई बार हार से अधिक सबक सीखने को मिलता है। भारत के हाथों पहले वनडे में 10 विकेट से मिली हार के बाद मोईन ने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है। इससे पहले टी-20 श्रृंखला भारत ने 2-1 से जीती थी। मोईन ने कहा कि हम कुछ मैच हार गए जो हमारे लिए अच्छा है। आस्ट्रेलिया में अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उम्मीद है कि हम जीत की राह पर लौटेंगे। इसके यह मायने नहीं है कि हम अभी जीतना नहीं चाहते। उन्होंने कहा कि कई बार हारना भी अच्छा होता है क्योंकि उससे सबक सीखने को मिलता है। नए कप्तान जोस बटलर के साथ इंग्लैंड की यह पहली श्रृंखला थी। मोईन ने कहा कि वह ठीक है और टीम भी ठीक होगी। कुछ बदलने या घबराने की जरूरत नहीं है। टीम में कई सीनियर खिलाड़ी हैं और हमें बस एक ईकाई के रूप में अच्छे प्रदर्शन की जरूरत है। हम विश्व कप जीत चुके हैं। हमारे पास कई खिलाड़ी हैं जिनकी वापसी से टीम मजबूत होगी।

भारत को मिला नया स्पिनर, काउंटी क्रिकेट में गेंदबाजी करते नजर आए पुजारा

नई दिल्ली। चेतेश्वर पुजारा ने अप्रैल-मई में ससेक्स के साथ अच्छा समय बिताया। उन्होंने ससेक्स के लिए दो दोहरे शतक और दो शतक बनाए और इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें पुनर्निर्धारित टेस्ट मैच के लिए भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी की। अब यह अनुभवी बल्लेबाज फिर से ससेक्स टीम में शामिल हो गया है और वर्तमान में लीसेस्टरशायर के खिलाफ काउंटी चैम्पियनशिप डिवीजन टू में खेल रहा है। हालांकि बुधवार को पुजारा बल्लेबाजी नहीं बल्कि गेंदबाजी करते नजर आए।

तीसरे दिन के खेल में उन्होंने एक ओवर फेंका और आठ रन दिए। उन्हें लीसेस्टरशायर के वियान मुलडर ने उन्हें चौका लगाया। इससे पहले पुजारा ने टेस्ट क्रिकेट में भी एक ओवर फेंका था। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पुजारा ने 21 पारियों में छह विकेट लिए हैं। ससेक्स के साथ पुजारा के पहले कार्यकाल से पहले उन्होंने सौराष्ट्र के लिए तीन रणजी मैच खेले और 41 बार की चैंपियन मुंबई के खिलाफ पहले मैच में 91 रन बनाए।

पुजारा ने एक वीडियो में कहा, यह अधिक से अधिक प्रथम श्रेणी में खेलने के बारे में है और मेरे लिए मुझे लगता है कि अनुभव बहुत महत्वपूर्ण था। जब आप फॉर्म में वापस आना चाहते हैं, जब आप अपनी लय खोजना चाहते हैं, जब आप अपनी

एकाग्रता खोजना चाहते हैं, तो यह है। जब मैं ससेक्स के लिए खेल रहा था, एक बार जब मैंने डर्बी के खिलाफ पहली बड़ी पारी खेली तो मुझे लगा कि मेरी लय वापस आ गई है। मेरी एकाग्रता और सब कुछ गिरने लगा।

जब आप अपनी टीम के लिए प्रदर्शन करना चाहते हैं, तो आपको खुद को लागू करने की आवश्यकता होती है। जब आप प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलते हैं, तो आप बहुत सी चीजें सीखते हैं। लेकिन कभी-कभी आपको उस अनुभव की आवश्यकता होती है, आपको बीच में उस समय की आवश्यकता होती है और वह सबसे महत्वपूर्ण था।

उन्होंने कहा, मैं घर वापस भी इसके लिए तैयारी कर रहा था। इससे पहले भी मैं ससेक्स टीम में शामिल हुआ था। मैंने सौराष्ट्र के लिए तीन रणजी ट्रॉफी मैच खेले। उसमें भी मैंने अपनी लय पाई। मुझे पता था कि मैं अच्छी बल्लेबाजी कर रहा था। यह एक अवसर पाने के बारे में था। जब मैंने अपने पहले गेम में ऐसा किया था, तो मुझे पता था कि अब सब कुछ सामान्य हो गया है। मुझे अपना फुटवर्क मिल रहा है। मेरा बैकलिफ्ट, सब कुछ ठीक चल रहा था। उसके बाद, मैं बस अपने खेल का आनंद लेना चाहता था। कोशिश करें और सुनिश्चित करें कि आप टीम की सफलता में योगदान दें। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैदान पर अच्छा समय बिताएं।

श्रीलंका के हालात देखकर भड़के सनत जयसूर्या, बोले- देश का बेड़ागर्क हो गया

नई दिल्ली। श्रीलंका को वित्तीय संकट और अशांति से जूझते देख पूर्व क्रिकेटर सनत जयसूर्या नाराज भी हैं और दुखी भी लेकिन उन्हें उम्मीद है कि देश में जल्दी ही लोकतंत्र बहाल होगा। पूर्व कप्तान और उपमहाद्वीप के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में से एक जयसूर्या ने राजनेताओं को जमकर आड़े हाथों लिया। जयसूर्या ने कहा कि यह बहुत दुखद स्थिति है। मेरा देश संकट के दौर में है और जरूरी खानपान के सामान के लिए लोगों को लंबी कतार में लगा देखकर मुझे बहुत कष्ट हो रहा है। बिजली नहीं है, ईंधन नहीं है और जरूरी दवाइयां भी नहीं है। इससे बुरा क्या हो सकता है।

राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षा की खराब आर्थिक नीतियों का खामियाजा देश को भुगतना पड़ रहा है। वह मालदीव भाग गए हैं और उनके सरकारी आवास पर आम जनता ने कब्जा कर लिया है। जयसूर्या ने कहा कि यह सब दुर्भाग्यपूर्ण है। उम्मीद है कि 13 जुलाई को गोटाबाया अपना इस्तीफा सौंप देंगे। हमारे राजनेताओं ने जिस तरह देश का बेड़ा गर्क किया है, उसे बयां करने के लिए शब्द नहीं है ।

जयसूर्या ने कहा कि अगर आप मुझसे इस समय राष्ट्रपति भवन के भीतर मौजूद जनता के बारे में पूछेंगे तो मुझे उनके विरोध में कोई बुराई नजर नहीं आती। उन्होंने शांतिपूर्ण विरोध किया।

उनसे बार बार सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाने के लिए कहा गया था। श्रीलंका के अलग अलग हिस्सों से नौ जुलाई को यहां लोग एकत्र हुए जो राष्ट्रपति के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं ।

जयसूर्या ने उम्मीद जताई कि देश में लोकतंत्र जल्दी लौटेगा और हालात सामान्य होंगे। यह पूछने पर कि क्या वह प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे को कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाए जाने के पक्ष में हैं, श्रीलंका के पूर्व कप्तान ने कहा कि रानिल के पास कोई विकल्प नहीं है। उसे स्पीकर महिंदा यापा अभयवर्धना के आदेश को मानना होगा। देश में शांति और लोकतंत्र की बहाली के लिए रानिल को विपक्ष के नेता सजीत प्रेमदासा समेत विभिन्न दलों के नेताओं से बात करनी होगी।

जयसूर्या ने कहा कि उन्हें देश के मुस्लिम नेताओं और तमिल नेताओं को बातचीत के मंच पर लाना होगा। हमें लोकतंत्र की बहाली चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगस्त में शुरू होने वाला एशिया कप श्रीलंका में ही होगा। उन्होंने कहा- मुझे पूरी उम्मीद है कि यह टूर्नामेंट होगा। इसे कोई खतरा नहीं है। श्रीलंका में सभी क्रिकेट और क्रिकेटरों से प्यार करते हैं।

श्रीलंकाई जनता किसी क्रिकेटर के खिलाफ नहीं है। टूर्नामेंट शांतिपूर्ण ढंग से कराने के उपाय किए जाएंगे।

विश्व चैंपियनशिप में इतिहास रचने उतरेंगे नीरज चोपड़ा, अपनी निरंतरता पर भरोसा

नई दिल्ली। ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अमेरिका के युगेन में शुक्रवार से शुरू हो रही विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में ऐतिहासिक पदक जीतने के लिए उतरेंगे। वह बेहतरीन फॉर्म और अपनी निरंतरता पर भरोसा करेंगे। 30 जून को स्टाकहोम डायमंड लीग में 89.94 मीटर का सत्र का तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के बाद 24 वर्षीय चोपड़ा विश्व चैंपियनशिप में पदक के दावेदारों में शामिल हैं। विश्व चैंपियनशिप में नीरज पदक जीतते ही इतिहास रच देंगे। ऐसा करने वाले ट्रैक एंड फील्ड के दूसरे भारतीय और पहले पुरुष खिलाड़ी होंगे। अंजू बॉबी जॉर्ज ने 2003 में पेरिस में हुई विश्व चैंपियनशिप की लंबी कूद में कांस्य पदक जीता था।

अमेरिका में ले रहे प्रशिक्षण

अमेरिका के चुला विस्टा में प्रशिक्षण हासिल कर रहे नीरज ने कहा, उनकी तैयारी अच्छी रही है। पिछली तीन स्पर्धाओं में उन्होंने दो में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और एक में स्वर्ण पदक जीता था। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। उन्होंने कहा, वह 90 मीटर की दूरी तक भाला फेंक सकते है। स्टाकहोम डायमंडल लीग में वह सिर्फ छह सेंटीमीटर इससे पीछे रहे गए थे। नीरज ने 14 जून को फिनलैंड में पावो नूर्मी खेलों के दौरान 89.30 मीटर की दूरी तय की, जबकि स्टाकहोम में 89.94 मीटर की दूरी तक फेंका।

महिला हॉकी विश्व कप : नवनीत के 2 गोल से भारत ने जापान को हराया, नौवें स्थान पर

टेरेसा (स्पेन)। नवनीत कौर के दो गोल की मदद से भारतीय महिला हॉकी टीम ने जापान को 3.1 से हराया लेकिन एफआईएच महिला विश्व कप में निराशाजनक नौवें स्थान पर रही। नवनीत ने 30वें और 45वें मिनट में गोल दागे जबकि दीप ग्रेस इक्का ने 38वें मिनट में गोल किया।

जापान के लिए एकमात्र गोल यू असाइ ने 20वें मिनट में दागा। पहले क्वार्टर के पहले 5 मिनट में दोनों टीमों ने बराबर हमले बोले लेकिन गोल नहीं कर सकी। भारत को बढ़त बनाने का मौका जल्दी ही मिला लेकिन वंदना कटारिया के शॉट को जापानी गोलकीपर एइका नकामूरा ने बचा लिया। पहले क्वार्टर में टीमों को कामयाबी नहीं मिली। भारत ने दूसरे क्वार्टर में अच्छी शुरूआत की और 2 मिनट के भीतर दो मौके बनाए लेकिन गोल नहीं हो सका। जापान ने 20वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर असाइ के गोल के दम पर

बढ़त बनाई। भारत ने जवाबी हमले में पेनल्टी कॉर्नर बनाए लेकिन गोल नहीं हुआ। नवनीत ने हाफ टाइम से ठीक पहले बराबरी का गोल दागा। दूसरे हाफ में भारत ने काफी आक्रामक शुरूआत की और छठा पेनल्टी कॉर्नर बनाया लेकिन एक बार फिर मौका गंवा दिया। इक्का ने हालांकि भारत को मिले एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर बढ़त दिलाई। तीसरे क्वार्टर में नवनीत ने दूसरा गोल दागा। चौथे क्वार्टर में जापान ने वापसी की काफी कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली।

रोहित–बुमराह के बाद गांगुली भी कोहली के बचाव में आगे आए, कहा– यह सबके साथ हुआ है

लंदन । भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली लम्बे समय से खराब दौर से गुजर रहे हैं और कमर की चोट ने मामला और खराब कर दिया है। इस 33 वर्षीय धमाकेदार बल्लेबाज का आखिरी अंतरराष्ट्रीय शतक 2019 में आया था। वहीं हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल श्रृंखला में उनका निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा और वह एजबेस्टन टेस्ट में केवल 11 और 20 रन बना सके जबकि टी20 में अपनी दो पारियों में केवल 12 रन बनाए।

विराट कोहली के खराब फॉर्म की भारी आलोचना हुई है और कुछ पूर्व क्रिकेटरों जैसे कि कपिल देव और वेंकटेश प्रसाद ने टी20 टीम में उनकी जगह पर सवाल उठाया है।

हालांकि विफलताओं के बावजूद कप्तान रोहित शर्मा और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने उनका साथ दिया और एक्सपर्ट्स को खरी-खोटी भी सुनाई। अब बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने भी कोहली का समर्थन किया है। गांगुली ने कहा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उसे मिले नंबरों को देखें जो क्षमता और गुणवत्ता के बिना नहीं होता है। हां, उसका कठिन समय चल रहा है और वह जानता है। वह खुद एक महान खिलाड़ी रहा है। वह खुद जानता है कि अपने मानक अच्छे नहीं रहे हैं।

मैं देखता हूं कि वह वापसी करेगा। उन्होंने कहा, लेकिन उसे अपना रास्ता खोजना होगा और सफल बनना होगा, जो वह पिछले 12-13 वर्षों या उससे अधिक समय से कर रहा है और केवल विराट कोहली ही ऐसा कर सकते हैं। बीसीसीआई अध्यक्ष ने कहा, ये चीजें खेल में होंगी। यह सबके साथ हुआ है। यह सचिन के साथ हुआ है, यह राहुल के साथ हुआ है, यह मेरे साथ हुआ है, यह कोहली के साथ हुआ है। यह भविष्य के खिलाड़ियों के साथ होने जा रहा है। यह खेल का हिस्सा है और मुझे लगता है कि एक खिलाड़ी के रूप में आपको बस सुनने की जरूरत है, इसके बारे में जागरूक रहें और बस अपना खेल खेलें। विराट कोहली को प्रदर्शन करना होगा और अपने स्कोरिंग तरीके से वापस आना होगा या उन्हें ऑस्ट्रेलिया में आगामी 16 अक्टूबर से शुरू होने वाले आईसीसी टी 20 विश्व कप 2022 के लिए भारतीय टीम में जगह बनाना मुश्किल हो सकता है।

विंडीज टी–20 सीरीज में नहीं खेलेंगे विराट कोहली–जसप्रीत बुमराह, यह है वजह

लंदन । वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टी-20 सीरीज में विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह नहीं खेलेंगे। खास बात यह है कि ऊंगली की चोट के बाद कुलदीप यादव भारतीय टीम में वापसी कर लेंगे। यह भी खबर है कि चयन समिति नवंबर में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए कोहली का नाम आगे लेकर चल रही है। फिलहाल टीम इंडिया इंगलैंड में है। टी-20 सीरीज जीतने के बाद भारत ने वनडे सीरीज में 1-0 की लीड ले ली है। कोहली पहले वनडे में चोट के कारण खेल नहीं पाए थे। उनके दूसरे वनडे से भी बाहर होने की संभावना है।

कोहली पिछले दो साल से शतक नहीं लगा पाए हैं। बीते दिनों कोहली ने भी उन्हें टीम से बाहर करने की वकालत की थी। बहरहाल, बीसीसीआई की चयन समिति कोहली की चोट को सावधानी से ले रहे हैं। अगर खिलाड़ी सौ फीसदी फिट नहीं है तो ग्रोइन स्ट्रेन जैसे इंजरी काफी खतरनाक हो जाती है। ऐसे में बीसीसीआई कोई रिस्म नहीं लेना चाहेगी।

इस बीच कुलदीप यादव अपनी चोट से उबर चुके हैं और उन्होंने बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में अपना रिहैबिलिटेशन पूरा किया है। घर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की टी-20 सीरीज के दौरान नेट्स में बल्लेबाजी करते हुए उंगली में चोट लग गई थी। चयन समिति ने कार्यभार प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए बुमराह को आराम दिया है। बुमराह नॉन-स्टॉप क्रिकेट खेल रहे हैं और भारतीय टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप से पहले कुछ और सीरीज खेलनी है ऐसे में चयनकर्ताओं को लगा कि बेहतर होगा कि उन्हें ब्रेक दिया जाए। बता दें कि वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज 29 जुलाई से शुरू होकर 7 अगस्त तक चलेगी। पहला मैच त्रिनिदाद के ब्रायन लारा स्टेडियम में खेला जाएगा, उसके बाद अन्य दो मैच खेले जाएंगे। श्रृंखला का समापन फ्लोरिडा के सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम टर्फ ग्राउंड में होगा जहां दो मैच खेले जाएंगे। बीसीसीआई वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन वनडे की सीरीज की घोषणा कर चुका है।

इसमें शिखर धवन को कप्तान बनाया गया है जबकि रवींद्र जडेजा उपकप्तान रहेंगे। भारत 22 जुलाई से त्रिनिदाद में तीन वनडे मैच खेलेगा।

रूसी ट्रेन पहली बार दोस्त भारत के लिए माल लेकर पहुंची ईरान, 3800 KM सफर किया तय

तेहरान। पहली बार रूस की ट्रेन अपने दोस्त भारत के लिए माल लेकर महत्वाकांक्षी अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन कॉरिडोर के जरिए ईरान पहुंच गई है। इस दौरान ट्रेन ने कजाकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान से होते हुए लगभग 3,800 किमी की यात्रा तय की है। ईरानी मीडिया के अनुसार 39 फेट कंटेनरों के साथ ट्रेन ने तुर्कमेनिस्तान की सीमा पर सरखास

स्टेशन के जरिये ईरान में प्रवेश किया। INSTC 7200 किलोमीटर लंबी बहुविध परिवहन परियोजना है जिससे भारत, ईरान, अफगानिस्तान, आर्मेनिया, अजरबैजान, रूस, मध्य एशिया और यूरोप के लिए माल भेजा जा सकता है। भारत इस परियोजना का समर्थन करता रहा है। खबर के मुताबिक, सरखास रेलवे स्टेशन से माल की खेप को 1,600 किलोमीटर लंबे रेल मार्ग का इस्तेमाल करते हुए दक्षिण ईरान में बंदर अब्बास पत्तन ले जाया जाएगा जहां से इसे समुद्री मार्ग से भारत भेजा जाएगा। तेहरान टाइम्स की खबर के अनुसार, ईरान के अधिकारियों ने ट्रेन का स्वागत करने के लिए एक समारोह का आयोजन किया और इसमें प्रथम उप राष्ट्रपति मोहम्मद मोखबेर के साथ परिवहन, तेल, उद्योग और कृषि मंत्रियों ने भाग लिया।

एक्सपर्ट्स का दावा- श्रीलंका में तबाही का चीन की आर्थिकता पर पड़ेगा बहुत गहरा प्रभाव

शंघाई : श्रीलंका में आर्थिक संकट को लेकर पिछले कई महीनों से हालात बिगड़े हुए हैं। श्रीलंका की इस बर्बादी के लिए चीन को एक बड़ा कारण माना जा रहा है। भले ही चीन ने श्रीलंका के बीजिंग समर्थक राजपक्षे बंधुओं के नाटकीय पतन पर चुप्पी साध रखी हो, लेकिन एक्सपर्ट्स का मानना है कि वहां फैली अराजकता के कारण द्विपक्षीय संबंधों और चीन द्वारा बुनियादी ढांचे

में किए गए व्यापक निवेश पर 'बड़ा गहरा प्रभाव' पड़ सकता है। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे अपने आवास में प्रदर्शनकारियों के घुसने के कुछ दिन बाद सैन्य विमान के जरिए देश छोड़ चुके हैं। हांगकांग से प्रकाशित होने वाले 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' ने शंघाई की फुदान यूनिवर्सिटी में दक्षिण एशिया मामलों के विशेषज्ञ लिन मिंगवांग के हवाले से कहा, 'कुछ समय के लिए ही सही श्रीलंका के साथ चीन के संबंधों पर बड़ा प्रभाव पड़ सकता है।' मिंगवांग ने कहा, 'श्रीलंका के राजनीतिक हलकों में राजपक्षे परिवार का प्रभाव कमजोर होगा और निकट भविष्य में उनकी वापसी की उम्मीद नजर नहीं आ रही है।' लिन ने यह चेतावनी भी दी कि श्रीलंका में संकट के कारण चीनी निवेशकों को नुकसान हो सकता है। श्रीलंका में बढ़ती मुद्रास्फीति, भारी कर्ज और पैसे के गलत इस्तेमाल से उपजा यह संकट विकासशील देशों की ओर देख रहे चीनी निवेशकों के लिए एक सबक भी है।

अफगानिस्तान में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण 39 लोगों की मौत

काबुलः अफगानिस्तान में बेमौसम बारिश और बाढ़ के कारण नौ बच्चों समेत 39 लोगों की मौत हो गई। संयुक्त राष्ट्र ने यह जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय के अनुसार 14 अन्य लोग घायल हुए हैं। देश के पूर्वी क्षेत्र में एक माह से भी कम समय में तीसरी बार अचानक बाढ़ आई है। इससे पहले जून में दो दिन के दौरान भारी बारिश के कारण 19 लोगों की मौत हो गई थी और

131 अन्य घायल हो गए थे। पूर्वी अफगानिस्तान के नंगरहार और नूरिस्तान में लगभग 500 परिवार प्रभावित हुए हैं और लगभग 800 हेक्टयर कृषि भूमि बर्बाद हो गई है।

हिजाब के खिलाफ सड़कों पर उतरीं ईरानी महिलाएं

स्लामिक कानून के विरोध में सार्वजनिक तौर पर परदा हटाया, वीडियो सोशल मीडिया पर डाला

तेहरान। इस्लामी मुल्क ईरान में महिलाओं ने हिजाब का जोरदार विरोध शुरू कर दिया है। वह भी उस दिन, जब सरकार की ओर से देश में हिजाब और शुद्धता दिवस मनाया जा रहा था। सड़कों पर उतरी महिलाओं ने सख्त नियमों का कड़ा विरोध किया और अपने हिजाब उतारकर फेंक दिए। उन्होंने नकाब हटाकर सार्वजनिक तौर पर वीडियो बनाए और इन्हें पोस्ट कर इस्लामिक रिपब्लिक में हिजाब पाबंदी की विरोध किया।

1979 की इस्लामी क्रांति के बाद लागू ईरान के कानून के मुताबिक, नौ साल से ज्यादा की सभी महिलाओं को सार्वजनिक तौर पर अपने बाल ढकना अनिवार्य है। 12 जुलाई को सरकारी विशेष दिवस पर महिलाओं का रुख भांपकर सरकार ने चौकसी भी बरती। उसने 11 जुलाई को ही कई मुखर महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया था। उधर, सालों से सख्त नियमों का विरोध कर रही महिलाओं ने

इस अवसर को हिजाब की खिलाफत के लिए इस्तेमाल किया। तय वक्त पर महिलाएं सड़कों पर निकलीं और अपने हिजाब व शॉल उतारकर फेंक दिए। इसके बाद उन्होंने सार्वजनिक परिवहन सेवाओं का उपयोग किया तो दुकानों में खरीदारी भी की। उन्होंने सार्वजनिक तौर पर अपने नकाब हटाकर वीडियो भी बनाए। कई स्थानों पर तो पुरुषों ने भी उनका जमकर साथ दिया।

सरकार ने सेना को सौंप रखा है पाबंदी लागू कराने का जिम्मा

ईरान की सरकार ने महिलाओं पर हिजाब पाबंदी लागू कराने का जिम्मा सेना को सौंप रखा है। सड़कों पर महिलाओं के विरोध की सूचना मिली तो सरकार ने टेलीविजन पर शुद्धता दिवस का वीडियो प्रसारित किया। इसमें हरे हिजाब और लंबे सफेद कपड़े पहने 13 महिलाओं को नृत्य करते दिखाया गया।

कनाडा में महात्मा गांधी की प्रतिमा तोड़ी गईः पुलिस ने बताया हेट क्राइम

टोरंटो। कनाडा के ओन्टारियो प्रांत में कुछ उपद्रवियों ने रिचमंड हिल में महात्मा गांधी की प्रतिमा तोड़ दी। भारत ने इस घटना पर चिंता जाहिर की है और साथ ही इस मामले की जांच की मांग की है। कनाडाई ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन ने यॉर्क रीजनल पुलिस के हवाले से बताया कि योंग स्ट्रीट और गार्डन एवेन्यू के विष्णु मंदिर में प्रतिमा को तोड़ा गया।

टोरंटो स्थित भारतीय दूतावास ने इस घटना पर कहा- हम रिचमंड हिल के विष्णु मंदिर में महात्मा गांधी की प्रतिमा को तोड़े जाने से परेशान हैं। इस घटना ने कनाडा में भारतीय समुदाय की भावनाओं को आहत किया है। हम इस मामले की जांच के लिए अधिकारियों के संपर्क में हैं।

खालिस्तान लिखकर प्रतिमा को नुकसान पहुंचाया

यॉर्क पुलिस ने इस घटना को हेट क्राइम बताया है। पुलिस के प्रवक्ता एमी बौद्रेउ ने कहा- किसी उपद्रवी ने 'बलात्कारी' और 'खालिस्तान' जैसे शब्द लिखकर प्रतिमा को नुकसान पहुंचाया है। यॉर्क पुलिस किसी भी रूप में हेट क्राइम को बर्दाश्त नहीं करेगी। जो लोग नस्ल, राष्ट्रीयता, जातीय मूल, भाषा, रंग, धर्म, उम्र, लिंग के आधार पर दूसरों को परेशान करते हैं उन पर मुकदमा चलाया जाएगा।

पहले भी हिंदू मंदिर को निशाना बनाया गया

5 महीने पहले भी ग्रेटर टोरंटो एरिया में हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ और लूट की घटना को अंजाम दिया गया था। तब 10 दिन में ही 6 मदिरों को निशाना बनाया गया था। उपद्रवी दान पेटियों से कैश चुराने के अलावा मूर्तियों पर सजाए गए आभूषण भी चुरा ले गए। आमतौर पर कनाडा में इस तरह की घटना नहीं होती हैं, लेकिन बीते कुछ वक्त में इनमें दोहराव दिखाई दे रहा है।

दक्षिण चीन सागर से गुजरा अमेरिकी गश्ती जहाज, चीन का दावा- मिसाइल गाइडेड पोत को पीछे धकेला

बीजिंग। अमेरिकी नौसेना ने विवादित दक्षिण सागर में चीन के कब्जे वाले द्वीपों के पास से एक विध्वंसक जहाज भेजा। उधर, चीन ने कहा कि उसने इस युद्धपोत को पीछे धकेल दिया है। इसे लेकर क्षेत्र में एक बार फिर तनाव बढ़ने की आशंका है। अमेरिका ने कहा है कि उसने क्षेत्रीय आजादी के तहत मिसाइल गाइडेड विध्वंसक पोत यूएसएस बेनफोल्ड को रणनीतिक समुद्री मार्ग से रवाना किया। यह पोत पैरासेल द्वीप समूह को पार कर दक्षिण चीन सागर से होते हुए गुजरा। इस तरह के संचालन को अमेरिकी नौसेना के लिए हिंद-प्रशांत में अपनी मौजूदगी बनाए रखने के लिए अहम माना जाता है। यहां चीन ने बड़े पैमाने पर जहाजों के माध्यम से अपनी मौजूदगी बढ़ाई हुई है। इस जल क्षेत्र में अमेरिका चीन के बीच तनाव बढ़ गया है। चीन ने अमेरिकी पोत को

पीछे धकेलने का दावा करते हुए कहा है कि अमेरिका को क्षेत्रीय तनाव भड़काने से बाज आना चाहिए।

एक दिन पूर्व ही ब्लिंकेन ने दी चेतावनी

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने 2016 के समझौते का पालन करने के लिए चीन को चेतावनी दी थी। दक्षिण चीन सागर में बीजिंग के दावों को अमान्य करते हुए ब्लिंकेन ने कहा, यदि विवादित जल में चीनी सेना के जहाज या हवाई हमले होते हैं तो वाशिंगटन फिलीपीन की रक्षा के लिए बाध्य है।

विवादित क्षेत्र में चीनी नौकाएं

चीन लगातार दक्षिण चीन सागर के विवादित जल क्षेत्र में अपने विमानवाहक जहाजों और नौसैन्य नौकाओं को भेजता रहा है। इसका फिलीपीन समेत ब्रुनेई, ताइवान, मलयेशिया और वियतनाम विरोध करते रहे हैं। सभी दावेदार देशों ने यह भी कहा है कि चीनी नौकाओं से उनके क्षेत्र के मछुआरों के साथ मारपीट करने की खबरें हैं। अमेरिका ने इसी मुद्दे पर चीन को चेतावनी दी है कि वह अपना आक्रामक बर्ताव छोड़े।

चीन समेत पश्चिमी यूरोप के कई देशों पर पड़ेगी भीषण गर्मी की मार

बीजिंग। चीन समेत पश्चिमी यूरोप के कई देश भीषण गर्मी की चपेट में आने वाले हैं। इस सप्ताह चीन, यूरोप, दक्षिण-पश्चिम और मध्य अमेरिका के कुछ हिस्सों में हीटवेव चेतावनी जारी की गई है। देश के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में कम से कम 86 शहरों रेड अलर्ट जारी किया गया है। हालात ये हैं कि इन शहरों में निर्माण कार्य पर पूरी तरह रोक लगा दिया गया है। लोग गर्मी से इतने परेशान हैं कि वह हमेशा ठंडे जगह की तलाश में रहते हैं। लगभग 2.50 करोड़ की आबादी वाले शंघाई प्रशासन ने लोगों को चेतावनी दी गई है कि अगले कुछ हफ्ते भी इसी तरह के होने वाले हैं, इसलिए वे गर्मी झेलने के लिए तैयार रहें। चीनी मौसम विज्ञानियों ने आने वाले दिनों में कुछ शहरों में तापमान के 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का पूर्वानुमान जताया है। स्पेन और फ्रांस में बढ़ते तापमान का असर ब्रिटेन में भी महसूस किया जाने लगा है। मौसम विभाग चीन के कई शहर इन दिनों भीषण गर्मी की मार झेल रहे हैं। भयंकर गर्मी

से बचने के लिए लोग अंडरग्राउंड शेल्टर्स में शरण लेने लगे है। इसमें शंघाई, नानजिंग भी शामिल हैं। रेड अलर्ट एक थ्री टायर हीटवेव वार्निंग है।

चीन में मूसलाधार बारिश को लेकर ब्लू अलर्ट

चीन में भारी बारिश के बीच देश के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने देश के कुछ हिस्सों में आंधी तूफान के लिए ब्लू अलर्ट जारी किया है। 28 मई से हो रही मूसलाधार बारिश और बारिश के कारण आई बाढ़ ने 80 प्रांतों में कहर बरपा रखा है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, दक्षिण चीन के गुआंग्शी जुआंग स्वायत्त क्षेत्र में, बाढ़ और भारी बारिश से 3.75 मिलियन से अधिक निवासी प्रभावित हुए हैं। चीन के जियांग्शी प्रांत में भारी बारिश के कारण कुल 548,000 लोग प्रभावित हुए हैं क्योंकि बाढ़ से प्रत्यक्ष आर्थिक नुकसान लगभग 70.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर (470 मिलियन युआन) तक पहुंच गया है।

अफगानिस्तान में 39 की मौत

अफगानिस्तान में बेमौसम बारिश और बाढ़ के कारण नौ बच्चों समेत 39 लोगों की मौत हो गई। संयुक्त राष्ट्र ने बुधवार को यह जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय के अनुसार 14 अन्य लोग घायल हुए हैं। पूर्वी अफगानिस्तान के नंगरहार और नूरिस्तान में लगभग 500 परिवार प्रभावित हुए हैं और लगभग 800 हेक्टयर कृषि भूमि बर्बाद हो गई है। देश के पूर्वी क्षेत्र में एक माह से भी कम समय में तीसरी बार अचानक बाढ़ आई है। इससे पहले जून में दो दिन के दौरान भारी बारिश के कारण 19 लोगों की मौत हो गई थी और 131 अन्य घायल हो गए थे।

नाइजीरिया में आंधी-तूफान के कारण से 6 लोगों की मौत

लागोसः नाइजीरिया के उत्तरी राज्य जिगावा में आंधी-तूफान के कारण आई आपदा में छह लोगों की मौत हो गई और 65 अन्य घायल हो गए। आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने यह जानकारी दी। जिगावा स्टेट इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी के प्रमुख युसूफ सानी ने एक बयान में कहा कि तूफान ने मंगलवार को राज्य के काफिनहौसा स्थानीय सरकारी क्षेत्र में कहर बरपाया और कई घरों को नष्ट कर दिया।

सानी ने कहा,'छह लोगों की जान चली गई और आपदा में घायल हुए 65 अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।' उन्होंने कहा कि एजेंसी आपदा से हुए नुकसान का पता लगाने के लिए नुकसान का आकलन करने की कवायद कर रही है।

पाकिस्तान में छह बच्चों के सामने पत्नी की हत्या कर शव भगोने में उबाला

कराची। पाकिस्तान से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। कराची में एक व्यक्ति ने अपने छह बच्चों के सामने पहले पत्नी की हत्या की, फिर उसका शव एक बड़े भगोने में उबाला।

मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक पाकिस्तान के कराची शहर के गुलशन- ए- इकबाल इलाके में एक स्कूल पिछले नौ माह से बंद पड़ा था। स्कूल का चौकीदार आशिक अपनी पत्नी 32 वर्षीय नरगिस और छह बच्चों के साथ स्कूल परिसर में ही रहता था। आशिक ने अपनी पत्नी नरगिस को इन बच्चों के सामने मार डाला। पत्नी की हत्या के बाद आशिक ने स्कूल की रसोई में मौजूद एक बड़े भगोने में पत्नी का शव उबाला और फिर वहां से अपने तीन बच्चों को साथ लेकर भाग निकला। आशिक के भाग जाने के बाद उसकी 15 वर्षीय बेटी ने पुलिस हेल्पलाइन को फोन कर घटना की जानकारी दी। उसके बाद पहुंची मोबिना थाने की पुलिस को स्कूल के रसोईघर में रखे बड़े भगोने में नरगिस का शव मिला। पुलिस के मुताबिक आरोपित चौकीदार इस वीभत्स घटना के बाद अपने तीन बच्चों के साथ फरार हो गया। तीन अन्य बच्चों को पुलिस ने अभिरक्षा में लिया है। पुलिस अधीक्षक शेराजी ने कहा कि शुरूआती जांच और बच्चों के बयानों से पता चलता है कि संदिग्ध आरोपित ने पहले अपनी पत्नी को तकिये से गला दबाकर मार डाला और फिर उसके शव को अपने बच्चों के सामने भगोने में उबाला। इस दौरान महिला का एक पैर भी शरीर से अलग हो गया था।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

महिला को सुनाई पत्थर से मारकर मौत की सजा

खारतूम। सूडान की एक कोर्ट ने अवैध संबंध की दोषी एक महिला को पत्थर से मारकर मौत देने की सजा सुनाई है। हालांकि पिछले एक दशक से सूडान में इस तरह की कोई सजा नहीं सुनाई गई है।

चीन के वैज्ञानिकों ने बनाई माइक्रोप्लास्टिक खाने वाली मछली, समुद्र की करेगी सफाई

बीजिंग। चीन के वैज्ञानिकों ने माइक्रोप्लास्टिक खाने वाली एक मछली बनाई है। यह चावल के दाने से बहुत छोटे प्लास्टिक के टुकड़े खाने में सक्षम है। इसे समुद्र की सफाई के लिहाज से बनाया गया है। काले रंग की यह रोबोटिक मछली एक लाइट (रेडियोसक्रिय किरणों से उपचारित) की मदद से काम करती है। इसके जरिये वह अपने पंख फड़फड़ा सकती है और शरीर को हिला डुला सकती है। दक्षिण-पश्चिम चीन की सिचुआन यूनिवर्सिटी की चीनी वैज्ञानिकों की एक टीम ने कहा कि ये रोबोट मछली एक दिन दुनिया भर के समुद्र से माइक्रोप्लास्टिक के कचरे को साफ कर देगी। यह छूने में एकदम नाजुक और 1.3 सेंटीमीटर (0.5 इंच) तक लंबी है। इस तरह की कुछ मछलियां सतह की गहराई में पानी से माइक्रोप्लास्टिक निकालने का काम कर रही हैं।

टीम का कहना है कि वह रोबोट मछलियों पर अभी और काम कर रहे हैं, ताकि ये एक दिन और गहराई तक जाकर पानी से माइक्रोप्लास्टिक को खा सकें।

कम वजन, छोटा आकार

रोबोट को बनाने वाली टीम के शोधकर्ता वांग युयान ने कहा, हमने कम वजन वाला छोटी रोबोटिक मछली बनाई है। इसे बायोमेडिकल या खतरनाक ऑपरेशंस के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा यह एक तरह का छोटा रोबोट है, जिसे शरीर में भी लगाया जा सकता है। जिससे बीमारी को खत्म करने में भी मदद मिल सकती है। वैज्ञानिक लाइट का इस्तेमाल करते हुए रोबोट को नियंत्रित कर सकते हैं, ताकि ये पानी में तैरने वाली अन्य मछलियों और जहाजों से न टकराएं।

बड़ी मछली के खा जाने के बाद भी रहती है जीवित

वांग के मुताबिक, अगर इन्हें गलती से पानी में मौजूद दूसरी मछलियां खा लेती हैं, तब भी असली मछलियों को इससे कोई नुकसान नहीं होगा। वो आसानी से इन रोबोट को पचा लेंगी। ऐसा इसलिए क्योंकि मछलियों को पॉलीयुरेथेन से बनाया गया है। जो बायो कंपैटिबल है। रोबोटिक मछलियां प्रदूषकों को अवशोषित कर सकती हैं और क्षतिग्रस्त होने पर खुद को ठीक कर सकती हैं। यह प्रति सेकेंड 2.76 बॉडी लेंथ के साथ तैर सकती हैं, जो अधिकतर आर्टिफिशियल रोबोट की तुलना में अधिक तीव्र है।

माइक्रोप्लास्टिक का पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव

वांग का कहना है कि हम अधिकतर माइक्रोप्लास्टिक्स को संग्रह करने पर काम कर रहे हैं। इसका पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यह जीवों में विकास, प्रजनन और सामान्य जैविक कार्यों को सीमित करता है और इंसानों पर भी इसका प्रभाव पड़ता है।

गोटाबाया राजपक्षे को मालदीव में जान का खतरा, सिंगापुर जाने के लिए मांगा प्राइवेट जेट

कोलंबोः श्रीलंका में एमरजेंसी और प्रदर्शनों के चलते हालात बदतर हो चुके हैं। इसी बीच श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे जनता के प्रदर्शन से घबराकर पहले श्रीलंका छोड़कर मालदीव पहुंच गए हैं। वे मालदीव से सिंगापुर जाने की फिराक में हैं और इसके लिए वे मालदीव सरकार से प्राइवेट जेट की मांग कर रहे हैं। दरअसल, श्रीलंका के राष्ट्रपति को मालदीव में भी भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें अब अपनी जान का डर सता रहा है। इसलिए गोटाबाया राजपक्षे ने मालदीव सरकार से सिंगापुर जाने के लिए प्राइवेट जेट मांगा है। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे मालदीव में हैं और उन्हें माले से सिंगापुर जाना था लेकिन सुरक्षा कारणों से वह सिंगापुर एयरलाइन के विमान पर सवार नहीं हो सके। मीडिया में बृहस्पतिवार को प्रकाशित खबर के अनुसार, गोटबाया अब एक निजी विमान का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने बुधवार को इस्तीफा देने की घोषणा की थी पर देश छोड़ने के कुछ घंटों बाद ही उन्होंने प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे को कार्यवाहक राष्ट्रपति बना दिया था जिससे राजनीतिक संकट गहरा गया है तथा सरकार विरोधी प्रदर्शन और उग्र हो गया है।संसद के अध्यक्ष महिंदा यापा अभयवर्द्धने ने कहा कि राजपक्षे ने रानिल विक्रमसिंघे को तब तक राष्ट्रपति का दायित्व निर्वहन करने के लिए नियुक्त किया है जब तक वह बाहर हैं। 'डेली मिरर' की खबर के अनुसार, राजपक्षे, उनकी पत्नी लोमा और दो सुरक्षा अधिकारी बुधवार रात को माले से उड़ान संख्या 'एसक्यू 437' के जरिये सिंगापुर के लिये रवाना होने वाले थे लेकिन सुरक्षा कारणों से वे विमान पर सवार नहीं हुए। खबर में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि राजपक्षे अब एक निजी विमान का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच अभयवर्द्धने ने कहा कि उन्हें राष्ट्रपति राजपक्षे से अभी तक इस्तीफा प्राप्त नहीं हुआ है।